@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार 01 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 231 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एक झटके में पाक के परमाणु अड्डे हो जाएंगे तबाह

-अमेरिका के बी-2 बॉम्बर्स की कहानी तो खूब सुन ली, भारत बना रहा उससे भी खतरनाक बंकर-बस्टर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के परमाणु फैसिलिटी को टारगेट करने के लिए अमेरिका की तरफ से इस्तेमाल किए गए बंकर बस्टर बम की चर्चा पूरी दुनिया में खूब हुई। बी2 बॉम्बर्स के अमेरिका द्वारा इस्तेमाल के बाद अब बंकर बस्टर जैसे हाईटेक बमों को लेकर दुनिया भर के देश अपनी रक्षा क्षमताओं का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। भारत कोई अपवाद नहीं है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (ष्ठक्रष्ठह्र) अब अग्नि-5 मिसाइल प्रणाली के उन्नत संस्करण को विकसित करने के अपने प्रयासों को तेज़ कर रहा है, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर पारंपरिक बंकर-बस्टिंग वारहेड पहुंचाना है।

7,500 किलोग्राम का बंकर बस्टर ले जाने में सक्षम

मूल अग्नि-5 के विपरीत, जिसे 5,000 किलोमीटर से अधिक की रेंज के साथ परमाणु वितरण के लिए डिज़ाइन किया गया था, उन्नत संस्करण पारंपरिक वारहेड ले जाएगा - विशेष रूप से, 7,500 किलोग्राम तक के बंकर बस्टर। इन वारहेड्स को कथित तौर पर गहराई से दबे और किलेबंद दुश्मन के ठिकानों को भेदने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो प्रबलित कंक्रीट संरचनाओं के नीचे 80 से 100 मीटर की गहराई तक पहुँचने के बाद विस्फोट करते हैं। यह कदम भारत की महत्वाकांक्षाओं को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ जोड़ता है, जिसने हाल ही में संदिग्ध ईरानी परमाणु सुविधाओं को लक्षित करके 14 GBU-57 बंकर-बस्टर बम - अपनी तरह का सबसे बड़ा पारंपरिक गोला-बारूद - तैनात करके अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। जबकि अमेरिका इन बमों को बड़े, महंगे बमवर्षक विमानों का उपयोग करके वितरित करता है, भारत का मिसाइल-आधारित दृष्टिकोण अधिक लचीलापन, लागत-दक्षता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता प्रदान करता है।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में शुक्ला का तीसरा दिन, न्यूरो मोशन वीआर प्रोजेक्ट के लिए डेटा जुटाया

-आईएसएस से एक नई सेल्फी फोटो सामने आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से एक नई सेल्फी फोटो सामने आई है, इसमें वे हंगरी के एस्ट्रोनॉट टिबोर कपु के साथ मुस्कुराते दिख रहे हैं। यह तस्वीर स्पेस स्टेशन के कपोला मॉड्यूल के अंदर से ली गई है। स्पेस मिशन में शुभांशु के साथ कमांडर पैगी व्हिटसन, मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोश उज़नान्स्की–विश्निव्स्की और टिबोर कपु मौजूद हैं। इस मिशन में वैज्ञानिक अनुसंधान से लेकर वैश्विक जागरूकता अभियानों तक, कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ की जा रही हैं। यह अध्ययन इस दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है कि भविष्य में एल्गी एक पोषक तत्वों से भरपूर, टिकाऊ फूड सोर्स बन सकती है, खासकर लंबे स्पेस मिशनों के लिए वरदान साबित हो सकती है। कमांडर व्हिटसन ने लो अर्थ ऑर्बिट (लीओ) में कैंसर सेल्स पर इमेजिंग और रिसर्च का काम किया। यह रिसर्च सैनफोर्ड स्टेम सेल इंस्टीट्यूट के सहयोग से की गई, जिसका उद्देश्य माइक्रोग्रैविटी में कैंसर के व्यवहार को समझना है। इससे एग्रेसिव और मेटास्टेटिक कैंसर के उपचार में मदद मिल सकती है। स्पेस क्रू ने न्यूरो मोशन वीआर प्रोजेक्ट के लिए डेटा जुटाया, जिसमें अंतरिक्ष यात्री वीआर हेडसेट पहनकर टास्क करते हैं और उनके मस्तिष्क की गतिविधियों को एफएनआईआरएस तकनीक से रिकॉर्ड किया जाता है। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि माइक्रोग्रैविटी मोटर स्किल्स को कैसे प्रभावित करती है। इसी दौरान टेलीमेट्रिक हेल्थ एआई स्टडी के लिए भी डेटा इकट्ठा किया गया, जो यह जांचेगा कि स्पेस फ्लाइट हृदय और संतुलन प्रणाली को किस तरह प्रभावित करती है। उजनान्स्की ने माइक्रोफ्लुइडिक डिजाइन के एक्सपेरिमेंट में भाग लिया, जहां दवा की गुणवत्ता जांचने के लिए माइक्रोस्कोप टेस्टबेड का उपयोग किया गया। इस प्रयोग से अंतरिक्ष में हेल्थकेयर को नई दिशा मिल सकती है।

भाजपा विधायक ने पार्टी छोड़ी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने सोमवार को पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गोशामहल विधायक टी राजा ने पूर्व एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बनाने की खबरों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ दी। टी. राजा ने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने लिखा कि बहुत सारे लोग चुप हैं, इसे उनकी सहमति न समझा जाए। यह लाखों कार्यकर्ताओं के लिए सदमे जैसा है। टी राजा ने केंद्री नेतृत्व से अपील की कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें। टी राजा को 2022 में पार्टी से निलंबित किया जा चुका है। निलंबन अक्टूबर 2023 में वापस ले लिया गया था। वे तीन बार गोशामहल से विधायक चुने गए हैं।

कुकी समुदाय में गैंगवार, 4 की हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इम्फाल में कुकी समुदाय के दो ग्रुपों के बीच गैंगवार हुआ। यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी ने बयान जारी करते हुए लिखा– कुकी नेशनल आर्मी कमांडर थापी हाओकिप और उसके दोस्तों को हमारे 2 लोगों की हत्या की सजा दी गई है। पुलिस के मुताबिक, थापी हाओकिप और उसके साथी कार में थे। सोमवार दोपहर 2 बजे उन पर हमला हुआ। गैंगवार में पास के खेत में काम करने वाली 60 साल की महिला की गोली लगने से मौत हुई है। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। मामला आगे न बढ़े इसके लिए चौकसी बढ़ा दी गई है।

ललित मोदी की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने फेमा के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनके ऊपर लगाया गया 10.65 करोड़ रुपये का जुर्माना बीसीसीआई को अदा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। हालांकि, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ललित मोदी को कानून के अनुसार उपलब्ध उपायों का लाभ प्राप्त करने का अधिकार होगा। पिछले साल 19 दिसंबर को मुंबई उच्च न्यायालय ने ललित मोदी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन पर लगाए गए 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान बीसीसीआई को करने का आदेश देने का अनुरोध किया था।

देशभर में राहत के साथ-साथ आफत का मानसून

मैदान से लेकर पहाड़ तक हाहाकार

- हिमाचल में 129 सड़कें बंद, अब तक 39 की मौत
- लैंडस्लाइड के बाद टनल में 5 घंटे फंसी रहीं गाड़ियां

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ/कुल्लू/जयपुर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 129 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं।

बिहार में बिजली गिरने से 5 की मौत– बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है।

बालासोर और मयूरभंज में बाढ़ का पानी घुसा, लोगों को निकाला– नॉर्थ ओडिशा में प्रमुख नदियों के उफान पर होने के कारण राज्य सरकार ने निचले इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने बालासोर और मयूरभंज के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, क्योंकि सुवर्णरेखा, बुधबलंग, जलाका और सोनो जैसी नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सोमवार सुबह तक बालासोर में 1,138 लोगों को निकाला जा चुका है।

पंजाब-हरियाणा में बारिश, चंडीगढ़ में सड़क धंसी– पंजाब और हरियाणा में सोमवार सुबह से ही बारिश हो रही है। चंडीगढ़ में बारिश के बाद सेक्टर 47-48 के ट्रैफिक सिग्नल के पास सड़क का एक हिस्सा धंस गया। भारी बारिश के बाद सलाल डैम के गेट खोले।

ब्रिक्स में शामिल होंगे पीएम मोदी

-27 साल बाद किसी भारतीय पीएम का होगा पहला घाना और नामीबिया दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करने वाले हैं। सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री 2 से 3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 साल बाद हो रही है। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने हाल ही में भारी जीत के बाद पदभार संभाला है। भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं। दशकों से कई क्षेत्रों में हमारे संबंध विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। आर्थिक मुद्दे वार्ता का मुख्य विषय होंगे। भारत और घाना के बीच करीब 3 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है, जिसमें सोने के आयात का बड़ा योगदान है। इस दौरे के दौरान कृषि, पश्चिम अफ्रीका में टीका विकास केंद्र, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे पर फोकस किया जाएगा। कुछ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

27 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का नामीबिया दौरा

रवि ने बताया, प्रधानमंत्री मोदी 9 जुलाई को नामीबिया का दौरा करेंगे। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 27 साल बाद हो रही है। भारत और नामीबिया के बीच लगभग 600 मिलियन डॉलर का व्यापार है, जो थोड़ा बहुत भारत के पक्ष में ही है। निवेश 800 मिलियन डॉलर के करीब हैं। भारत ने नामीबिया से कुछ चीतों को लाकर कुनो नेशनल पार्क में उनकी आबादी बढ़ाई है। यह परियोजना विकास सहयोग, क्षमता निर्माण, रक्षा सहयोग और नामीबिया के कर्मचारियों के रक्षा प्रशिक्षण में बहुत सफल रही है। हमने सूचना तकनीकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया है। दोनों देशों के बीच यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरऑपरेबिलिटी टेक्नोलॉजी के समझौते हुए हैं। नामीबिया प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों में समृद्ध देश है। इसमें यूनियनम, तांबा, कोबाल्ट, दुर्लभ पृथ्वी के तत्व, लिथियम और ग्रेफाइट बड़े पैमाने पर पाए जाते हैं। नामीबिया ने नए तेल क्षेत्रों की भी खोज की है।

हमारी संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है : राष्ट्रपति मुर्मू

-दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति ने बच्चों को दिए जीव कल्याण के मंत्र

बरेली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को यूपी के बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने कहा हमारी संस्कृति ईशावास्यम् इदं सर्वम् के जीवन मूल्य पर आधारित है, जो सभी जीवों में ईश्वर को देखती है। हमारे देवताओं और ऋषियों ने पशुओं से संवाद करने की मान्यता भी इसी सोच पर आधारित है। राष्ट्रपति मुर्मू ने दीक्षांत समारोह में छात्रों से कहा कि मनुष्य का वनों और वन्य जीवों के साथ सह–अस्तित्व का रिश्ता है। कई प्रजातियां या तो विलुप्त हो गई या विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए अहम है। ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने–समझने की शक्ति दी है, उसका इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका

- 12 मजदूरों की मौत और 34 जख्मी
- ब्लास्ट के वक्त 150 लोग मौजूद थे

संगारेड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ। राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा- अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। आईजी वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ, डीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमों के साथ ही फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौजूद हैं। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है।

इधर, पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की।

अमरनाथ के लिए जम्मू में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

- कल पहला जत्था बेस कैंप से रवाना होगा; जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से 9 अगस्त तक

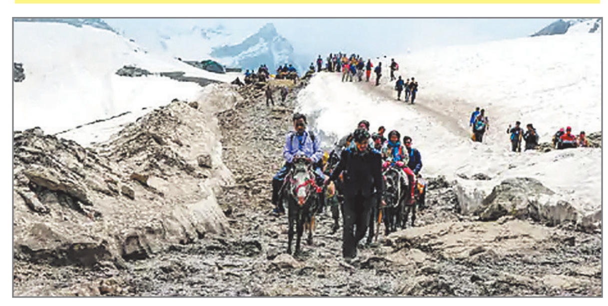

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी। इसके लिए सभी इंतजाम लगभग पूरे हो गए है। इस साल अब तक करीब 3.5 लाख श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। जिन श्रद्धालुओं ने अभी तक ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए जम्मू में ऑफलाइन पंजीकरण सोमवार से शुरू हो गया है। एक अधिकारी ने बताया कि आज तीन नए रजिस्ट्रेशन सेंटर वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में शुरू हो जाएंगे। ये सेंटर सुबह 7 बजे खुल जाएंगे। हर सेंटर पर रोजाना सिर्फ दो हजार श्रद्धालुओं का ही रजिस्ट्रेशन किया जाएगा।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर है,देश का सबसे अमीर मंदिर, यहां है करोड़ों का खजाना!

अनुमानित संपत्ति 1,20,000 करोड़

हर साल लगभग 500 करोड़ का चढ़ावा आता है

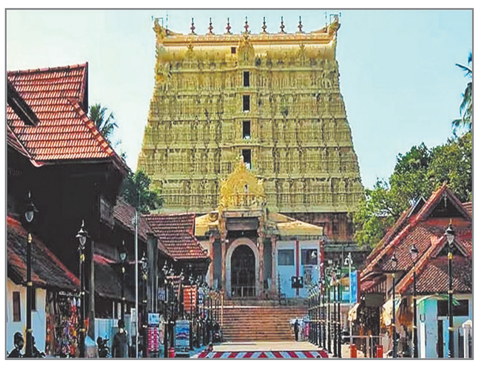

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत में आस्था सिर्फ भक्ति ही नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था को भी मज़बूत करती है। यहाँ के मंदिरों में भक्त खुले दिल से दान करते हैं और हर साल इन मंदिरों में आने वाला चढ़ावा बढ़ता ही जाता है। लाखों-करोड़ों रुपये के साथ-साथ सोने, चाँदी और हीरे के आभूषण भी दान किए जाते हैं। भारत में ऐसे मंदिरों की कमी नहीं है जिनके पास अथाह दौलत हो। आज हम आपको भारत के सबसे अमीर मंदिर के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं जिसकी संपत्ति का अनुमान लगाना भी मुश्किल है।

भारत के सबसे अमीर मंदिर की बात करें तो उसका नाम है श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर जो केरल के तिरुवनंतपुरम में स्थित है। यह मंदिर न केवल भारत बल्कि दुनिया का सबसे अमीर मंदिर माना जाता है। इसकी कुल अनुमानित संपत्ति 1,20,000 करोड़ (1.20 लाख करोड़ रुपये) से भी ज़्यादा है। यहाँ पर हर साल लगभग 500 करोड़ का चढ़ावा आता है जिसका मतलब है कि लोग हर साल इतनी बड़ी रकम दान करते हैं।

भगवान विष्णु का वास और गुप्त तहखानों का रहस्य

पद्मनाभस्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के अवतार पद्मनाभ स्वामी की पूजा की जाती है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत इसके नीचे बने गुप्त तहखाने हैं। जब इन तहखानों को खोला गया था तो उनमें सोना, हीरा, रत्न और कई बहुमूल्य मूर्तियाँ निकली थीं। ऐतिहासिक और आर्थिक दृष्टि से इनकी कीमत इतनी ज़्यादा है कि इसका अंदाज़ा लगाना भी मुश्किल है। यहाँ का सबसे चर्चित वॉल्ट बी अभी तक खोला नहीं गया है। इसे लेकर तमाम धार्मिक महत्व, मान्यताएँ और रहस्य जुड़े हुए हैं। कई लोगों का मानना है कि इसे खोलना अशुभ हो सकता है। इस मंदिर की यह अथाह संपत्ति इसे न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में अद्वितीय बनाती है।

कब और कैसे आया यह मंदिर चर्चा में ?

पद्मनाभस्वामी मंदिर तब पूरी दुनिया में चर्चा में आया था जब इसके 6 दरवाजों को खोला गया था। इन दरवाजों के अंदर से बेशुमार मात्रा में सोने–हीरे और चाँदी के बहुमूल्य जेवरात निकले थे जिनकी कीमत लगभग 20 अरब डॉलर (मौजूदा दर पर 1.60 लाख करोड़ से ज़्यादा) आंकी गई थी। वहीं मंदिर के 7वें दरवाजे को खोलने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने भी नहीं दी थी। अनुमान है कि मंदिर के इस सबसे बड़े और रहस्यमयी दरवाजे में सबसे ज़्यादा खजाना भरा हुआ है। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर की देखरेख त्रावणकोर राज परिवार द्वारा की जाती है जो सदियों से इस मंदिर की परंपराओं और संपत्ति की सुरक्षा कर रहा है। यह मंदिर सिर्फ एक पूजा स्थल नहीं बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक शक्ति का भी प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

मरियम नवाज के भाषण में बाधा डालने पर इमरान खान के 26 विधायक निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में शनिवार को इमरान खान की पार्टी के 26 विधायकों को मुख्यमंत्री मरियम नवाज के भाषण के दौरान कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष मलिक अहमद खान ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 26 विधायकों को 15 सत्रों के लिए निलंबित करने का आदेश दिया। उन पर अशिष्ट व्यवहार और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। निलंबित विधायकों ने मरियम और उनके पिता व तीन बार के प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ के खिलाफ नारेबाजी की थी। उन्होंने मरियम को सेना प्रतिष्ठान की ओर से चयनित मुख्यमंत्री बताया। पीटीआई विधायकों पर प्रांतीय विधानसभा में मरियम के भाषण को बाधित करने, स्पीकर की मेज के सामने विरोध प्रदर्शन करने और कुछ सत्तारूढ़ दल के सदस्यों का रास्ता रोकने का भी आरोप है। अध्यक्ष ने कहा, निलंबित विधायकों ने शुक्रवार के सत्र के दौरान एजेंडा पेपर फाड़कर सत्तापक्ष की ओर फेंकने सहित असंसदीय भाषा और नारेबाजी की। विपक्ष के 10 सदस्यों पर सत्र के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में प्रत्येक पर 2 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी सीपीएन यूएमएल में शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने शनिवार को सत्तारूढ़ दल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) की सदस्यता ले ली। इसके साथ ही उन्होंने फिर से सक्रिय राजनीति की घोषणा की। देश के शीर्ष संवैधानिक पद को संभालने के लिए उन्होंने एक दशक पहले पार्टी छोड़ी थी।

पीटर ब्रुक की महाभारत का प्रीमियर लंदन के सम्मेलन में

लंदन , एजेंसी। मशहूर ब्रिटिश निर्देशक पीटर ब्रुक की डिजिटल तरीके से रिस्टोर की गई फिल्म महाभारत को इस वर्ष लंदन भारतीय फिल्म महोत्सव (एलआईएफएफ) में प्रीमियर किया जाएगा। वर्ष 1989 में बनी इस फिल्म में द्रौपदी की भूमिका में प्रसिद्ध कलाकार मल्लिका साराभाई हैं। फिल्म में कई अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने काम किया है। प्रेम, दर्शन और युद्ध की कहानी कहती यह फिल्म समूची मानवता को समाहित करने वाली गाथा का रूपांतरण है। फिल्म का प्रदर्शन निर्देशक ब्रुक की 100वीं जयंती के दिन हो रहा है। ब्रुक को वर्ष 2021 में भारत सरकार की ओर से पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। फिल्म सम्मेलन 16 से 23 जुलाई तक लंदन व बर्मिंघम में चलेगा। एलआईएफएफ 2025 में कई अन्य फिल्में भी आकर्षण का केंद्र होंगी, जिनमें तमिल-फ्रेंच फिल्म लिटिल जाफना व निर्देशक रीमा दास की असमिया फिल्म विलेज रॉकस्टार्स 2 शामिल हैं।

खालिदा जिया की बीएनपी ने चुनाव से पहले पीआर और स्थानीय चुनावों की मांग का विरोध किया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को कुछ इस्लामिक पार्टियों और नई बनी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की मांगों का विरोध किया। ये पार्टियां चाहती हैं कि राष्ट्रीय चुनाव से पहले स्थानीय चुनाव कराए जाएं और चुनाव में आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली लागू की जाए। बीएनपी के प्रवक्ता सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि ये मांग करने वालों के पीछे छिपे इरादे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पीआर प्रणाली की बात कर रहे हैं, और जो पहले स्थानीय चुनाव की बात कर रहे हैं, उनका मकसद या तो चुनाव को टालना है या फिर बिल्कुल नहीं कराना है। उन्होंने यह भी कहा कि पीआर प्रणाली बांग्लादेश की राजनीति के लिए उपयुक्त नहीं है।

भ्रष्टाचार मामले में फंसे इस्राइली पीएम; ट्रंप समर्थन में उतरे, बोले- उन्हें बड़ा काम करना है

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी के आरोपों में फंसे हुए हैं। इस्राइली पीएम के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई भी शुरू हो गई है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी है और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का समर्थन किया है। ट्रंप ने इसे राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि यह भयावह स्थिति है। दरअसल इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू हमास, हिजबुल्ला और ईरान के साथ लड़ाई के बीच अपने देश में घिरे हुए हैं। नेतन्याहू पर रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे आरोप हैं। हालांकि नेतन्याहू ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया और इन्हें फर्जी बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इस्राइल में बेंजामिन नेतन्याहू के साथ जो कुछ किया जा रहा है, वह एक भयावह स्थिति है। वह एक युद्ध नायक और प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने ईरान में खतरनाक परमाणु खतरे से छुटकारा पाने में अमेरिका के साथ मिलकर शानदार काम किया है। अहम बात ये है कि वह अभी हमास के साथ एक समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें बंधकों को वापस लाना शामिल है, लेकिन उन्हें पूरा दिन अदालत में बिताना पड़ रहा है और वो भी बिना किसी बात के! यह और कुछ नहीं वैसी ही राजनीतिक प्रताड़ना है।

ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा की मंजूरी: सीनेट में 51-49 वोटों से प्रस्ताव पारित

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा के लिए मंजूरी दे दी है। शनिवार देर रात हुई वोटिंग में सीनेट ने 51-49 वोटों के अंतर से एक प्रस्ताव पारित किया, जिससे सदन को बिल पर बहस शुरू करने की इजाजत मिल गई। दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया। वोटिंग के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद थे। क्योंकि टाई की स्थिति में उनके वोट करने की जरूरत पड़ सकती थी। ट्रम्प टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले इस बिल को 4 जुलाई से पहले पारित कराना चाहते हैं।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ इलॉन मस्क ने ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की है। मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा, ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा। मस्क ने कहा, यह पूरी तरह से पागलपन भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है, लेकिन भविष्य के उद्योगों को तबाह कर देगा। मस्क ने पिछले महीने इस बिल को लेकर ट्रम्प प्रशासन में गवर्नमेंट एफिशिएंसी विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में फाइनल वोटिंग होगी करीब 940 पन्नों का बिग ब्यूटीफुल बिल शुक्रवार देर रात जारी किया गया था। इस पर हफ्ते के अंत तक बहस जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें कई संशोधन और मतदान होंगे। अगर सीनेट बिल को पास कर देता है, तो यह फाइनल वोटिंग के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में वापस आएगा। इसके बाद व्हाइट हाउस में ट्रम्प की मंजूरी के लिए जाएगा। रिपब्लिकन पार्टी के पास दोनों सदनों में बहुमत है। हालांकि, डेमोक्रेट्स के अलावा रिपब्लिकन पार्टी के कुछ अपने नेता ही बिग ब्यूटीफुल बिल का विरोध कर रहे हैं। यह बिल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 22 मई को सिर्फ 1 वोट के अंतर से पास हो चुका है। इसके समर्थन में 215 और विरोध में 214 वोट मिले थे।

बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर भिड़े थे मस्क और ट्रम्प : ट्रम्प और मस्क 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। ट्रम्प का दावा है कि यह 'देशभक्ति से भरा हुआ' कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं।

ट्रम्प ने मस्क को पागल बताया, तो मस्क बोले ट्रम्प एहसान फरामोश : ट्रम्प और मस्क के बीच 5 जून को बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर बहस तब शुरू हुई जब ट्रम्प ने मीडिया से बात करते हुए मस्क को लेकर नाराजगी जताई थी। ट्रम्प ने कहा था कि जब हमने अनिवार्य तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के कानून में कटौती करने की बात कही तो मस्क को दिक्कत होने लगी। मैं इलॉन से बहुत निराश हूं।

मैंने उनकी बहुत मदद की है। इसके बाद मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रम्प को एहसान फरामोश बताते हुए लगातार कई ट्वीट किए। मस्क ने कहा कि मैं नहीं होता तो ट्रम्प चुनाव हार जाते। उन्होंने ट्रम्प पर महाभियोग चलाने तक की बात कही थी। इसके बाद ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर मस्क को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा- जब मैंने उनका ईवी मैंडेट (कानूनी आदेश) वापस लिया तो मस्क पागल हो गए। ट्रम्प ने मस्क की कंपनी को दी जाने वाली सब्सिडी खत्म करने की धमकी दी थी।

सर्बिया में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, एक हादसा सरकार के गले की हड्डी बना

बेलग्राड, एजेंसी। यूरोपीय देश सर्बिया में अपनी ही सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शनिवार को भारी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन के लिए राजधानी बेलग्राड में सड़कों पर उतरे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि देश में जल्द चुनाव कराए जाएं। हालांकि अभी सर्बियाई सरकार का कार्यकाल 2027 तक है, लेकिन सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, जिसके चलते लोग नाराज हैं। दरअसल आठ माह पहले सर्बिया में एक ट्रेन स्टेशन की छत गिर गई थी, जिसमें दबकर 16 लोगों की मौत हो गई थी। लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ और सरकार को जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस को पद छोड़ना चाहिए। हालांकि बीते 12 साल से सर्बिया की सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं। यही वजह है कि अब लोगों ने जल्द चुनाव कराने की मांग शुरू कर दी है। सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों का नेतृत्व विश्वविद्यालय के छात्र कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन अब देश के कई हिस्सों में फैल गए हैं। विरोध बढ़ता देख इस साल की शुरुआत में सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने पद छोड़ दिया था। राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस की पार्टी के पास सर्बिया की 250 सीटों में से 156 सीटें हैं।

इजरायली एयरस्ट्राइक में मारा गया हमास का टॉप लीडर

येरूशलम, एजेंसी। इज़रायली रक्षा बल, आईडीएफ ने एक बड़ी जानकारी दी है और दावा किया है कि

इजरायली सैनिकों ने गाजा सिटी के सबरा इलाके में एक टारगेटेड एयरस्ट्राइक के जरिए हमास के टॉप कमांडर हाकम मोहम्मद इस्सा अल-इस्सा को मार गिराया है। आईडीएफ ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है जिसके मुताबिक हमास का टॉप कमांडर अल-इस्सा इजरायल में हुए 7 अक्टूबर 2023 के नरसंहार का मास्टरमाइंड था, आतंकियों को ट्रेनिंग देता था और हमास के सैन्य विंग के संस्थापक सदस्यों में से एक था। आईडीएफ ने ट्वीट पर जारी किए गए अपने बयान में कहा है, टॉप कमांडर हाकम मोहम्मद इस्सा अल-इस्सा हमास की सैन्य ताकत बढ़ाने, आतंकियों को प्रशिक्षण देने का काम करता था और वह सात अक्टूबर के हमले में हुए नरसंहार की पूरी योजना बनाने में मुख्य भूमिका निभा रहा था। आईडीएफ ने कहा है, अल इस्सा हमास की वायु और नौसेना हमलों की योजनाओं में भी अहम भूमिका निभा चुका था, वह मारा जा चुका है। आईडीएफ और इज़रायली सुरक्षा एजेंसी आईएसए ने बताया है कि, हम अभी सात अक्टूबर 2023 में हुए हमले में शामिल सभी आतंकियों को ढूंढ-ढूंढकर खत्म करने के अभियान को आगे भी जारी रखेंगे।

जानिए कौन था मुहम्मद इस्सा अल इस्सा : हमास का टॉप कमांडर मुहम्मद इस्सा अल इस्सा हमास के जनरल सिक्योरिटी काउंसिल का सदस्य, ट्रेनिंग हेडक्वार्टर का प्रमुख और अल-क़सम ब्रिगेड्स की मिलिट्री एकेडमी का सह-संस्थापक भी था, जहां वह कथित तौर पर हजारों आतंकियों को प्रशिक्षण देने और तकनीकी क्षमता विकसित करने में लगा हुआ था। अल-इस्सा के बारे में आईडीएफ ने बताया है कि उसने सीरिया और इराक में युद्ध की ट्रेनिंग ली थी और साल 2005 में सीरिया से गाजा आया था, जहां वह हमास के सैन्य संगठन का अहम हिस्सा बन गया था।

बफेट ने छह अरब डॉलर के शेयर किए दान; शीर्ष अमीरों की सूची में एक स्थान पिछड़े दिग्गज निवेशक

वाशिंगटन, एजेंसी। अरबपति निवेशक वॉरेन बफेट ने शुक्रवार को अब तक का सबसे बड़ा सालाना दान दिया। इसके तहत उन्होंने छह अरब डॉल (लगभग 51,300 करोड़ रुपये) मूल्य के बर्कशायर हैथवे शेयर पांच चैरिटी संस्थाओं को दान किए। इनमें सबसे अधिक दान पाने वालों में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और उनके परिवार के चलाए जाने वाले चार फाउंडेशन भी शामिल हैं।

हालांकि,बफेट ने पहले ही साफ कर दिया है कि उनकी मौत के बाद गेट्स फाउंडेशन को दान समाप्त हो जाएगा। बफेट ने इस साल कुल 12.36 मिलियन क्लास बी बर्कशायर हैथवे शेयर दान किए। इससे 2006 से अब तक उनका कुल दान 60 अरब डॉलर (करीब 5.13 लाख करोड़ रुपये) के पार हो पहुंच गया है। इस साल उन्होंने गेट्स फाउंडेशन को 94.3 लाख शेयर, सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन को 943,384 शेयर के साथ अपने तीन बच्चों हॉवर्ड, सूसी और पीटर की चलाई जा रही हॉवर्ड जी बफेट फाउंडेशन, शेरवुड फाउंडेशन और नोवो फाउंडेशन को 6,60,366 शेयर दान किए। इस दान के बाद भी बफेट के पास बर्कशायर हैथवे के 13.8 फीसदी शेयर बने हुए हैं।

ईरानी विदेश मंत्री की ट्रम्प को चेतावनी: कहा- खामेनेई के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल बंद करें, तभी कोई समझौता होगा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बंद करें। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प का यह रवैया न सिर्फ खामेनेई का बल्कि उनके लाखों समर्थकों का भी अपमान करता है। ट्रम्प अगर ईरान से कोई समझौता चाहते हैं तो उन्हें अपनी भाषा बदलनी होगी। अराघची का यह बयान ट्रम्प के उस दावे के बाद आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्होंने खामेनेई को मरने से बचाया, नहीं तो उनकी बहुत बुरी मौत होती।

इजराइल पर भी कसा तंज : अराघची ने इजराइल पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि जब ईरानी मिसाइलें गिरती हैं तो इजराइल डर के मारे 'डैडी के पास भागने' को मजबूर हो जाता है। ट्रम्प को पहली बार नाटो चीफ मार्क रूटे ने मजाकिया अंदाज में 'डैडी' कहा था। दरअसल, ट्रम्प इजराइल और ईरान पर सीजफायर तोड़ने को लेकर नाराज थे। इस दौरान उन्होंने अपशब्द का इस्तेमाल कर दिया था। इसके जवाब में नाटो चीफ ने मजाक में कहा, डैडी को कभी-कभी कठोर भाषा का इस्तेमाल करना पड़ता है ताकि उन्हें रोका जा सके। बाद में यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ट्रम्प बोले थे- मैंने खामेनेई को भयानक मौत से बचाया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के उस दावे को झूठा करार दिया, जिसमें उन्होंने इजराइल के खिलाफ

जंग में जीत की ऐलान किया था। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा था- मैंने खामेनेई को एक भयानक और अपमानजनक मौत से बचाया। मुझे यह भी उम्मीद नहीं है कि वे मुझे शुक्रिया कहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि वह खामेनेई के ठिकाने से वाकिफ थे, लेकिन उन्होंने इजराइल और अमेरिकी सेना को उनकी हत्या से रोका, जिससे उनकी जान बच गई। उन्होंने आगे कहा, ईरान ग्लोबल सिस्टम में शामिल होने की जगह गुस्सा और दुश्मनी दिखा रहा है, जिसकी वजह से उनकी सेना, इकोनॉमी और भविष्य बर्बाद हो चुका है। इजराइली रक्षा मंत्री ने भी कहा था- खामेनेई को मारना चाहते थे इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा था कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर को खत्म करना चाहता था। काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते। काट्ज ने कहा, इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था। काट्ज से जब पूछा गया कि क्या इजराइल ने अमेरिका से इसकी इजाजत मांगी थी, इस पर उन्होंने कहा, हमें इन चीजों के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। इजराइल से जंग में मारे गए 60 ईरानी अफसरों का शनिवार को अंतिम संस्कार किया गया। इनमें 30 सैन्य कमांडर्स और 11 परमाणु वैज्ञानिक शामिल थे। तेहरान में इनके जनाजे में हजारों लोगों की भीड़ जुटी। जिन लोगों को दफनाया गया, उनमें ईरान के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी मोहम्मद बाघेरी भी शामिल थे। वे ईरानी आर्मी के चीफ ऑफ स्टाफ थे। अफसरों के शवों को गाड़ियों पर ईरानी झंडे में लिपटे ताबूतों में रखे थे। ताबूतों के साथ अफसरों की तस्वीरें भी रखी थीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची, पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाकर कलीबाफ, ज्युडिश्यरी चीफ मोहसेनी-एजेई, आईआरजीसी कुद्स फोर्स कमांडर इस्माइल कानी सहित कई बड़े नेता और सैन्य अधिकारी भी जनाजे में पहुंचे।

शादी के बाद भी नहीं थम रहा बेजोस का विरोध; प्रदर्शनकारियों ने वेनिस में निकाला मार्च, लगाए नारे

वेनिस, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक और अरबपति जेफ बेजोस की शादी के बाद भी उनका विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को सैकड़ों लोगों ने वेनिस की सड़कों पर मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बेजोस और उनकी पत्नी लॉरेन सांचेज की शादी के जश्न का विरोध किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी भी की। यह शादी वेनिस में तीन दिन तक बड़े धूमधाम से चली, जिसमें दुनियाभर के मशहूर सितारे शामिल हुए।

दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति बेजोस और लॉरेन सांचेज ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को वेनिस के एक शांत द्वीप पर करीब 200 खास मेहमानों के बीच शादी की। हालांकि, वेनिस के बहुत से स्थानीय लोग इस शादी से नाराज हो गए। उनका कहना है कि इस शादी में किया गया दिखावा शहर के असली हालात से बिलकुल उल्टा है। उन्होंने कहा कि वेनिस पहले ही ज्यादा पर्यटकों, महंगे घरों और बाढ़ जैसी समस्याओं से परेशान है।

प्रदर्शनकारियों ने शादी के तीसरे दिन की नारेबाजी : शादी के तीसरे दिन, शनिवार (स्थानीय समयानुसार) शाम को जब नवविवाहित जोड़ा अंतिम पार्टी की तैयारी कर रहा था, तो सैकड़ों वेनेशियन और प्रदर्शनकारियों ने वेनिस की छोटी सड़कों पर रंग-बिरंगे बैनर लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनरों पर चुंबन हां, बोजोस नहीं और बेजोस नहीं, युद्ध नहीं जैसे नारे लिखे। लोगों ने यह प्रदर्शन शादी की भव्यता के खिलाफ किया। लोग इस शादी को आम नागरिकों और पर्यावरण का अपमान मानते हैं। विरोध को देखते हुए बदला गया पार्टी का स्थान प्रदर्शनकारियों में से एक मार्टिना वेरगनानो ने कहा कि हम यहां अमीर लोगों की योजनाओं को रोकने के लिए हैं, जो दूसरों का शोषण करके अमीर बने हैं। उन्होंने कहा कि वेनिस की हालत दिन प्रति दिन खराब हो रही है। पहले पार्टी शहर के बीच में होने वाली थी, लेकिन विरोध को देखते हुए इसका स्थान बदलकर पुराने शिपयार्ड आर्सेनल कर दिया गया। प्रदर्शन के आयोजकों ने इसे अपनी जीत बताया।

बेजोस ने तीन संगठनों को दान दिए 1-1 मिलियन यूरो : वेनिस पर्यावरण अनुसंधान संघ, कोरिला के अनुसार, बेजोस ने वेनिस के पर्यावरण की रक्षा के लिए तीन पर्यावरण अनुसंधान संगठनों को 1-1 मिलियन यूरो दान दिए। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह बस लोगों को शांत करने और अपनी छवि सुधारने की कोशिश है। विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए एक कार्यकर्ता फ्लेवियो कोगो ने कहा, हम ऐसा वेनिस चाहते हैं जो अपने लोगों के लिए हो। ये दान बस दिखावा है और बेजोस की अंतरात्मा की आवाज को दबाने का तरीका है।

पाकिस्तान में तड़के भूकंप के तेज झटके, 5.2 की तीव्रता से कांपी धरती, दहशत में आए लोग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग दहशत में आए गए और अपने घरों से बाहर आ गए। सड़कों पर लोगों के बीच अफरातफरी देखी गई। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार की सुबह 3: 54 बजे पाकिस्तान में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया।

150 किलोमीटर की गहराई में था केंद्र : नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार रविवार तड़के आए भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में 150 किलोमीटर की गहराई में था। साथ ही इसका स्थान 30.25 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 69.82 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। हालांकि इस भूकंप से किसी जनहानि की खबर अभी नहीं आई है, लेकिन लोगों में दहशत का माहौल है। गौरतलब है कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे ज़्यादा भूकंपीय रूप से सक्रिय देशों में से एक है। यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। बीते माह 10 मई को भारत से जारी संघर्ष के बीच पाकिस्तान में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था, और इसका स्थान 29.67 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 66.10 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया था। यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों को

ओवरलैप करता है पाकिस्तान पाकिस्तान भूगर्भीय रूप से यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों को ओवरलैप करता है। बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत ईरानी पठार पर यूरेशियन प्लेट के दक्षिणी किनारे पर स्थित हैं। सिंध, पंजाब और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर प्रांत दक्षिण एशिया में भारतीय प्लेट के उत्तर-पश्चिमी किनारे पर स्थित हैं। ऐसे में यहां ये दोनों टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं इस वजह से भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टेक्टोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टेक्टोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है।

यूक्रेन के पोक्रोव्स्क शहर पर कब्जे की तैयारी में रूस: 1 लाख सैनिक तैनात किए

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन के सेना प्रमुख ओलेक्सांद्र सिरस्की ने बताया कि रूस ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क प्रांत में मौजूद पोक्रोव्स्क शहर पर कब्जे के लिए 1 लाख से ज्यादा सैनिक तैनात किए हैं। सिरस्की ने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पोक्रोव्स्क शहर सबसे तनावपूर्ण फ्रंट बन गया है। रूस पिछले साल से पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि पिछले साल यूक्रेनी आर्मी ने इस इलाके में रूसी ऑपरेशन को नाकाम कर दिया था। सिरस्की ने बताया कि पिछले साल यूक्रेन ने कुर्स्क इलाके में हमला करके रूस के लगभग 63,000 सैनिकों को वहां उलझा दिया। इससे पोक्रोव्स्क पर रूस का दबाव कम हुआ और यूक्रेन को नए सिरे से स्ट्रैटजी बनाने का मौका मिल गया।

पोक्रोव्स्क शहर यूक्रेन के स्ट्रैटेजिक ठिकानों को जोड़ता है : पोक्रोव्स्क शहर में सड़क और रेलवे सप्लाई लाइन मौजूद है, इस वजह से इसका स्ट्रैटेजिक महत्व काफी ज्यादा है। इसके अलावा यह यूक्रेन के कोस्तियान्तिनिवका, क्रामातोर्स्क और स्लोवियान्स्क शहरों में मौजूद मिलिट्री सेंटर्स से भी जुड़ा है। सिरस्की ने आरोप लगाया कि रूस पोक्रोव्स्क पर कंट्रोल करके दुनिया के सामने अपनी मिलिट्री ताकत का दिखावा करना चाहता है। सिरस्की ने कहा- रूसी सैनिक पोक्रोव्स्क में पहुंचकर और वहां अपना झंडा फहराकर नकली जीत का दावा करना चाहते हैं।

रूसी हमले से पहले यहां 60 हजार लोग रहते थे : पोक्रोव्स्क में 60,000 लोग रहते थे, लेकिन 2022 में रूसी हमले के बाद से ज्यादातर शहर छोड़ चुके हैं। इस शहर में यूक्रेन की आखिरी कोकिंग कोल खदान थी, जो इस

साल की शुरुआत में बंद हो गई। राष्ट्रपति पुतिन का टारगेट डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूरी तरह कब्जा करना है, और पोक्रोव्स्क इस स्ट्रैटजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों का आरोप है कि पुतिन जानबूझकर शांति की कोशिशों में अड़चन पैदा कर रहे हैं ताकि वो यूक्रेन के ज्यादा से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर सकें। हालांकि पोक्रोव्स्क में यूक्रेन की मजबूत डिफेंस लाइन रूस के लिए मुश्किल पैदा कर रही है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रोका रूस का रास्ता अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर के मुताबिक, यूक्रेनी आर्मी ने ड्रोन अटैक के जरिए रूसी हमलों को नाकाम कर दिया। रूस अब शहर पर सीधा हमला करने के बजाय दक्षिण और उत्तर-पूर्व से इसे घेरने की कोशिश कर रहा है। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी।

फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की सुनवाई में उपभोक्ता को मिला न्याय

चंडीगढ़, 30 जून। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने रोहतक निवासी बिजली उपभोक्ता की शिकायत पर सुनवाई करते हुए संबंधित लेखाधिकारी पर एक हजार रुपये का प्रतीकात्मक जुर्माना एवं 5 हजार रुपये का मुआवजा उपभोक्ता को दिए जाने का आदेश दिया है। आयोग के प्रवक्ता ने बताया की आयोग ने जांच मे पाया कि उपभोक्ता के मीटर परिवर्तन आदेश को सिस्टम में अपडेट करने में लगभग एक वर्ष की देरी हुई। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा 11 जून 2023 को मीटर परिवर्तन आदेश अपडेट कर दिया गया था, फिर भी उपभोक्ता के बिल में त्रुटि बनी रही, जिससे उन्हें बार-बार शिकायतें दर्ज करानी पड़ीं और कार्यालय के चक्कर लगाने पड़े। बाद में मई 2024 में संशुद्धि एडजस्टमेंट तैयार हुआ, परंतु गणना में गलती होने के कारण यह 29 नवंबर 2024 को ही स्वीकृत हो सका। यह त्रुटि अंततः आयोग के हस्तक्षेप से ही सुधरी। आयोग ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया कि इतने सरल मामले का समाधान फर्स्ट ग्रीवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी अथवा सेकंड ग्रीवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी स्तर पर नहीं हो सका। यह केवल हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग द्वारा शुरू की गई ऑटो अपील प्रणाली के कारण संभव हो पाया कि एक अशिक्षित उपभोक्ता और उसका 10+2 पढ़ा-लिखा पुत्र, बिना किसी अतिरिक्त खर्चे के घर बैठे ही अपनी शिकायत आयोग तक पहुँचा सके और उन्हें कुल 15 हजार 838 रुपये और 16 हजार 330 रुपये की धनवापसी प्राप्त हो सकी जिसमें से 16 हजार 330 रुपये की राशि आयोग के हस्तक्षेप के फलस्वरूप ही प्राप्त हुई। आयोग ने आदेश दिया है कि संबंधित लेखाधिकारी के जून 2025 के वेतन से 6 हजार रुपये की राशि काटकर 1 हजार रुपये राज्य कोष में जमा की जाए तथा 5 हजार रुपये उपभोक्ता के बिल में समायोजित अथवा उसके बैंक खाते में स्थानांतरित की जाए। उपभोक्ता से बैंक विवरण प्राप्त कर यह भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, आयोग ने सेकंड ग्रीवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी -कम-एक्सईएन एवं फर्स्ट ग्रीवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी के रूप में कार्य कर रहे कनिष्ठ अभियंता को भी परामर्श दिया है कि वे उपभोक्ता शिकायतों को प्राथमिक स्तर पर ही गंभीरता से लें एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें

हरियाणा में बिजली की दरों में संशोधन, अप्रैल 2025 से प्रभावी

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 30 जून। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (HERC) के 28 मार्च 2025 के आदेश के अनुसार, हरियाणा डिस्कॉम्स की टैरिफ याचिका पर विभिन्न श्रेणियों के लिए बिजली की दरों में अप्रैल 2025 से संशोधन किया गया है। यह वित्तीय वर्ष 2017-18 के बाद पहली टैरिफ वृद्धि है, जो सात साल के अंतराल के बाद हुई है, जबकि बिजली खरीद लागत और परिचालन खर्चों में लगातार वृद्धि हुई है। यह उल्लेखित किया जाता है कि लगभग एक दशक तक टैरिफ को अपरिवर्तित रखना बढ़ी हुई परिचालन दक्षता और सख्त वित्तीय अनुशासन के कारण संभव हो पाया। पिछले एक दशक में, वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक, एटी एंड सी (समग्र तकनीकी और वाणिज्यिक) लॉसिस 29त्न से घटाकर 10त्न के स्तर पर लाया गया है। संशोधित बिजली टैरिफ संरचना के अनुसार, सभी श्रेणियों के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम मासिक शुल्क (स्लैब) समाप्त कर दिया गया है। श्रेणी-ढ्ढ के घरेलू उपभोक्ताओं (2 किलोवाट तक के कनेक्टेड लोड और 100 यूनिट तक की मासिक खपत वाले) के मासिक बिलों में वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में 49त्न से 75त्न तक की कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की दरों (स्लैब के बिना) से तुलना करने पर, बिलों में वृद्धि 10त्न के भीतर है। हालांकि, पिछली टैरिफ संरचना

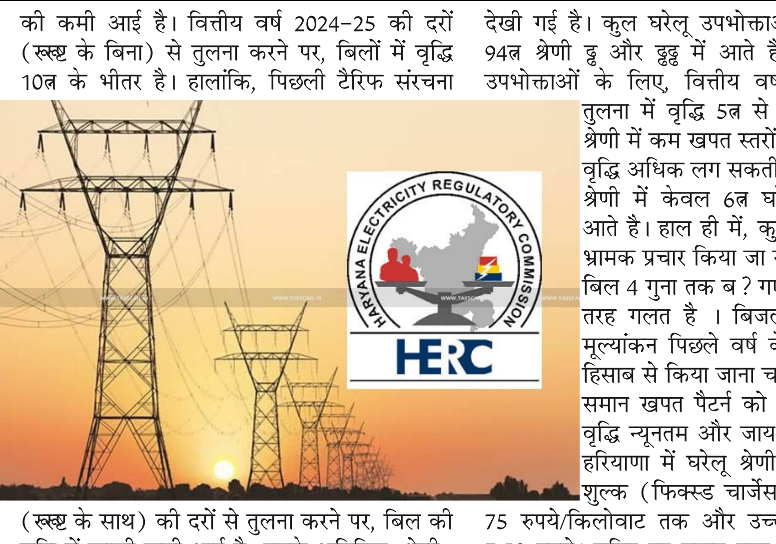

(स्लैब के साथ) की दरों से तुलना करने पर, बिल की राशि में काफी कमी आई है। इसके अतिरिक्त, श्रेणी-ढ्ढढ्ढ के उपभोक्ताओं (5 किलोवाट तक के कनेक्टेड लोड वाले) के लिए, वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में बिलों में 3त्न से 9त्न की वृद्धि हुई है। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में, इस श्रेणी के अधिकांश उपभोक्ताओं के बिलों में कमी दर्ज की गयी है, जिसमें केवल कुछ स्लैब में 1त्न से कम की वृद्धि देखी गई है। कुल घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 94त्न श्रेणी ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ में आते हैं। श्रेणी-ढ्ढढ्ढ के उपभोक्ताओं के लिए, वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में वृद्धि 5त्न से 7त्न तक है। इस श्रेणी में कम खपत स्तरों के लिए, प्रतिशत वृद्धि अधिक लग सकती है। हालांकि, इस श्रेणी में केवल 6त्न घरेलू उपभोक्ता ही आते हैं। हाल ही में, कुछ लोगों द्वारा यह भ्रामक प्रचार किया जा रहा है की बिजली बिल 4 गुना तक ब? गए है, यह दावे पूरी तरह गलत है । बिजली के बिलों का मूल्यांकन पिछले वर्ष के उसी महीने के हिसाब से किया जाना चाहिए, क्योंकि यह समान खपत पैटर्न को दर्शाता है। टैरिफ वृद्धि न्यूनतम और जाय? रखी गयी है । हरियाणा में घरेलू श्रेणी के लिए, निश्चित शुल्क (फिक्स्ड चार्जेस) जीरो रुपये से 75 रुपये/किलोवाट तक और उच्चतम ऊर्जा स्लैब 7.50 रुपये/ यूनिट पर बनाए रखा गया है। जबकि, इसके विपरीत, पड़ोसी राज्यों में निश्चित शुल्क 110 रुपये/किलोवाट तक और ऊर्जा शुल्क 8 रुपये/यूनिट तक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की वित्तीय वर्ष 2024-25 और वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में घरेलू श्रेणी के बिलों में मामूली वृद्धि और श्रेणी-ढ्ढ के लिए कमी भी दर्शाती है॰ घरेलू बिलों की तुलना॰ वित्तीय वर्ष 2025-26 बनाम वित्तीय वर्ष 2014-15 और वित्तीय वर्ष 2024-25 उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि घरेलू श्रेणी के बिजली के बिलों में वित्तीय वर्ष 2024-25 और वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में वृद्धि 9.6त्न से कम है। एच टी उपभोक्ताओं के लिए, वित्तीय वर्ष 2024-25 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक टैरिफ संशोधन लोड और खपत के आधार पर 7त्न से 10त्न की मध्यम वृद्धि को दर्शाता है। एल टी श्रेणी में, विभिन्न उपभोक्ताओं में वृद्धि अपेक्षाकृत मध्यम है, जो 4त्न से 7त्न तक है। इन समायोजनों के बावजूद, समग्र प्रभाव मामूली बना हुआ है, खासकर छोटे और मध्यम एल टी उपभोक्ताओं के लिए। पड़ोसी राज्यों की तुलना में, हरियाणा एल टी और एच टी दोनों उपभोक्ता श्रेणियों में काफी कम बिजली टैरिफ चार्ज करता है, जिससे यह दोनों खंडों के उपभोक्ताओं के लिए एक लागत प्रभावी विकल्प बन जाता है। पड़ोसी राज्यों में एल टी उपभोक्ताओं के लिए निश्चित शुल्क 450 रुपये/किलोवाट तक और एच टी उपभोक्ताओं के लिए 475 रुपये/किलोवाट तक हैं, जबकि ऊर्जा शुल्क एल टी के लिए 8.95 रुपये/यूनिटऔर एच टी के लिए 7.75 रुपये/यूनिट तक है। किसानों को प्रोत्साहित करते हुए, कृषि उपभोक्ताओं को पहले की तरह केवल 10 पैसे/यूनिट (मीटर्ड) और 15 रुपये/ह्रद्बश्चमाह (फ्लैट रेट) का भुगतान करना होगा तथा शेष राशि का अनुदान राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा।

यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड के पास बादल फटा, नौ मजदूर लापता

कौमी पत्रिका

बड़कोट (उत्तरकाशी)। उत्तराखंड में देर रात से तेज बारिश हो रही है। उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड़ ओजरी डाबरकोट के बीच सिलाई बैंड के पास बादल फटने से तबाही मच गई। इस दौरान यहां होटल निर्माण स्थल तबाह हो गया है, जिससे कई मजदूर लापता हो गए। लापता मजदूरों की तलाश में प्रशासन की टीम और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इस दौरान दो मजदूरों के शव मिले हैं। वहीं, सीएम धामी ने भी अधिकारियों से घटना की जानकारी ली और त्वरित गति से राहत बचाव कार्य करने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, घटना देर रात करीब 12 बजे की है। ब?कोट थानाध्यक्ष दीपक कठेत ने बताया कि यमुनोत्री हाईवे पर बादल फटने की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर पाया कि यहां सड़क निर्माण व अन्य कार्य में लगे कुछ लोग टेंट लगाकर रह रहे थे। तेज सैलाब आने पर वह बह

गए हैं। अभी तक आठ से नौ लोगों के लापता होने की खबर है। उत्तरकाशी डीएम प्रशांत आर्य का कहना है कि टीम ने लापता हुए लोगों की खोजबीन शुरू कर दी है। वहीं, दस अन्य श्रमिकों को रेस्क्यू कर पालीगा? लाया गया है। सुरक्षित मजदूरों को पुलिस प्रशासन ने उनके घरों को रवाना कर दिया है। पाली गाड़ चौकी प्रभारी कांतिराम जोशी ने बताया कि 19 मजदूरों में से 10 मजदूरों को पालीगाड पहुंचाया गया इसके अलावा नौ मजदूर लापता हैं। जिनमें पांच नेपाली मूल, तीन देहरादून और एक उत्तर प्रदेश का है। उनकी तलाश की जा रही है। एसआई विक्रम सिंह ने कहा कि खोजबीन के दौरान लापता दो मजदूरों के शव 18 किमी दूर यमुना नदी तट तिलाड़ी शहीद स्मारक के पास से मिले हैं। पुलिस ने दोनों शवों को नौगांव सीएचसी भेजा है। सात मजदूरों की खोजबीन जारी है। साथी मजदूरों को शिनाख्त के लिए बुलाया गया है सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बादल फटने की घटना का अधिकारियों से संज्ञान लिया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि दुखद घटना में कुछ श्रमिकों के लापता होने की सूचना मिली है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ समेत अन्य टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और गहन राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। मैं इस मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हूं... आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि आस-पास के पुलिस और सेना के जवानों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है और एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है। 15 लोग बचाव कार्य में लगे हुए हैं और लगभग 45 लोग रास्ते में हैं। यहां मशीनें नहीं पहुंच पा रही हैं और टीमें ही रेस्क्यू में लगी हैं। श्रमिक या तो मलबे में फंसे हुए हैं या चट्टान में या नदी में बह गए हैं। उन्हें ढूंढने का प्रयास जारी है। बादल फटने के बाद से यमुनोत्री हाईवे सिलाई बैंड समेत कई जगहों पर बंद है। एनएच की टीम रास्ता खोलने के प्रयास में जुटी है। वहीं, ओजरी के पास भी सड़क पूरी तरह से खत्म हो गई है। खेतों में मलबा भर गया है। स्यानाचट्टी में भी कुपड़ा कुंशाला त्रिखिली मोटर पुल खतरे में आ गया है। यमुना नदी का भी जलस्तर बढ़ा हुआ है।

डायरिया मुक्त भारत अभियान 31 जुलाई 2025 तक: डीसी पार्थ गुप्ता

यमुनानगर, 30 जून- उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि जिला यमुनानगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान का उद्देश्य बच्चों और वयस्कों में दस्त (डायरिया) से बचाव व रोकथाम करना है। सिविल सर्जन डॉ. मंजीत सिंह ने बताया कि डायरिया एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से रोके जाने योग्य रोग है। गर्मी और बरसात के मौसम में इसके मामले बढ़ जाते हैं। यदि समय रहते सही उपचार और बचाव किया जाए तो इससे जान बचाई जा सकती है। घोल और जिंक की गोलियों का प्रयोग डायरिया के इलाज में बेहद प्रभावी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर ओआरएस पैकेट और जिंक की गोलियां निश्शुल्क वितरित की जाएंगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पुनीत कालरा ने बताया कि अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे साफ पानी पिएं, खाना खाने से पहले और शौच के बाद हाथ धोएं। डायरिया से बचने के लिए साफ-सफाई सबसे बड़ा हथियार है। यह अभियान समुदाय में स्वास्थ्य शिक्षा बढ़ाने और समय पर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने बताया कि इस अभियान की मुख्य गतिविधियां घर-घर जाकर ओआरएस व जिंक का वितरण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर द्वारा लोगों को जागरूक करना, स्कूलों व पंचायतों में जागरूकता शिविर लगाकर डायरिया के लक्षण और बचाव के उपायों पर विशेष जानकारी देना शामिल है।

रमेश खरमाले के हौसले ने बदल दी पहाड़ी की तकदीर

नई दिल्ली। बंद पुल से विधायक की कार गुजरी, एंबुलेंस को नहीं जाने दिया; मजदूर की मां का शव स्ट्रेचर से पार कराया कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-34) पर मुख्यालय स्थित यमुना पुल भले ही प्रत्येक सप्ताह के शनिवार व रविवार को होने वाली मरम्मत के लिए आम आदमी के लिए बंद रहता है। लेकिन सदर विधायक की कार 6ः44 पर पुल से गुजरी। वहीं, 9ः30 बजे कानपुर से महिला का शव लेकर आई एंबुलेंस को नहीं गुजरने दिया। इस पर बेटे को स्ट्रेचर पर शव को करीब एक किमी दूरी पैदल पुल पार करना पड़ा। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से शर्मनाक खबर सामने आई है। मरम्मत के चलते शनिवार को सुबह 6ः10 बजे वाहनों के लिए यमुना पुल बंद कर दिया गया। पुल बंद होने के 34 मिनट बाद सुबह करीब 6ः44 बजे भाजपा विधायक की कार तो गुजर गई, लेकिन मजदूर की मां का शव लेकर सुबह 9ः30 बजे आई एंबुलेंस को नहीं जाने दिया। बेटे को मां का शव स्ट्रेचर पर रखकर करीब एक किमी लंबा पुल पार करना पड़ा। इसके बाद शव को ऑटो से लेकर घर जाना पड़ा। इसी तरह 21 जून को भी प्रमुख सचिव का काफिला पुल बंद होने के बाद निकाला गया था। हालांकि, विधायक का कहना है कि वह कार में नहीं थे। उनके बीमार भाई को लेकर पिता कार कानपुर गए हैं। बता दें कि कानपुर-सागर हाईवे पर स्थित यमुना पुल को मरम्मत के लिए शनिवार सुबह छह बजे से वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया। पैदल आने-जाने वालों पर रोक नहीं थी। सुबह 6ः44 बजे सदर विधायक की कार पार कराने के लिए बैरिकेडिंग हटा दी गई। इसी बीच सुबह 9ः30 बजे सुमेरपुर क्षेत्र के टेढ़ा गांव निवासी बिंदा कानपुर से निजी एंबुलेंस से मां शिव देवी (63) का शव लेकर पुल के पास पहुंचे। पुल पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने एंबुलेंस को नहीं जाने दिया। मजबूर होकर एंबुलेंस में रखे स्ट्रेचर पर मां का शव लेकर पुल पार किया। इसके बाद वह शव को ऑटो से लेकर घर गए। यमुना पुल से शनिवार की सुबह छह बजे से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन दो दिनों के लिए रोक दिया गया है।

NAME CHANGE
I, hitherto known as BIRJU PANDIT S/O SOVIT PANDIT R/O H-26, GREEN PARK EXTESNION, GREEN PARK EXTENSION, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110016 have changed my name and shall hereafter be known as BACHCHU PANDIT.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SONU S/O BAL KISHAN R/O HOUSE NO-153, KANCHAN PARK, GHAZIABAD, VTC LONI DEHAT, PO LONI, DIST GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as SOHAN.

NAME CHANGE
I, ABDUL RASHEED S/O M YUSUF Residing at H No- S-90 GALI NO-23 BRAHAMPURI SEELAMPUR, North East Delhi- 110053 have changed my name to ABDUL RASHID for all future purpose.

NAME CHANGE
I RAM MOORAT S/O RAM SARAN R/O VILLAGE BENIPUR POST ITWA KUNGAI ITAWA BASTI PAIKOLIA UTTAR PRADESH 272181 HAVE CHANGED MY NAME TO RAM MURTI

NAME CHANGE
I, GOPAL PRASAD is legally father of No. 6497504N Rank- HAV Name-PRAMOD KUMAR SHAW, R/o, VILL-A K AZAD ROAD (URANPARA), po-TITAGARH,TEH- BARRACKPORE, DIST- 24 PGS NORTH, STATE- WB, PIN-700119 have changed my name from GOPAL PRASAD to GOPALJI PRASAD for all future purposes. Vide affidavit dated 30-06-2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Saroj Kumari Alias Sarojani Devi W/O Naresh Kumar, R/O RZA-200/UBF,BLOCK-A, NIHAL VIHAR, Nangloi, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi-110041, have changed my name and shall hereafter be known Sarojani Devi

NAME CHANGE
I, GEETU TAYAL wife of CHETAN TAYAL R/o WARD NO-8, ANAJ MANDI, LOHARU, BHIWANI, HARYANA-127201 have change my name GEETU GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Rajni D/o Sh. Om Prakash, R/o D-161 Sector-V, Dr. Ambedkar Nagar, New Delhi-110062 have changed my name from Rajni to Rayna Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as USHMAN S/O HAJRAT ALI R/O A-149, SECTOR-3, PHASE-3, PAPPAN KALAN, DWARKA, N.S.I.T. DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078 have changed my name and shall hereafter be known as USHMAN ALI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MEGHA D/O KRISHAN MOHAN MEHTO R/O C-1/239, NEW YADAV ENCLAVE, PREM NAGAR-3, KIRARI SULEMAN NAGAR. PO SULTANPURI C BLOCK, DIST NORTH WEST DELHI, DELHI-110086 have changed my name and shall hereafter be known as NEHA KUMARI.

NAME CHANGE
I, SEBI DEVI W/o PRAVIN KUMAR R/o F-217, Shutter Wali Gali, Village Khanpur, Khanpur, South Delhi, Delhi-110062, have changed the name of my minor son GANESH SUMAN 16 years and he shall be hereafter known as AVNISH KUMAR, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SANTOSH DEVI is legally mother of JC-773608K Rank-SUB Name-SHYAM CHARAN SHARMA, R/o VPO-CHHINPARAI, TEH-MANT, DIST-MATHURA (UP)-281203 have changed my name from SANTOSH DEVI to SANTOSH KUMARI SHARMA for all future purposes vide affidavit dated 30/06/2025 Before Notary Public, New Delhi.

NAME CHANGE
I, Rohan Kumar S/O Rajender Kumar R/O B-26 A Ambedkar Coloony Chattarpur South Delhi 110074 Have chaned my name to Rohan Kumar Neel for all the future purposes.

NAME CHANGE
I,Balwant Singh s/o Bishamber Dayal Verma, R/O C-15, G/F, Arya Samaj Road, Street No.61, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to Balwant Singh Verma permanently

NAME CHANGE
I, NIRMALA UPADHYAY Mother of JC-340897W Rank-SUB MAJ Name-BHUPESH KUMAR UPADHYAY permanently residing at VILL-GADAIPUR, PO-GAHMAR, TEHSIL-ZAMANIA, DISTT-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-232327, have changed my name from NIRMALA UPADHYAY to NIRMALA DEVI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 19/07/1956 instead of my correct date of birth as 01/01/1951 vide Affidavit dated 30/06/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सभी को ज्ञात हो कि मेरे मुवक्किल अर्थात श्री सुरजीत सिंह सेम्भी पुत्र श्री दर्शन सिंह निवासी डी-12ए, किरण गार्डन नवादा मेट्रो स्टेशन के पास पिलर संख्या 714. उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 ने अपनी पत्नी अर्थात निर्मल कौर और दो बेटों अर्थात हरविंदर सिंह और केवल सिंह. सभी निवासी डी-12ए, किरण गार्डन, नवादा मेट्रो स्टेशन के पास पिलर संख्या 714. उत्तम नगर नई दिल्ली-110059 को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया है. क्योंकि ऊपर बताई गई सभी व्यक्ति मेरे मुवक्किल के नियंत्रण से बाहर हैं। मेरे मुवक्किल ने उनसे सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं। अब से मेरे मुवक्किल ने अपनी उपर्युक्त पते की चल और अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया जाएगा। अपनी उपरोक्त पत्नी और बेटों के किसी भी कृत्य, कर्म और चीजों के लिए जिम्मेदार नहीं होगा और उनके साथ किसी भी प्रकार से व्यवहार करने वाला व्यक्ति अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर ऐसा करेगा ।
DAL SINGH SINHA ADVOCATE
SEAT HO.-5, HALL NO.-2, LAWYERS CHAMBER COMPLEX, DISTRICT COURTS, DWARKA SECTOR-10, NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Vikas Kalra and Mrs. Teena Kalra are the owner of Freehold Residential LIG Flat No. 938 on Second Floor admeasuring 42 Sq. Mt. Group-3, Pocket-1, Sector-14, Situated in residential Scheme Dwarka Phase-2, New Delhi. by virtue of Sale Deed dated 06/09/2014 duly registered with Sub Registrar-of-Assurances in book no. 1 at Volume No. 147 on page no. 93-101 & serial no. 4,070 on 06/09/2014, in the chain document below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Shambhu Karmakar Died on 03/02/2004., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Same property sold too be Mr. Karan Bisht and Mrs. Sunita Bisht and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Dwarka Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Bhupender s/o Rajender Kumar, R/O H.No.261/1, Near Gali No.68, Sanjay Colony, Sec-22, Faridabad-121005, Haryana have changed my name to Bhupender Jangid permanently.

NAME CHANGE
I, Ranjita Lamba w/o Girish Lamba R/o 28/176, 2nd floor, Vikram Vihar, Lajpat Nagar-IV, New Delhi-110024 declare that My mother name Rosy Ekka and Rosy both name of the same person

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I UMA SHANKAR SHARMA S/O SUKHARI SHARMA R/O 706/A, GALI NO-8, ACTIVE PEOPLE ACADEMY, SADARPUR COLONY SECTOR-45, NOIDA SECTOR-37, PO NOIDA SECTOR-37. DIST GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 declare that name of mine and my minor son have been wrongly written as UMA SHANKAR and KARTIK KUMAR in my minor son namely KARTIK KUMAR SHARMA aged 16 years in his school record. The actual name of mine and my minor son are UMA SHANKAR SHARMA and KARTIK KUMAR SHARMA respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Mr. Ankit Goyal Owner of the Residential Flat no 111/B , Block - B, Sector - Omicron-1A , , Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. , Mr. Ankit Goyal have lost Original Allotment cum allocation Letter dated 29/01/2014 issued by GNIDA in favour of Mr. Ankit Goyal, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Original Allotment letter aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Alpana Khurana is the owner of Freehold Residential Part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. Out of Khasra no. 1637/1038/784-785, Situated in the area of Village Chandrawali Alias Shahdara, in the abadi of Vishwas Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-110032. By virtue of Gift deed dated 14/02/2023 vide Doc no. 1512, SRO-IVB Vivek Vihar., in the chain document below mentioned documents not available i.e. Death certificate & SMC of Late Smt. Ram Tharai & death certificate of Late Sh. Ram Piara Mal. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by Mahindra & Mahindra Financial Services Limited. Branch: Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 14 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, hitherto known as BILLU S/O RAMSHARAN R/O LUHARLI, LUHARLI, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH, 203207 have changed my name and shall hereafter be known as VIRENDER KUMAR.

NAME CHANGE
I, ANJALI Wife of No. 2896354L Rank-HAV Name-SAMSHER SINGH residing at VPO-BASANA, TEHSIL-KALANAUR, DISTT-ROHTAK, HARYANA-124022, have changed my name from ANJALI to ANJALI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 30/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIKAS S/O RAM ASHRYA PANDEY residing at H NO- 976, SECTOR-55, BALLABGARH, HARYANA-121004. have changed my name to VIKAS PANDEY for all future purposes.

NAME CHANGE
I, INDER VATI DEVI W/O RAM ASHRYA PANDEY residing at 5-F-1158, GALI NO-245, SANJAY COLONY, SECTOR 23, FARIDABAD, HARYANA-121005. have changed my name to INDRAWATI PANDEY for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Leela Devi & Sh. Pankaj Singh** are/is purchasing the Property Bearing No. RZF-769/3B land area measuring 50 sq. yds. out of Khasra No. 44/22 situated in Palam colony known as Raj Nagar II New Delhi 110045 from Smt. Vandana Pandey who is the owner of the property vide GPA , Agreement to Sale & WILL dated 22.01.2004 and Intend to mortgage the said property with **SMFG India Home Finance Company Limited** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Shyamvati W/o Mr. Bhagwat is the owner of Freehold Residential Entire Ground Floor, without Terrace Rights, of Property No. 753-A, Gali No. 7, area measuring 50 sq. yds., out of Khasra no. 600/92, situated at Govindpuri, Kalka Ji, New Delhi 110019. by virtue of Sale Deed dated 07.11.2016 as Doc no. 6270, Book no. 1, Vol No. 14430, in Book No. 01, on Pages 161-168, in SR-V-Delhi., in the chain Documents below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mrs. Ram Kali Died on 08.09.2003. and her husband also died on 14.04.2009 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Satish and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, ARVIND KUMAR UPADHYAY Father of JC-340897W Rank-SUB MAJ Name-BHUPESH KUMAR UPADHYAY permanently residing at VILL-GADAIPUR, PO-GAHMAR, TEHSIL-ZAMANIA, DISTT-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-232327, have changed my name from ARVIND KUMAR UPADHYAY to ARVIND UPADHYAY for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 18/07/1952 instead of my correct date of birth as 01/01/1951 vide Affidavit dated 30/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAJESHWARI PRASAD MISHRA S/O RAM CHABILE MISHRA R/O A-6C, BLOCK-A. HARI NAGAR PART IJAITPUR EXTN, DELHI, BADARPUR, NCT OF DELHI-110044 declare that name of mine and my father have been wrongly written as RAJESHWAR PRASAD SHARAM and SHRIMAN RAM SHARMA in my aadhaar card No. 5607 1502 2808. The actual name of mine and my father are RAJESHWARI PRASAD MISHRA and RAM CHABIILE MISHRA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Vivek Tyagi S/o Umeshwar Tyagi R/o Near Brijesh Vatika Colony, Makanpur, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 have changed the name of my minor daughter Shubhi Tyagi aged 7 years and she shall hereafter be known as Sanvi Tyagi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ajay Yadav S/o Devendra R/o Partha Khanjarpur, Noida, PO:Noida, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh- 201301. have changed my name and shall hereafter be known as PUSHP YADAV.

NAME CHANGE
I, Gudiya W/o Virendra R/o Sector-73, Sharfabad, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed the name of my minor son Guru Gorakhnath aged 12 years and he shall hereafter be known as Virat.

NAME CHANGE
I, Rajesh Kumar Singh S/o Randhir Singh R/o Tower-D-7, Flat No-303, Supertech Eco Village-3, Greater Noida West, Near Ek Murti, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201305 have changed the name of my minor son Kush Kumar Singh aged 4 years and he shall hereafter be known as Yashvardhan Singh.

NAME CHANGE
I SHAHIDA W/O ALIMUDDIN QURESHI RESIDING AT HOUSE NO 408/7, 3RD FLOOR, (RIGHT HAND SIDE) GALI PAHAR WALI, CHATTA LAL MIAN DARYA GANJ NEW DELHI -110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM SHAHIDA TO SHAHIDA ALIMUDDIN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
Be it known that my clients Mrs. Usha Devi W/o. Sh. Laxmi Narayan and Sh. Laxmi Naryan S/o. Late Sh. Raja Ram R/o. K-19/164, Gali No. 19, Sangam Vihar, New Delhi hereby severed all their relations and has debarred and disinherited his son Sunil Aggarwal from all her/his properties both immovable and movable. My clients have no control over her/his son who has no respect and regard for my clients. my clients shall not be responsible for any act, deed and things of her/his son and anybody dealing with him in any manner will do so at their own risk and consequences.
Arabinda Nayak Advocate
Ch. No. 245-A, Lawyer's Chamber Block, Distract Court Complex, Saket, New Delhi-110017

NAME CHANGE
I, Preety Sood alias Sudesh Khullar W/O Prabal Vir Sood Permanent resident of -4 ,Preet Nagar, Back Side Dev Hospital Batla Road , Amritsar -1, Amritsar Punjab -143001, Presently residing at GZB C-196 Ramprastha, Ghaziabad Uttar Pradesh 201011, have changed my name and shall hereafter be known as Sudesh Khullar

NAME CHANGE
I, Sanjeev Kumar S/O Har Narayan R/O House No -32,Gali No -2, Laxmi Garden, Indrapuri, Loni Dehat, Loni , Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed the name of my minor Son namely Vasu aged 15 years and he shall hereafter be known as Viraj Kumar

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Vindhyachal Kumar** are/is purchasing the Property Bearing No. RZF-769/3B land area measuring 50 sq. yds. out of Khasra No. 44/22 situated in Palam colony known as Raj Nagar II New Delhi 110045 from Sh. Manoj Kumar Jain who is the owner of the property vide Relinquishment Deed dated 30.05.2025 and Intend to mortgage the said property with **Piramal Capital & Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
Manoj Mohan Vats S/o Virendra Mohan Vats R/o House No. WZ-44, Chaukhandi Extension, Tilak Nagar, New Delhi-110018, have changed my name to Manoj Vats for all future purposes.

NAME CHANGE
I,SUJATA MEHTA W/O SATISH KUMAR MEHTA,R/O J-6- A, VISHNU GARDEN,TILAK NAGAR,WEST DELHI-110018,HAVE CHANGED MY NAME FROM SUJATA AHUJA TO SUJATA MEHTA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I,SATISH KUMAR S/O LAXMAN DASS MEHTA,R/O J-6- A, VISHNU GARDEN,TILAK NAGAR,WEST DELHI-110018,HAVE CHANGED MY NAME FROM SATISH KUMAR TO SATISH KUMAR MEHTA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN
This is to inform the general public at large that PNB Housing Finance Ltd., having its branch office situated at Shahdara, New Delhi, proposes to extend a financial facility in favour of Mr. Mahesh Kumar, against the mortgage of a residential property comprising a House constructed on Plot No. 19, admeasuring 60 Sq. Yds. (equivalent to 50.166 Sq. Mtrs.), forming part of Khasra No. 1382, situated at Akshay Enclave, Village Raeespur, Pargana Dasna, Tehsil and District Ghaziabad, Uttar Pradesh.The aforesaid property was previously owned by Mr. Om Prakash, Mr. Tejveer Singh, along with 14 others, being the recorded Co-Owners/Khatedars, having title and land rights in Khasra No. 1382, admeasuring 0.1770 hectares (i.e., 1770 Sq. Mtrs.), along with other khasra numbers and land parcels, by virtue of Khatauni pertaining to Fasli Year 1414–1419 (i.e., 2006–2011). Any person(s), institution(s), or entity(ies) claiming any right, title, interest, share, lien, encumbrance, or objection whatsoever in respect of the said property, or having any objection to the proposed mortgage in favour of PNB Housing Finance Ltd., are hereby called upon to submit their claims/objections in writing, supported by documentary evidence, to the undersigned within a period of seven (7) days from the date of publication of this notice. Claims or objections, if any, may be submitted to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile No.: - +91-9340118309). Failing receipt of any claim or objection within the stipulated period, it shall be presumed that the said property is free from all encumbrances, and PNB Housing Finance Ltd. shall proceed with the proposed transaction without further notice.
Rishi Maheshwari (Advocate)
RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road Near Dwarka More New Delhi 110059.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अंजुम पुत्र मो. अख्तर, निवासी मकान नंबर 1254, पुराना बाजार, भण्डा पट्टी थाना, कोतवाली नगर, जिला हापुड़** ने **FIR No. 374/2015, U/S 279/338/146/196 MV Act, अन्तर्गत थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंजुम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंजुम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 374/2015, U/S 279/338/146/196 MV Act, अन्तर्गत थाना मधु विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अंजुम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री उदभव कुमार जैन,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04
कमरा नं. 13, द्वितीय तल, शाहदरा जिला कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8246/ED/2025(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

करनाल में 12वीं के छात्र के साथ बर्बरता, गुप्तांग पर चोट मारकर उतारा मौत के घाट, दूध लेने गया था मृतक

एजेंसी

करनाल . करनाल जिले के गांव चौरा में बीती रात एक नाबालिग छात्र के गुप्तांग और गला पर चोट मारकर हत्या कर दी गई। मृतक युवक की पहचान शुभम के रूप में हुई है जो अपने मामा के घर रह रहा था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

मृतक के नाना ने बताया कि उसका नाती शुभम बीती रात को गांव में दूध लेने गया था। रास्तें में आरोपियों ने उसके नाती पर हमला बोल दिया। मृतक के नाना ने बताया कि हमलावरों ने उस के गुप्तांग व गले पर गंभीर चोट मारी, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं पुलिस जांच अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि हत्या के आरोप में 3 के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जिनमें से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच अधिकारी ने कहा कि हत्या का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगा।

मेवात में 50 साल बाद दौड़ेगी ट्रेन, दिल्ली से कनेक्ट होंगे हरियाणा के ये बड़े शहर

एजेंसी

हरियाणा. हरियाणा के मेवात क्षेत्र की 50 साल पुरानी रेल कनेक्टिविटी की मांग पूरी होने जा रही है। केंद्र सरकार ने 2500 करोड़ रुपये की लागत से दिल्ली से सोहना होते हुए फिरोजपुर झिरका और अलवर तक बनने वाली 104 किलोमीटर लंबी रेल लाइन को मंजूरी दे दी है। इसे अगले तीन वर्षों में यानी 2028 तक पूरा किया जाएगा। परियोजना के तहत फिलहाल सात स्टेशन प्रस्तावित हैं, लेकिन स्थानीय जरूरतों के अनुसार इस संख्या में वृद्धि भी हो सकती है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह नई रेल लाइन क्षेत्रीय विकास को गति देगी और विशेष रूप से मेवात जैसे पिछड़े इलाके में शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के अवसर बढ़ाएगी।इस रेल परियोजना की मांग सबसे पहले 1971 में गुड़गांव के सांसद चौधरी तैयब हुसैन ने उठाई थी, लेकिन राजनीतिक सहमति अब मिली है। सांसद धर्मबीर सिंह और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने इस मुद्दे को संसद में मजबूती से उठाया और 2024 के बजट में इसे शामिल कर मंजूरी दिलाई।

रेलवे विभाग के अनुसार, परियोजना शुरू होने से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। खासकर नूंह जैसे पिछड़े जिलों को यह विकास की राह पर ले जाएगा। नई रेल लाइन से मेवात सीधे दिल्ली से जुड़ जाएगा, जिससे जिले का विकास और तेज होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने इसे मेवात को राज्य और राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने वाली ऐतिहासिक शुरुआत बताया है।

Yamunanagar में बारिश से तबाही का सिलसिला जारी, अब सरस्वती शुगर मिल में 50 करोड़ का नुकसान

एजेंसी

यमुनानगर (सुरेंद्र मेहता) . एशिया की सबसे बड़ी सरस्वती शुगर मिल में बारिश के पानी से 50 करोड रुपए का नुकसान हो गया है। यमुनानगर जिले में देर रात से हुई बारिश की वजह से सरस्वती शुगर मिल के पास से गुजरने वाले नाला ओवरफ्लो हो गया। हालात यह बन गए कि शहर का गंदा पानी शुगर मिल के उस गोदाम में घुस गया जहां करीब 2 लाख 50 हज़ार चीनी रखी हुई थी। जिसमें से 1 लाख 25 हज़ार यानी 50 फ़ीसदी चीनी में पानी लग गया।

सरस्वती शुगर मिल के टेक्निकल हेड सत्यवीर सिंह ने बताया कि नाला ब्लॉक होने से शहर का गंदा पानी शुगर मिल में घुस गया जिससे करीब 50 करोड रुपए का नुकसान हो गया है। उन्होंने कहा कि गंदगी का सारा मलबा चीनी गोदाम में चला गया है। फिलहाल जेसीबी की मदद से मलबे को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है, लेकिन गोदाम में जमा हुआ कई फिट पानी को निकालने के लिए परेशानी आ रही है।

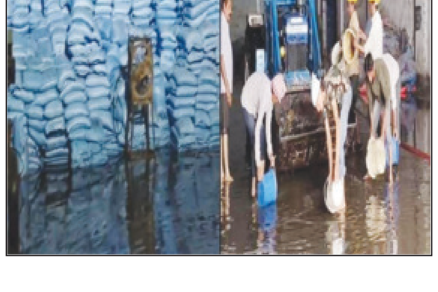

यमुनानगर में तबाही की बारिश लगातार जारी है। अभी तक आम आदमी इस तबाही के मंजर को देख रहा था लेकिन यमुनानगर सरस्वती शुगर मिल में जमा हुआ यह पानी प्रशासन के उन दावों को खोखला कर रहा है जिसमें मानसून सीजन से पहले ही यमुनानगर के अधिकारी बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। एसएमएस सवाल यह उठता है कि 50 करोड़ के इस भारी भरकम नुकसान की भरपाई कैसे होगी और कौन इस नुकसान की जिम्मेदारी लेगा।

सुभाषिनी अली सहगल ने देशभर में हो रहे महिला उत्पीड़न के मामलों पर रखे विचार, किए कई चौंकाने वाले खुलासे

एजेंसी

जींद (अमनदीप पिलानिया)

. जींद के एक निजी होटल में अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति का 12वां राज्य सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ जय हिंद फौज में काम कर चुकीं लक्ष्मी सहगल की पुत्री, पूर्व सांसद और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाषिनी अली सहगल ने शिरकत की।

पंजाब केसरी से विशेष बातचीत में सुभाषिनी अली सहगल ने देशभर में हो रहे महिला उत्पीड़न के मामलों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, ÷हमारा संगठन कोई एनजीओ नहीं है। हमारी सदस्यता प्रतिवर्ष नवीनीकृत होती है। हमारा संगठन हमेशा आंदोलनों में सक्रिय रहता है। हरियाणा के विभिन्न आंदोलनों में हमारी महिला समिति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। उदाहरण के लिए, पहलवानों के आंदोलन में हमने दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों की आवाज़ बुलंद की। हरियाणा में पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ भी हमने आवाज़ उठाई। महिला की शिकायत के बावजूद तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उस खेल मंत्री को हटाया नहीं, न ही उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की। खट्टर के हटने के बाद नायब सैनी मुख्यमंत्री बने, लेकिन उन्होंने भी संदीप सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, बस उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया।÷ सुभाषिनी ने कहा, ÷हरियाणा में हमें अधिक आंदोलन करने पड़ते हैं क्योंकि यहाँ भाजपा की सरकार है और जो लोग अपराधी हैं, उन्हें भाजपा संरक्षण देती है। इसका बड़ा उदाहरण राम रहीम है। वह हत्या और बलात्कार के मामलों में सजा काट रहा है, फिर भी उसे बार-बार पैरोल दी जाती है। भाजपा के नेता उसके पास जाते हैं, उसके पैर छूते हैं और कहते हैं कि चुनाव में उनकी मदद करे।

किसान आंदोलन और दलित उत्पीड़न

सुभाषिनी ने बताया कि किसान आंदोलन में भी हमारी महिला समिति सक्रिय थी। हमने किसानों के साथ टोल पर धरना दिया और उनके लिए भोजन की व्यवस्था में मदद की। दलित उत्पीड़न के मामलों में भी हमने हिस्सा लिया है। जैसे, जब किसी दलित लड़की की गैर-दलित से शादी होती है, तो उनके खिलाफ बहुत कुछ होता है। खाप पंचायतें भी उनके खिलाफ फैसले लेती हैं।

खाप पंचायतों और सामाजिक रूढ़ियों पर

खाप पंचायतों द्वारा समगोत्र विवाह, लिव-इन रिलेशनशिप और

एक ही गाँव में शादी पर प्रतिबंध के मुद्दे पर सुभाषिनी ने कहा कि हरियाणा के कई गाँवों में दूसरे राज्यों से लड़कियाँ खरीदकर शादी की जाती हैं। अगर कोई लड़का अपनी पसंद से शादी करता है, तो इससे भाईचारे पर कोई असर नहीं पड़ता, न ही गाँव में कोई गड़बड़ होती है। हरियाणा में बंगाल, त्रिपुरा जैसी जगहों से गरीब लड़कियाँ लाई जाती हैं, जिनकी जाति या पारिवारिक पृष्ठभूमि की जानकारी किसी को नहीं होती। हरियाणा में लिंगानुपात असंतुलित है; लड़कों की संख्या लड़कियों से अधिक है। जिनके पास ज़मीन नहीं है, उनकी शादी यहाँ आसानी से नहीं होती। इसलिए यहाँ के लड़के दूसरे राज्यों से लड़कियाँ लाकर शादी करते हैं। केरल की नर्सें, जो पढ़ी-लिखी हैं, उनका उत्पीड़न नहीं होता। ऐसी शादियों से भाईचारे पर कोई फर्क नहीं पड़ता।उन्होंने आगे कहा, हमारे पास कई मामले हैं और इस पर शोध भी हुआ है कि हरियाणा में एक लड़की को तीन-चार भाई आपस में बाँट लेते हैं। जब उसका काम खत्म हो जाता है, तो उसे दूसरे भाई के पास भेज दिया जाता है। ऐसी महिलाओं के बच्चों को परिवारवाले अपना नहीं मानते और उन्हें ज़मीन में हिस्सा भी नहीं दिया जाता। लेकिन खाप पंचायतें, जो पुरुष प्रधान हैं, इसे गलत नहीं मानतीं। वहीं, जब कोई महिला आगे बढ़ना चाहती है, तो उसे या उसके परिवार को मार देना यहाँ आम बात हो गई है।

समगोत्र और लिव-इन रिलेशनशिप पर

समगोत्र और एक गाँव में शादी के मुद्दे पर सुभाषिनी ने कहा, ÷मैं संविधान को मानती हूँ। संविधान कहता है कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले व्यक्ति को अपनी शादी का फैसला लेने का पूरा अधिकार है। यह हमारा मूलभूत अधिकार है, और मैं इसके साथ खिलवाड़ के पक्ष में नहीं हूँ।

बहादुरगढ़ में पत्नी ने की पति की बेरहमी से हत्या, सिर और गर्दन पर मिले गहरे घाव

एजेंसी

बहादुरगढ़ (प्रवीण धनखड़)

.हरियाणा के बहादुरगढ़ में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला पर अपने पति की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। मृतक की पहचान 37 वर्षीय भानू प्रताप के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का रहने वाला था और कई वर्षों से बहादुरगढ़ के श्यामजी कॉम्प्लेक्स के पास स्थित एक मकान में अपने परिवार सहित रह रहा था। फिलहाल वह एक ढाबे पर काम करता था। शुक्रवार रात को उसकी हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सुबह बेटे ने देखा खून से लथपथ शव

बताया जा रहा है कि घटना के समय भानू प्रताप का बेटा मकान की छत पर सो रहा था। सुबह जब वह नीचे कमरे में पहुंचा तो उसने पिता को खून से लथपथ हालत में देखा और जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुनकर अन्य किरायेदार व पड़ोसी मौके पर इकट्ठा हो गए। पड़ोसियों के अनुसार, भानू की पत्नी कुसुम भी उसी कमरे में मौजूद थी लेकिन वह पूरी तरह से सदमे में थी और कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रही थी। वह केवल इतना ही कह रही थी कि चोट लगी है।

हत्या में पत्नी पर शक, रिश्तेदारों ने भी लगाए आरोप

परिजनों ने आरोप लगाया कि भानू और उसकी पत्नी कुसुम के बीच अक्सर झगड़े होते थे। मृतक के बड़े भाई राघवेंद्र ने पुलिस को दिए बयान में दावा किया कि रात को दोनों के

बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद कुसुम ने भानू की हत्या कर दी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि भानू प्रताप की हत्या किसी तेजधार हथियार और पत्थर से की गई है। सिर और गर्दन पर गहरे घाव मिले हैं, जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि वारदात बेहद क्रूरता से अंजाम दी गई।

फोरेंसिक टीम मौके पर, पुलिस जांच जारी

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। टीम ने कमरे से साक्ष्य इकट्ठा किए हैं। फिलहाल शव को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया गया है और पुलिस ने राघवेंद्र की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, अभी तक कोई पुलिस अधिकारी इस मामले में आधिकारिक रूप से कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

हिमाचल प्रदेश में जगह-जगह भूस्खलन के चलते चंडीगढ़-मनाली फोरलेन पर यात्रा न करने की सलाह

एजेंसी

हिमाचल. प्रदेश में मौसम तबाही मचा रहा है। बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। प्रदेश में भूस्खलन और बाढ़ जैसी घटनाएं सामने आ रही है। आज भी हिमाचल में बारिश का सिलसिला जारी है। सोलन में पांच मंजिला इमारत गिर गई। मंडी पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा कि कल रात से लगातार हो रही बारिश के कारण मंडी-कुल्लू राष्ट्रीय राजमार्ग/फोरलेन पर कई स्थानों (4 मील, 7 मील, 9 मील, द्वाडा) पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की सूचना मिली है। सड़क वर्तमान में अवरुद्ध है और यात्रा के लिए असुरक्षित है। यात्रियों को कटिंडी - कटौला - बजौरा के माध्यम से वैकल्पिक मार्ग लेने की सलाह दी जाती है। सुरक्षित रहें और अपडेट रहें।

मौसम विभाग ने चार जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। लगातार भारी बारिश के कारण कई मुख्य व संपर्क मार्ग भूस्खलन के चलते बंद हो गए। वहीं कालका-शिमला रेलमार्ग भी जगह-जगह भूस्खलन होने, पेड़ व

पत्थर गिरने से बंद हो गया था। कल सुबह ही चंडीगढ़-शिमला फोरलेन चक्की मोड़ के पास पहाड़ी से भारी मलबा आने से बंद हो गया था। कुछ समय बाद एक लेन को बहाल किया गया।

खली का स्पेशल टच! जब हरियाणा के मंत्री ने कहा-तू ही मेरा इलाज कर, तब रेसलर ने चढ़ा दिया खास प्लास्टर

एजेंसी

डेस्क. हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज के पैर के अंगूठे पर चढ़े प्लास्टर की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। खास बात यह है कि यह प्लास्टर पूर्व रेसलर ग्रेट खली की देखरेख में चढ़ाया गया। विज ने हंसते हुए खली से कहा कि तुम तो हड्डी तोड़ते और जोड़ते रहते हो, ऐसे में मेरा प्लास्टर भी तुम ही चढ़वाओ। इस पर खली भी जोर से हंस पड़े।

चोट के बावजूद व्यस्त कार्यक्रम

करीब एक महीने पहले अनिल विज को घर में ही पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद से उन्हें लगातार दर्द बना रहा। बावजूद इसके, वे अंबाला छावनी में नालों का निरीक्षण करने, चंडीगढ़ आने-जाने और दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मिलने जैसे तमाम कामों में जुटे रहे। इस दौरान उनका दर्द लगातार बढ़ता गया।

एयरलाइन फ्रैक्चर की पुष्टि

24 जून को जब दर्द असहनीय हो गया, तो उन्होंने सिविल अस्पताल में एक्स-रे करवाया। इसके बाद एक निजी चिकित्सक से सलाह ली गई, जिसने बताया कि अंगूठे में एयरलाइन फ्रैक्चर है। डॉक्टरों ने उन्हें तीन से चार दिन के बेड रेस्ट की सलाह दी है। फिलहाल वे घर पर आराम कर रहे हैं, हालांकि अभी भी उन्हें पूरी राहत नहीं मिली है।

प्लास्टर से असुविधा

डॉक्टरों ने अंगूठे के साथ-साथ पास की उंगली को भी प्लास्टर में जोड़ दिया, जिससे उन्हें काफी असुविधा हो रही थी। उन्होंने डॉक्टरों से इस परेशानी को साझा किया, लेकिन बताया गया कि यह सपोर्ट के लिए ज़रूरी है क्योंकि फ्रैक्चर एयरलाइन है।

जब दोस्त खली ने की मदद

अनिल विज और ग्रेट खली पुराने दोस्त हैं। जब खली को पता चला कि विज बीमार हैं, तो वे अंबाला स्थित उनके घर पहुंचे। उसी दौरान विज का हालचाल लेने डॉक्टरों की टीम भी पहुंची। विज ने खली से कहा कि मौजूदा प्लास्टर से परेशानी हो रही है, तो खली ने डॉक्टरों की मदद से सिर्फ अंगूठे पर ही एक विशेष प्लास्टर चढ़वाया। इस मौके पर विज ने खली से कहा कि तुम तो अंडरटेकर को भी हरा चुके हो। अब मेरा प्लास्टर भी तुम ही चढ़वाओ। इस पर खली हंस पड़े और कहा कि मैं एक खास प्लास्टर कराता हूं।

खास चप्पल बनवा रहे हैं विज

प्लास्टर के कारण चलने-फिरने में हो रही परेशानी को देखते हुए अनिल विज एक विशेष चप्पल बनवा रहे हैं, जिसमें उन्हें आराम मिले। इस काम में उनके भाई उनकी मदद कर रहे हैं।

टोहाना में 60 करोड़ की चिटफंड धोखाधड़ी का मामला: 3 साल बाद 4 आरोपी गिरफ्तार, 2 को भेजा जेल

एजेंसी

टोहाना (सुशील सिंगला). टोहाना में चिट फंड कंपनी के जरिए सैंकड़ों लोगों से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इकोनॉमिक सेल की टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो को जमानत मिल गई, जबकि कर्मवीर और नीटू को हिसार जेल भेज दिया गया है।

मामले की जांच कर रहे सब इंस्पेक्टर इंद्र सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता साहिल के बयान पर पुनिया चिटफंड का केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने पहले सुरेंद्र कुमार और कृष्ण को गिरफ्तार किया। जांच के बाद दोनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

इसके बाद कर्मवीर पुनिया और जयदीप उर्फ नीटू को गिरफ्तार के बाद दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपियों की संपत्ति का ब्यौरा लिया। रविवार को दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में हिसार जेल भेज दिया गया।

लॉटरी के जरिए की थी 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी

बता दें कि करीब तीन साल पहले टोहाना के सैकड़ों लोगों ने कर्मवीर पुनिया सहित उसके परिवार के छह लोगों पर शिकायत देकर केस दर्ज कराया था।

आरोप था कि इन्होंने चिटफंड कंपनी बनाकर सैकड़ों लोगों से लॉटरी के जरिए 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। तब से मामला ठंडे बस्ते में था। आरोपी खुलेआम घूम रहे थे। हाल ही में एसपी सिद्धांत जैन के टोहाना दौरे के दौरान पीड़ितों ने शिकायत की, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। एसपी के तुरंत एक्शन के बाद पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो आरोपियों की गिरफ्तारी अभी होनी है। पुलिस द्वारा उन पर भी जल्द कार्रवाई की बात कही जा रही है।

ट्रक ड्राइवर को देखता तो खौल जाता खून, 4 हत्याएं कीं; पहलवान संदीप लोहार कैसे बना हाईवे का साइको किलर?

एजेंसी

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश के बागपत में रविवार देर रात पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में एक लाख रुपये के इनामी बदमाश संदीप लोहार उर्फ संदीप पहलवान मुठभेड़ में मारा गया. साइको किलर के नाम से कुख्यात संदीप हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों को निशाना बनाकर उनकी हत्या और लूटपाट करता था. वह अक्सर उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र के हाईवे पर वारदात को अंजाम देता था. जो उसे जानते थे, खासकर ड्राइवर, उनमें संदीप पहलवान को लेकर हमेशा दहशत रहती थी.

हरियाणा के रोहतक जिले के भैणी महाराज गांव का रहने वाला संदीप लोहार एक पहलवान था. लेकिन 2013 में एक सड़क हादसे ने उसकी जिंदगी को तहस-नहस कर दिया. इस हादसे में उसकी बेटी की मौत हो गई, जिसके लिए उसने एक ट्रक ड्राइवर को जिम्मेदार ठहराया. इस घटना ने संदीप को पूरी तरह से बदल दिया. उसकी नजर में ट्रक ड्राइवर एक अपराधी थे. इसके बाद उसने ट्रक ड्राइवरों को अपना निशाना बनाना शुरू किया.

खौफनाक था हत्या और लूट का तरीका

संदीप का अपराध करने का तरीका जितना सुनियोजित था, उतना ही खतरनाक. वह हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों से पहले दोस्ती करता, उनके साथ खाना खाता और शराब पिलाकर उनका भरोसा जीतता. फिर मौका पाकर वह गला दबाकर, गोली मारकर या धारदार हथियारों से उनकी हत्या कर देता. हत्या के बाद ट्रक में मौजूद कीमती सामान लूटकर वह फरार हो जाता. पुलिस के मुताबिक, संदीप ने कम से कम चार ट्रक ड्राइवरों की हत्या की और कई बड़ी लूट की वारदातों को अंजाम दिया.

कानपुर में 4 करोड़ की लूट ने बनाया मोस्ट वांटेड

संदीप की सबसे सनसनीखेज वारदात थी कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र में 15 मई 2025 को 4 करोड़ रुपये की निकेल प्लेट से लदे ट्रक की लूट. इस वारदात के बाद वह फरार हो गया और पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम रखा. उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में हत्या, लूट और डकैती के 15 से अधिक मामले दर्ज थे.

बागपत में मुठभेड़ में ढेर

29 जून की रात बागपत के मवीकलां इलाके में पुलिस को संदीप की मौजूदगी की खबर मिली. एसटीएफ नोएडा यूनिट और बागपत पुलिस ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी की. मुठभेड़ के दौरान संदीप ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस की फायरिंग में वह घायल हो गया. उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. बागपत के पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया, संदीप एक खतरनाक अपराधी था, जो हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों को निशाना बनाता था. उसके एक साथी के फरार होने की सूचना है, जिसकी तलाश जारी है.

मुठभेड़ में संदीप के पास से एक पिस्तौल, कारतूस और अन्य सामान बरामद हुआ. एसटीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक अमिताभ यश ने कहा, यह मुठभेड़ हाईवे पर लूट और हत्या की घटनाओं को रोकने में बड़ी सफलता है. पुलिस अब संदीप के आपराधिक नेटवर्क की गहन जांच कर रही है.

HAU आंदोलन पर गरजे बीरेंद्र सिंह, बोले- जिस दिन जनता छात्रों के साथ खड़ी हो गई, सरकार व वीसी को कहीं जगह नहीं मिलेगी

एजेंसी

उचाना (हरदीप श्योकंद) . पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), हिसार में चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उचाना स्थित राजीव गांधी महाविद्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि एचएयू में नियुक्तियों में आरएसएस की पृष्ठभूमि को प्राथमिकता दी जा रही है। जो पूरी तरह से अनुचित और लोकतंत्र के खिलाफ है।

बीरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में छात्रों की मांगों को दरकिनार कर उन्हें दबाया जा रहा है। वाइस चांसलर खुद छात्रों को घसीटते हैं, सिक्योरिटी गार्ड उन्हें पीटते हैं। यह कौन सी लोकतांत्रिक व्यवस्था है? उन्होंने सवाल उठाया। मंत्री ने कहा कि छात्रों के आंदोलन को खाप पंचायतों, किसान संगठनों और कुछ राजनीतिक दलों का समर्थन मिलना स्वाभाविक है। क्योंकि यह आंदोलन न्याय और अधिकारों की मांग के लिए है। जब आप नियुक्तियों में आरएसएस का चेहरा देखते हैं। तब आपको किसान और विपक्ष याद नहीं आते, लेकिन जब वे छात्रों के साथ खड़े होते हैं। तो सरकार को तकलीफ होने लगती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की गौरवशाली विरासत को मत भूलिए चौ. बीरेंद्र सिंह ने चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की ऐतिहासिक भूमिका को याद दिलाते हुए कहा कि ग्रीन रिवॉल्यूशन में इस विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह वही संस्थान है जिसने अन्नदाता तैयार किए। इसे किसी भी सियासी चश्मे से देखना गलत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छात्रों को परेशान करने के लिए हॉस्टल की बिजली और कैंटीन तक बंद करवाई जा रही है। यह दमनकारी रवैया ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगा। जिस दिन जनता छात्रों के साथ खड़ी हो गई। उस दिन सरकार और वाइस चांसलर को अपनी जगह नहीं मिलेगी।

नायब सैनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी, किस बात पर भड़के हैं कर्मचारी

एजेंसी

हरियाणा में नायब सैनी सरकार के खिलाफ कर्मचारियों में नाराजगी है। यह कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर सैनी सरकार के फैसले से भड़के हुए हैं। अब इन कर्मचारियों ने नौ जुलाई से हड़ताल की तैयारी कर रखी है। सैनी सरकार के फैसले पर ऑल-इंडिया स्टेट गवर्नमेंट इंप्लॉइज फेडरेशन के अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों से बातचीत किए बिना एकतरफा रूप से यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है।

इसके चलते कर्मचारियों में काफी असंतोष है। लांबा ने कहाकि इस निर्णय का विरोध विभिन्न लोकतांत्रिक साधनों से किया जाएगा। इसी सिलसिले में 9 जुलाई को हड़ताल का आह्वान किया गया है।

पुराने फैसले से पीछे हट रही सरकार

सुभाष लांबा ने दावा किया कि सरकार ने कर्मचारियों को नए पेंशन योजना (एनपीएस) और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के बीच चुनने का विकल्प देने का निर्णय लिया था। इसको जनवरी 2006 से लागू किया जाना था। लेकिन अब सरकार ने अपने वादे से पीछे हटते हुए प्रतीत हो रही थी। उन्होंने कहाकि अगर वास्तव में सरकार को कर्मचारियों के हक की चिंता है तो उन्हें ओपीएस, एनपीएस और यूपीएस के बीच चुनने का विकल्प देना चाहिए। लांबा ने कहाकि केंद्रीय व्यापार संघों और केंद्रीय तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों के संघों ने 9 जुलाई को हड़ताल का ऐलान किया है। हमारी मुख्य मांग पुरानी पेंशन फिर से लागू करना है।

एकजुटता का किया दावा

सुभाष लांबा के मुताबिक यूपीएस लागू करने के एकतरफा फैसले के खिलाफ पेंशन बहाली संघर्ष समिति समेत राज्य के सभी कर्मचारी संगठन शामिल हैं।

यह सभी 9 जुलाई की हड़ताल को एकजुटता के साथ सफल बनाकर सरकार को उचित जवाब देंगे। लांबा ने कहाकि ओपीएस में कर्मचारी की पेंशन के लिए वेतन से कोई कटौती नहीं हुई।

केवल जीपीएफ की राशि काटी गई और सरकार इस राशि को देश के विकास के लिए खर्च कर सकती है।

NAME CHANGE

I hitherto known as MAMTA RANI alias MAMTA MIDHA D/o DAYAL CHAND NAGPAL, and W/o RAJ KUMAR MIDHA, R/o H.No. 182, Ward No. 13, 4 Marla Colony, Fatehabad, PO: Fatehabad, Dist: Fatehabad, Haryana-125050, have changed my name and shall hereafter be known as MAMTA MIDHA, for all future purposes.

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे गिरकर 85.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि शुक्रवार को रुपया 85.49 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 85.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.48 पर खुला। शुरुआती कारोबार में 85.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 85.50 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 97.25 पर आ गया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हरियाणा में 43 एकड़ जमीन अधिग्रहण की

मुंबई। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हरियाणा` स्थित पानीपत में 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर`` लिया है जिससे उसे 1,250 करोड़ रुपये से अधिक आय होने की संभावना है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने- भूखंड विकास के लिए 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिससे 1,250 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षमता होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हालांकि सौदे के वित्तीय विवरण की जानकारी नहीं दी। यह भूमिखंड पानीपत के सेक्टर 40 में स्थित है। इसमें करीब 10.2 लाख वर्ग फुट का आवासीय विकास किया जाएगा। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा` कि यह परियोजना 'प्लॉटेड' (भूखंड) विकास के लिए नए बाजारों में विस्तार करने की हमारी रणनीति के अनुरूप है।

जनवरी-जून में कार्यालय स्थल की मांग सात शहरों में 48 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली।

कॉरपोरेट की ओर से प्रबंधित कार्यस्थलों की बढ़ती मांग को देखते हुए सह-कार्य केंद्र चालकों ने इस साल जनवरी-जून में सात प्रमुख शहरों में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत अधिक 65 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थल पट्टे पर लिए। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने यह जानकारी दी। ये सह-कार्य केंद्र संचालक कार्यालय स्थलों को रियल एस्टेट डेवलपर और संपत्ति मालिकों से पट्टे पर लेकर इन्हें तीसरे पक्ष को किराए (उप-पट्टे) पर देते हैं। सह-कार्य संचालकों ने 2024``` वित्तीय वर्ष की जनवरी-जून अवधि में सात शहरों दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और बेंगलुरु में 44 लाख वर्ग फुट स्थान पट्टे पर लिया था। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 में इन सात शहरों में कार्यालय स्थल की अवशोषण मांग 13 प्रतिशत बढ़कर 337 लाख वर्ग फुट हो गई जो एक साल पहले की अवधि में 299 लाख वर्ग फुट थी।

हिंद रेक्टिफायर्स को रेलवे से मिला 101 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। रेलवे और पावर सेक्टर के लिए इलेक्ट्रिकल उपकरण बनाने वाली कंपनी हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड को इंडियन रेलवे से 101 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर न केवल कंपनी की राजस्व वृद्धि में मदद करेगा, बल्कि उसकी तकनीकी क्षमता और बाजार में भरोसे को भी और मजबूत करता है। कंपनी ने 27 जून को स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि यह ऑर्डर वित्त वर्ष 2025-26 से 2026-27 के बीच पूरा किया जाएगा। इस डील के अंतर्गत हिंद रेक्टिफायर्स रेलवे को इलेक्ट्रिकल कॉम्पोनेंट्स की आपूर्ति करेगी। यह ऑर्डर रेलवे के मानक नियमों और शर्तों के तहत दिया गया है। इससे कंपनी की ऑर्डर बुक मज़बूत होगी, और आगामी वर्षों में राजस्व और नकदी प्रवाह में स्थायित्व आएगा।

अडानी ग्रीन एनर्जी ने किया 15,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को पार

गौतम अडानी बोले- यह भारत के इतिहास में सबसे बड़ा व तेज हरित ऊर्जा निर्माण

अहमदाबाद।

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने सोमवार को 15,000 मेगावाट की परिचालन क्षमता को पार कर एक उपलब्धि हासिल की है, जो अब 15,539.9 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह उपलब्धि भारत में अब तक की सबसे तेज और बड़ी क्षमता वृद्धि को दर्शाती है। भारत की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी ने कहा कि परिचालन पोर्टफोलियो में 11,005.5 मेगावाट सोलर, 1,977.8 मेगावाट विंड और 2,556.6 मेगावाट विंड-सोलर हाइब्रिड क्षमता शामिल है। अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अडानी ग्रीन ने 15,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को पार कर लिया है, जो भारत के इतिहास में सबसे बड़ा और तेज हरित ऊर्जा निर्माण है। गौतम अडानी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि खावड़ा के रेगिस्तानी परिदृश्य से लेकर दुनिया के टॉप 10 ग्रीन पावर उत्पादकों में गौरवपूर्ण स्थान तक यह मील का पत्थर एक संख्या से कहीं ज्यादा है। यह ग्रह के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और भारत के हरित पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने के हमारे संकल्प को दिखाता है। एजीईएल भारत की पहली और एकमात्र रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है, जिसने मुख्य रूप से ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स के जरिए से यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। एजीईएल के सीईओ ने कहा कि 15,000 मेगावाट के मील के पत्थर को पार करना बहुत गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि हमारी टीम के अथक प्रयासों और समर्पण का प्रमाण है। यह हमारे प्रमोटरों के दूरदर्शी नेतृत्व और निवेशकों, ग्राहकों, टीम और भागीदारों के अटूट समर्थन के बिना संभव नहीं होता, जो हर कदम पर हमारे साथ खड़े हैं।

भारत में जीनोमिक जांच की मांग- 2030 तक 2066 करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

2024 में भारतीय जीनोमिक डायग्नोस्टिक बाजार का मूल्य 55 करोड़ डॉलर था

नई दिल्ली।

भारत में जीनोमिक जांच की मांग में बीते दो-तीन वर्षों में तेजी देखी जा रही है। इसके पीछे क्लीनिकल जागरूकता में इजाफा, तकनीकी नवाचार और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन को बढ़ावा मिलना जैसे कई कारण बताए गए हैं। पहले महानगरों तक सीमित यह सेवा अब मझोले और छोटे शहरों तक भी विस्तार कर रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवा के परिदृश्य मे बदलाव देखा जा रहा है। 2024 में भारतीय जीनोमिक डायग्नोस्टिक बाजार का मूल्य 55 करोड़ डॉलर था। उद्योग अनुमानों के अनुसार, यह बाजार 18 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 2030 तक 2066 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। एजिलस डायग्नोस्टिक्स, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर, डॉ. लाल पैथलैब्स, महाजन इमेजिंग और रेडक्लिफ लैब्स जैसी कंपनियों ने इस क्षेत्र में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। अब केवल दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु ही नहीं, बल्कि लखनऊ, भुवनेश्वर, पुणे, कोच्चि और सूरत जैसे शहरों में भी मांग में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। आम जीनोमिक जांच जैसे बीआरसीए1/2 टेस्ट (स्तन और गर्भाशय के कैंसर की जांच) और एनआईपीटी (गर्भावस्था में भ्रूण संबंधी आनुवंशिक जोखिम आकलन) अब 5,000 से 20,000 की रेंज में उपलब्ध हैं। हालांकि ऑन्कोलॉजी पैनल और एक्सोम सीक्रेंसिंग जैसी जटिल जांच की कीमत अभी भी 2 लाख तक हो सकती है, लेकिन तकनीकी प्रगति के चलते ये जांच अब अधिक सुलभ हो रही हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 452 , निफ्टी 120 अंक नीचे आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार जून महीने के अंतिम कारोबारी दिन सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 452 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,606.46 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120 अंकों की गिरावट के साथ 25,517.05 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर एसबीआई, ट्रेंट, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर रहे जबकि टाटा कंज्यूमर, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, हीरो मोटोकॉर्प, एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज पीएसयू बैंक इंडेक्स में 2.5 फीसदी की बढ़त रही, जबकि रियल्टी, एफएमसीजी, ऑटो, मेटल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक में 0.8 फीसदी की तेजी रही। वहीं वित्तीय और ऑटो शेयरों में गिरावट के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में निचले स्तर पर कारोबार हुआ। मध्य पूर्व में तनाव कम होने और विदेशी पूंजी प्रवाह में मजबूत होने से जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के बीच ही बाजार सपाट स्तर पर खुले। आज सुबह सेंसेक्स करीब 30 अंक गिरकर 84,027.33 पर खुला। इस समय यह 119.59 अंक की गिरावट लेकर 83,939 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टरों में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स सबसे अधिक लाभ में रहा। इसमें 0.94 प्रतिशत की तेजी आई। जबकि निफ्टी ऑटो इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को तेजी रही। जापान के निक्केई इंडेक्स में 1.6 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 1 फीसदी की वृद्धि हुई। कोस्पी में 0.64 फीसदी की वृद्धि हुई तथा एएसएक्स 200 में 0.19 फीसदी की वृद्धि हुई। वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार के प्रवेश के साथ ही एशियाई बाजारों में शुरुआती घंटों के दौरान अमेरिकी इक्विटी फ्यूचर्स भी तेजी से बढ़ा। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट ने सभी क्षेत्रों में मजबूत बढ़त दर्ज की। एसएंडपी 500 अपने पिछले शिखर 6,147.43 को पार करते हुए 6,173.07 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट भी लगभग 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ नए ऑल टाइम लेवल पर बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में लगभग 1 फीसदी की वृद्धि हुई।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

सोने के भाव 95,450 रुपये, जबकि चांदी लगभग 1,05,000 रुपए

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सोमवार को सुस्ती देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव तेजी, जबकि चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 22 रुपये की तेजी के साथ 95,492 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,470 रुपये था। इस समय यह 20 रुपये की गिरावट के साथ 95,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 149 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,079 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,228 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 149 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,079 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के

भाव बाद में सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,284.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,287.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.60 डॉलर की तेजी के साथ 3,290.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 35.89 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.03 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की गिरावट के साथ 35.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 15 गीगावाट परिचालन क्षमता की पार

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की परिचालन क्षमता 15.53 गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें 11 गीगावाट सौर और 1.9 गीगावाट पवन शामिल है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि 15,539.9 मेगावाट का परिचालन खंड 79 लाख मकानों को बिजली मुहैया करा सकता है। इसमें 11,005.5 मेगावाट सौर, 1,977.8 मेगावाट पवन और 2,556.6 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता शामिल है। एजीईएल के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा` कि हमारा लक्ष्य 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि को 15,000 मेगावाट से बढ़ाकर 50,000 मेगावाट करना है। हम भारत और विश्व को सतत ऊर्जा समाधानों से ऊर्जा प्रदान करने के अपने लक्ष्य पर अडिग हैं। एजीईएल गुजरात के कच्छ में खावड़ा की बंजर भूमि पर 30,000 मेगावाट का दुनिया का सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा संयंत्र विकसित कर रही है। 538 वर्ग किलोमीटर में बना यह संयंत्र पेरिस के आकार का पांच गुना है और इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा। इसके पूरा होने पर यह सभी ऊर्जा स्रोतों के संदर्भ में विश्व का सबसे बड़ा विद्युत संयंत्र होगा। एजीईएल ने अब तक खावड़ा में 5,355.9 मेगावाट अक्षय ऊर्जा की संचयी क्षमता का संचालन किया है।

यूपीआई से लेनदेन पर मिलेगा तीन फीसदी कैशबैक

एक्सिस बैंक सुपरमनी रुपे क्रेडिट कार्ड बनवाने पर मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली।

देश में यूपीआई पेमेंट का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।` अब आपको यूपीआई पेमेंट करने पर आपको हर लेनदेन पर तीन फीसदी का कैशबैक कमाने का मौका` मिल सकता है।

इसके लिए आपको एक्सिस बैंक सुपरमनी रुपे क्रेडिट कार्ड बनवाना होगा। इस क्रेडिट कार्ड को यूपीआई ऐप्स से लिंक कर सकते हैं और पड़ोस के छोटे से दुकान पर लगे मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर इस कार्ड से पेमेंट कर सकते हैं। यह कार्ड एक्सिस बैंक और फ्लिपकार्ट ग्रुप की फिनटेक कंपनी सुपर मनी का को-ब्रांडेड कार्ड है। इसे हाल ही में लॉन्च किया गया है। यह एक लाइफटाइम फ्री क्रेडिट कार्ड है। इसका मतलब हुआ कि इस कार्ड के लिए आपको कोई जॉइनिंग और एनुअल फीस नहीं देनी होगी। यह कार्ड आपको वर्जुअल के साथ-साथ फिजिकल फॉर्म में भी मिलेगा। सुपरमनी ऐप के जरिए इस कार्ड से किए गए पेमेंट पर आप 3 फीसदी कैशबैक कमा सकते हैं। इस कार्ड के जरिए दूसरे सभी एलिजिबल खर्च पर 1 फीसदी कैशबैक पा सकते हैं। दोनों कैटेगरी मिलाकर आप हर महीने मैक्सिमम 500 रुपये कैशबैक कमा सकते हैं। पेट्रोल पंपों पर 400 रुपये से लेकर 4,000 रुपये फ्यूल खरीद का पेमेंट इस कार्ड से करने पर 1 फीसदी का फ्यूल सरचार्ज नहीं देना होगा। एक बिलिंग साइकिल में मैक्सिमम 400 रुपये फ्यूल सरचार्ज माफ हो सकता है। चूंकि यह क्रेडिट कार्ड रुपे नेटवर्क पर लॉन्च किया गया है तो इस कार्ड को उन सभी ऑनलाइन वेबसाइट और मर्चेंट आउटलेट में इस्तेमाल किया जा सकता है, जो रुपे कार्ड स्वीकार करते हैं।

भारत के 9 तकनीकी सेक्टर 2030 तक कमा सकते हैं 738 अरब डॉलरः रिपोर्ट

2023 के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना बढ़ोतरी होगी

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 9 उभरते टेक्नोलॉजी सेक्टर 2030 तक देश को 588 से 738 अरब डॉलर की कमाई दिला सकते हैं। यह 2023 के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना बढ़ोतरी होगी, जब इनसे 164 से 206 अरब डॉलर की कमाई हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ग्रोथ भारत की तेज आरएंडडी क्षमता, पेटेंट्स और नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की शक्ति से संभव हो सकती है। भारत के 9 संभावनाशील सेक्टर इस प्रकार हैं- ई-कॉमर्स, सेमीकंडक्टर, क्लाउड सर्विसेज़, साइबरसिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी, एआई सॉफ्टवेयर और सर्विसेज, अंतरिक्ष तकनीक (स्पेस), न्यूक्लियर फिज़न और रोबोटिक्स। इन सेक्टरों को उनके उच्च पेटेंट ग्रोथ और भारी आरएंडी निवेश के आधार पर चुना गया है। 2030 तक ई-कॉमर्स मार्केट 240 से 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो इन नौ सेक्टरों की कुल कमाई का 40 फीसदी होगा। एआई टूल्स को अपनाने से यह सेक्टर 5 से 8 गुना और क्लाउड सर्विसेज 4 से 5 गुना बढ़ सकते हैं।

यूपी से बिहार तक बदले पेट्रोल और डीजल के भाव

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 67.13 डॉलर प्रति बैरल

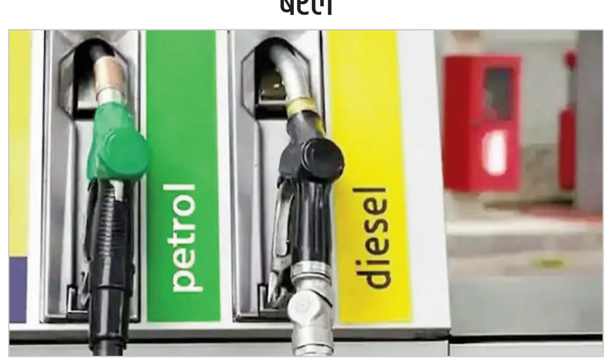

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चे चे तेल की बढ़ी कीमतों की वजह से देशभर में तेल की खुदरा कीमतों पर इसका असर दिख रहा है। क्रूड एक समय गिरकर 65 डॉलर तक चला गया था, जो फिर 70 की तरफ बढ़ रहा है। हालांकि, दिल्ले ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में इसका असर नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 9 पैसे चढ़ा और 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे गिरकर 94.44 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 1.09 पैसे नीचे आकर 87.51 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 18 पैसे गिरावट के साथ 105.23 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 17 पैसे गिरकर 91.49 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे चे तेल की कीमतों में भी तेजी दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 67.13 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्े ले यूटीआई का भाव भी बढ़त के साथ 64.71 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

लग्जरी बिजनेस क्लास एडिशन में बदला टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस को

नई दिल्ली।

टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस को ऑटोराउंडर्स कंपनी ने एक लग्जरी बिजनेस क्लास एडिशन में तब्दील कर दिया है। कंपनी ने न केवल इस एमपीवी के इंटीरियर को पूरी तरह से नया रूप दिया है, बल्कि इसके एक्सटीरियर में भी कई बदलाव किए हैं। इस वजह से यह गाड़ी अब आम एमपीवी न लगकर किसी हाई-एंड लग्जरी कार जैसी दिखाई देती है। यह कस्टमाइजेशन इनोवा जैसे पारिवारिक वाहन को प्रीमियम लुक और फील देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। ऑटोराउंडर्स पहले भी बीएमडब्ल्यू, ऑडी, मर्सिडीज, पोर्श और बेंटले जैसी ब्रांड्स की कारों को कस्टमाइज कर चुकी है। इस बिजनेस क्लास एडिशन में स्टैंडर्ड सीट्स को हटा कर हाई-कम्फर्ट कैप्टन सीट्स लगाई गई हैं, जिनमें 150-डिग्री रिक्लाइनिंग, मसाजर, वेंटिलेशन, हीटिंग, काफ सपोर्ट, यूएसबी चार्जिंग और फोन होल्डर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इन सीटों को फर्स्ट-क्लास एयरलाइन सीट्स की तरह डिजाइन किया गया है। गाड़ी की छत पर रोल्स रॉयस से प्रेरित गैलेक्सी स्टार लाइट्स लगाई गई हैं जो इसे खास बनाती हैं। वहीं, स्काई रूफ, एंबिएंट लाइटिंग और कार्बन फाइबर फिनिश वाला स्टीयरिंग भी इस लक्जरी टच को और निखारता है। एक्सटीरियर में मेबैक-स्टाइल ग्रिल, नए प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स, कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट्स और कलर-कोटेड अलॉय व्हील्स जोड़े गए हैं। साथ ही गरवारे पीपीएफ कोटिंग से इसकी चमक और सुरक्षा दोनों बढ़ाई गई है। हालांकि इंजन, सस्पेंशन और ब्रेक में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है।

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः ह्लसोने की चिड़ियाह्व बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है।

हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (ङत्र्क्ष्) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था। प्राचीन काल में में भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अतः भारत का स्वर्णिम काल पुनः प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है।

संपादकीय

बेवजह का विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है। भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निमार्ताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए ह्यसमाजवादीह्न, ह्यधर्मनिरपेक्षह्न और ह्यअखंडताह्न शब्द जोड़े थे। उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए ह्यसमाजवादीह्न और ह्यधर्मनिरपेक्षह्न शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की ह्यमूल भावनाह्न को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोड़ने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा, वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़ सकते हैं।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु।

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

ललित गर्ग

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

2025 की थीम है 'मास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो।

वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्ज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है।

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भुत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

साइबर अपराध : डेटा लीक के खतरे अनंत

कुमार समीर

समय के साथ साइबर क्राइम करने वालों ने अपने तौर-तरीकों में भी बदलाव किया है। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि इससे कोई नहीं बच सकता। चाहे किसी ने चूक की हो या नहीं। इसकी पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन लोगों ने साइबर क्राइम पुलिस तक को नहीं छोड़ा है। इन लोगों का दुस्साहस देखें कि जूनागढ़ साइबर क्राइम पुलिस की ईमेल आईडी हैक कर बैंक में फ्रीज रकम को अनफ्रीज करने तक की कोशिश की गई। हालांकि इस धोखाधड़ी की योजना तब फेल हो गई जब ईमेल में विषय (सब्जेक्ट) वाला स्थान खाली मिला जिससे बैंक को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। गनीमत रही कि एक छोटी सी चूक के कारण अपराधी पकड़ में आ गया लेकिन ऐसे कई मामले हैं, जिनमें साइबर क्राइम करने वाले सफल रहे हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा का है। यहां फर्जी ईमेल आईडी के जरिए एक अस्पताल के कर्मचारी ने दिल्ली नगर निगम से कैशलेस इलाज के 74.90 लाख रु पये अस्पताल के अकाउंट में डलवाने की बजाय अपने अकाउंट में डलवा लिए। मामला साइबर क्राइम पुलिस के पास है, और वह इसकी जांच कर रही है। ये दो मामले तो बानगी हैं, लेकिन अगर करोड़ों अकाउंट्स के पासवर्ड चोरी कर लिया जाए तो फिर क्या स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाने भर से सिहरन पैदा होने लगेगी कि कहीं हमारे अकाउंट्स का पासवर्ड भी चोरी न हो गया हो। जी हां, इस तरह का एक बड़े डेटा लीक का नया मामला सामने आया है। इसमें लगभग 1600 करोड़ पासवर्ड के लीक होने की बात है, और इसने इसे इतिहास के सबसे बड़े डेटा लीक में से एक बना दिया है। साइबर न्यूज और फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लीक की वजह से लाखों यूजर्स का पर्सनल डेटा अब रिस्क पर है। इन पासवड्र्स की मदद से साइबर अपराधी यूजर्स की निजी जानकारी, फोटो, वीडियो और दूसरी जानकारी चुरा सकते हैं यानी फिशिंग स्कैम, डेटा चोरी और अकाउंट्स हैकिंग का खतरा हो सकता है। इस डेटा की मदद से साइबर अपराध के जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। रिसर्चर्स ने इस डेटाबेस को खंगाला है, और इसके 30 डेटासेट की जांच की है। उन्हें करीब 350 करोड़ रिकार्ड मिले हैं, जिनमें कॉरपोरेट और डवलपर प्लेटफार्म, वीपीएन लॉगिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर्स के क्रेडेंशियल शामिल हैं। यह डेटा 2025 की शुरूआत से लेकर आज तक का है। रिसर्चर्स का दावा है कि ऑनलाइन लीक हुआ यह डेटा साधारण नहीं है। सिक्योरिटी रिसर्चर्स का भी कहना है कि यह इंटरनेट पर पड़ा पुराना डेटा नहीं है। ज्यादातर डेटा नया है जिन्हें..मैलवेयर के जरिए इकठ्ठा किया गया है। यह मैलवेयर प्रोग्राम लोगों का डेटा चुपके से चुराता है। चोरी के इस डेटा में यूजरनेम और पासवर्ड होते हैं, जिन्हें मैलवेयर यूजर्स के फोन से चुराकर हैकर को भेजता है। हैकर्स इस डेटा का सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर इन्हें डार्क वेब फोरम पर बेच सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो लीक हुए डेटा में यूजर्स की डिटेल्स इनफार्मेशन हैं, जो अलग-अलग सर्विसेस के लिए हैं। इनमें यूजर्स के ईमेल से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, गूगल और टेलीग्राम तक की डिटेल्स हैं। यहां तक कि इनमें..पर डवलपर्स की अकाउंट्स डिटेल्स और कुछ सरकारी पोर्टल्स की भी जानकारी है। ज्यादातर जानकारी को एक फॉर्मेट में आगेर्नाइज किया गया है, जिसमें वेबसाइट लिंक, इसके बाद यूजरनेम और पासवर्ड लिखा है। इसकी वजह से साइबर अटैकर्स के लिए इनका इस्तेमाल आसान हो जाता है। एक्सपट्र्स इस लीक को ग्लोबल साइबर क्राइम का

ब्ल्यूप्रिंट बता रहे हैं। इसे देखते हुए ही गूगल ने अपने यूजर्स को सलाह तक दे डाली है। गूगल ने अपने यूजर्स को 2-फैक्टर आर्थेंटिकेशन..एक्टिव करने की सलाह दी है। साथ ही, उसने अपने यूजर्स को पासवड्र्स अपडेट करने को भी कहा है। गूगल का यूजर्स को यह भी कहना है कि उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की बेहतर सुरक्षा के लिए ..फीचर का यूज करना चाहिए। पासकी से लॉगइन के लिए बायोमेट्रिक आर्थेंटिकेशन की जरूरत होती है, जिससे यह डबल सेफ्टी प्रदान करता है यानी आपको तुरंत ही अपना पासवर्ड बदल देना चाहिए। इसके अलावा अपने अकाउंट्स के लिए टू फेक्टर आर्थेंटिकेशन भी ऑन कर लें और पासवर्ड मैसेज का इस्तेमाल भी करें।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ के प्रत्यक्षदर्शियों ने भयावह स्थिति का आंखों देखा हाल बताया है। उन्होंने बताया कि एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट था, और एग्जिट गेट बंद करके वहीं से वीआईपी एंट्री कराई गई थी, जिससे आम भक्तों के लिए कोई अलग रास्ता नहीं था। इस बीच पुलिस भीड़ को संभालने में नाकाम रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रथ के सामने पूजा सामग्री से लदे दो ट्रक घुस आए, इससे कई भक्त उससे टकराकर गिर पड़े और भगदड़ मच गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के वक्त मौके पर कोई पुलिसकर्मी नहीं था और एंबुलेंस एक किलोमीटर दूर खड़ी थी, जिससे घायलों को लोग हाथों पर उठाकर ले गए। एक मृतका के पति ने प्रशासन की लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि उनकी पत्नी पानी मांगती रही लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। यह हादसा गुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह 4:20 बजे हुआ, जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हुए। जगन्नाथ जी का रथ बाद में पहुंचने से दर्शन की होड़ लग गई, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई। पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं।

शेफाली जरीवाला डेथ केस : पीएम रिपोर्ट में बीपी गिरने और हार्ट अटैक बताया मौत का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री शेफाली जरीवाला डेथ केस में नया खुलासा हुआ है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का वास्तविक कारण सामने आ गया है। पीएम में ब्लड प्रेशर का तेजी से गिरना और हार्ट अटैक आना मौत की वजह बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि 27 जून को यानी जिस रात शेफाली जरीवाला की मौत हुई थी, उस दिन उनके घर में पूजा थी और वो पूरे दिन व्रत पर थी। बता दें, 27 की रात जब शेफाली की तबीयत अचानक से बिगड़ी तो उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत्य घोषित किया गया था। घटना के वक्त घर पर शेफाली के पति पराग त्यागी, मां और कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। फॉरेंसिक टीम ने उनके घर से अलग-अलग तरह की दवाएं जब्त की हैं, जिनमें एंटी-एजिंग वायल्स, विटामिन सप्लीमेंट्स और गैस्ट्रिक से संबंधित गोलियां शामिल हैं। वहीं, दूसरी ओर पुलिस लगातार शेफाली जरीवाला देथ केस की जांच में जुटी हुई है। अब तक पुलिस ने इस मामले में 8 लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें परिवार के सदस्य, घरेलू नौकर और बेलेव्यू अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं। जांच के दौरान किसी प्रकार के विवाद या झगड़े के कोई संकेत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो पूरे दिन जब व्रत में रहने के बाद जब शेफाली रात में खाना खाने गईं, तभी वह बेहोश होकर गिर गई थीं। इसके अलावा यह भी बताया जा रहा है कि उस रात भी शेफाली ने एंटी एजिंग का इंजेक्शन भी लिया था। शेफाली को यह मेडिसिन सालों पहले एक डॉक्टर की सलाह पर दी गई थीं, और तब से वह हर महीने यह ट्रीटमेंट लेती आ रही थीं।

भारतीय नौसेना के जवानों ने संकट में फंसे जहाज पर तुरंत कार्रवाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तबर को एमटी यी चेंग 6 नामक जहाज से संकट की सूचना मिली, इसके बाद जहाज ने तुरंत कार्रवाई कर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। 13 भारतीय नौसैनिक और 5 चालक दल के सदस्य वर्तमान में आग बुझाने के काम कर रहे हैं। पुलाऊ ध्वज वाला एमटी यी चेंग 6 गुजरात के कांडला से ओमान के शिनस जा रहा था। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि ओमान की खाड़ी में तैनात भारतीय नौसेना के स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर ने 29 जून को एमटी यी चेंग 6 से एक संकट कॉल का जवाब दिया। भारत से शिनस, ओमान जा रहा था, इंजन रूम में एक बड़ी आग लग गई और जहाज पर पूरी तरह से बिजली गुल हो गई। आईएनएस तबर से अग्निशमन दल और उपकरणों को जहाज की नाव और हेलीकॉप्टर द्वारा जहाज पर स्थानांतरित किया गया। 13 भारतीय नौसैनिक और 05 चालक दल के सदस्य वर्तमान में आग बुझाने के काम में लगे हुए हैं, जिससे जहाज पर लगी आग की तीव्रता में काफी कमी आई है।

ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय वायुसेना के मुरीद हुए दो देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की ताकत और युद्ध लड़ने की क्षमता पर दो देशों ने बड़ा बयान आया है। थाईलैंड और ग्रीस ने भारतीय सेना के शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। थाईलैंड की वायु सेना ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को आधुनिक युद्ध का मास्टरक्लास बताया है। रॉयल थाई फोर्स ने आधिकारिक बयान में कहा है कि भारतीय वायुसेना ने कैसे एक साथ नौ आतंकी ठिकानों और पाकिस्तान के 11 एयरबेस को गहराई में जाकर तबाह किया और वहां बिना एक भी पायलट को नुकसान पहुंचे। थाईलैंड ने माना कि भारत ने मल्टीलेयर एयर डिफेंस, साइबर ऑपरेशन और डीप स्ट्राइक रणनीति का ऐसा संगम दिखाया है, जो दुनिया में विरले ही देखने को मिलता है।

वहीं, ग्रीस ने कहा है कि उसके देश को भारत से आधुनिक युद्ध की कला सीखने की जरूरत है, खासकर तुर्की जैसे विस्तारवादी देश के खतरे को देखते हुए। ग्रीस की सेना को भारतीस सेना से बहुत कुछ सीखने की जरुरत है। तुर्किए ग्रीस के कई आईलैंड पर अपना दावा ठोकता है। तुर्किए ने साइप्रस के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है। ऐसे में पूरी दुनिया में स्थिति चल रही है कि तुर्किए ग्रीस पर हमाल भी कर दे। इस अखबार ने कहा है कि तुर्किए ग्रीस पर हमला करने के लिए पाकिस्तान की मदद ले सकता है।

विपक्ष संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से नहीं आ पा रहा बाहर: सुधांशु

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली के बीजेपी कार्यालय में बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 साल पूरे किए हैं, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान। यह साफ है कि 50 साल बाद भी इंडी गठबंधन संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की पुरानी आदत से बाहर नहीं आ पाया है।

उन्होंने कहा कि वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। सुधांशु ने वक्फ का जिक्र करते हुए कहा कि मैं यह बताना चाहता हूं कि कुरआन में 'वक्फ' जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मौलवियों का बनाया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना और देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना और फिर भी, आप कहते हैं, ÷संग्रह करो÷? यह बाबा साहेब के संविधान का मजाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है, इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज से मौलवियों की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश है। यह चंद मुस्लिमों के साथ खड़े हैं, जो पैसों की ताकत रखते हैं। यह गरीब मुस्लिमों के साथ नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि अगर वे कभी सत्ता में आए तो यह संभव नहीं है, लेकिन वे बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू करेंगे। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। याद रखें भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं, वो भी 1985 में और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज्यादा की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। वे पिछड़े, वांछित, का आरक्षण भी यह खत्म करना चाहते हैं।

उन्होंने जामिया और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एससी/एसटी और ओबीसी आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया। सुधांशु ने कहा कि 2012 और 2014 में माइनॉरिटी संस्थाओं को दर्जा दिया गया। तेलंगाना और कर्नाटक में मुस्लिम को ओबीसी में शामिल किया गया। बंगाल में भी यही हो रहा है। तर्क यह दिया गया कि यह मुस्लिम पहले ओबीसी हिंदू समुदाय से थे और बाद में यह कन्वर्ट हुए, इसलिए इन्हें ओबीसी में डाला गया। इंडी गठबंधन के सपनों को हम साकार नहीं होने देंगे। देश का विधान बाबा साहेब के संविधान से चलेगा।

देवेंद्र फडणवीस पर हमलावर संजय राउत, झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा तीन-भाषा नीति पर माशेलकर समिति की रिपोर्ट स्वीकार करने के झूठे दावा करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। सांसद राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देकर कहा कि अगर ठाकरे ने माशेलकर समिति की रिपोर्ट पेश की थी, तब उस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। ठाकरे गुट के नेता राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। ये लोग महाराष्ट्र में इसी नीति के तहत काम कर रहे हैं। अगर उद्धव ठाकरे ने माशेलकर समिति पर कोई रिपोर्ट पेश की है, तब उस रिपोर्ट को फडणवीस सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए। एक समिति की रिपोर्ट जारी की गई है और कैबिनेट में रखी गई है। क्या इस पर चर्चा नहीं हो सकती? आपने कैबिनेट के साथ जबरदस्ती हिंदी पर चर्चा की, आपने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह एक राष्ट्रीय नीति है। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि देवेंद्र फडणवीस तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं, क्या उन्हें इतना भी ज्ञान नहीं है? इसके पहले 29 जून को, विपक्ष की भारी आलोचना का सामना करने और राज्य के लोगों पर 'हिंदू भाषा थोपने' के आरोप के बाद महाराष्ट्र सरकार ने तीन-भाषा नीति के कार्यान्वयन पर दो आदेशों को रद्द किया था। महाराष्ट्र सरकार के एक प्रेस नोट के अनुसार, 24 जून को मुख्यमंत्री फड़णवीस ने तीन-भाषा फॉर्मूले पर घोषणा कर आरोप लगाया था कि यह पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे थे जिन्होंने कक्षा 1 से 12 तक तीन-भाषा नीति शुरू करने के लिए डॉ रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था और इसके कार्यान्वयन के लिए एक पैनल भी गठित किया था।

कांग्रेस सांसद सोवियत रुस के एजेंट के तौर पर करते थे काम, मिलती थी फंडिंग

-बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

गोड्डा (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के दिवंगत नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस से फंडिंग करते थे और उसके ऐजेंट के तौर पर काम करते थे। सांसद ने ये आरोप यूएस एजेंसी सीआईए द्वारा 2011 में जारी दस्तावेज के आधार पर लगाए हैं।

दुबे ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार और गुलामी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता दिवंगत एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस के पैसे पर पलते थे और रूस के लिए दलाली करते थे। दुबे ने पत्रकारों के समूह पर एजेंट के तौर पर काम करने की बात भी पोस्ट में लिखी। पत्रकारों के समूह उनके दलाल थे और कुल 16 हज़ार न्यूज़ आर्टिकलों का ज़िक्र है जो रुस ने छपवाए।

नेताओं की फंडिंग और पत्रकारों की दलाली के अलावा रूसी लोगों के हिन्दुस्तान में रहने के भी आरोप लगाए हैं। दुबे ने आगे लिखा कि उस जमाने में रुस के जासूसी संस्थानों के 1100 लोग हिंदुस्तान में थे जो नौकरशाही, व्यापारी संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों, ओपिनियन मेकर को अपनी जेब में रखते थे और सूचना के साथ भारत की नीति बनाते थे। दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने लोकसभा चुनाव में उस वक़्त 5 लाख रुपए लिए थे। जर्मन सरकार से चुनाव के नाम पर। हारने के बाद इंडो जर्मन फोरम की अध्यक्ष बनीं। दुबे सवालिया अंजाद में लिखा- यह देश था या गुलामों, दलालों या बिचौलियों की कठपुतली। कांग्रेस इसका जवाब दे?

सिंधु जल संधि को स्थगित करने से क्या लाभ, शिवराज, पाटिल और भूपेंद्र यादव जनता को बताएंगे

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में व्यापक जनसंपर्क अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार अपने वरिष्ठ मंत्रियों को जनता के बीच भेजेगी, ताकि वे लोगों को समझा सकें कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला कितना फायदेमंद है। सूत्रों के अनुसार, जनता को समझाया जाएगा कि इस संधि को क्यों स्थगित किया और इससे भारत को कैसे और कितना फायदा होगा।

खासकर उत्तर भारत के उन राज्यों में सांसदों को पहुंचाया जाएगा, जहां भविष्य में नदियों के पानी के इस्तेमाल की ज्यादा संभावना है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव जैसे वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों को जिम्मेदारी मिली है।

भारत सिंधु नदी के पानी का अपने लिए बेहतर इस्तेमाल करेगा और इसके लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम कियास जा रहा है। इसमें 160 किलोमीटर नहर बनाना शामिल है, ताकि चिनाब को रावी, ब्यास और सतलुज नदी तंत्र से जोड़ा जा सके। सिंधु नदी के पानी को अन्य नदियों और नहरों से जोड़ने के लिए योजना के तहत करीब 13 किलोमीटर की टनल भी बनेगी। मोदी सरकार की योजना सिंधु जल को राजस्थान के श्रीगंगानगर से जोड़ने की है और इस तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे इन क्षेत्रों में जल की उपलब्धता बढ़ेगी और सिंचाई तथा बिजली उत्पादन में भी मदद मिलेगी।

सिंधु जल को श्रीगंगानगर से जोड़ने की योजना

मोदी सरकार की योजना पानी जम्मू-कश्मीर से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान तक ले जाने की है। सरकार की योजना सिंधु जल को श्रीगंगानगर से जोड़ने की है और तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की मौजूदा 13 नहर व्यवस्थाओं को जोड़ा जाएगा।

इससे न केवल इन क्षेत्रों में जल की उपलब्धता बढ़ जाएगी बल्कि भारत सरप्लस पानी का इस्तेमाल भी अपने लिए कर सकता है। साथ ही सिंचाई और बिजली उत्पादन में भी बड़ी मदद मिलेगी। मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्री उन सभी इलाकों में लोगों से संपर्क करने वाले हैं, जिन्हें भविष्य में इस पानी का फायदा मिलने वाला है और बताएंगे कि मोदी सरकार के इस फैसले से उन्हें आने वाले सालों में पानी की कमी नहीं होगी। इसके लिए पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलेगा।

भाजपा देश का संविधान बदलना चाहती है : कन्हैया कुमार

पटना । कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पटना में वक्फ कानून के विरोध में आयोजित की गई रैली को लेकर कहा कि यह प्रदर्शन हर उस नागरिक का है जो देश के संविधान पर विश्वास रखता है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कन्हैया कुमार ने भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के संविधान को बदलना चाह रही है। इसी कड़ी में वक्फ कानून लाया गया है। यह कानून देखने में भले लग रहा हो, यह एक समुदाय का मामला है, लेकिन सही में यह मामला देश के सभी नागरिकों का मामला है। यही कारण है कि कांग्रेस वक्फ कानून का विरोध संसद से लेकर सड़क तक कर रही है। इस मामले को लेकर आगे भी जो संघर्ष होगा, इसमें पार्टी पूरी मुस्तैदी के साथ रहेगी। इधर, चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि पहले आयोग यह मान ही नहीं रही थी कि कोई गड़बड़ी भी है। चुनाव आयोग इससे इंकार करता रहा है, लेकिन अब तो यह स्वीकार कर लिया कि गड़बड़ी है। गड़बड़ी के भी दो पहलू हैं। पहला पहलू है कि जो भाजपा समर्थक वोटर हैं, उनका नाम जोड़ा जाता है और जो भाजपा विरोधी मतदाता हैं, उनका नाम हटाया जाता है।

3 जुलाई से शुरु हो रही अमरनाथ यात्रा, यात्रियों की सुरक्षा के लिए बनाई चौकियां

-तीर्थयात्रियों की जांच व सम्मानजनक व्यवहार के बीच संतुलन बनाने के निर्देश

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां चल रही हैं। सुरक्षा बल और प्रशासन तीर्थयात्रा से पहले निरीक्षण और ट्रायल रन कर रहे हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी। ऑनलाइन विंडो से चूकने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण जम्मू के विशेष केंद्रों पर शुरू हो गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

जम्मू के बेस कैंप यात्री निवास में रसद और प्रतिक्रिया प्रणालियों का परीक्षण करने के लिए बसों को पूरी सुरक्षा के साथ भेजा गया है। तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को 2 जुलाई को औपचारिक रूप से जम्मू से रवाना किया जाएगा। तीर्थयात्रा से पहले सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन की सुरक्षा और तैयारी सुनिश्चित की जा रही हैं। सुरक्षा इकाइयों की तत्परता और समन्वय का परीक्षण करने के लिए अभ्यास के दौरान बसों को पूर्ण सुरक्षा कवर के तहत भेजा गया। इस अभ्यास में भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसे आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरण किया गया, जिसमें फंसे हुए तीर्थयात्रियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया, निकासी और चिकित्सा सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सिमुलेशन में फंसे हुए वाहनों को बचाना, घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करना और आपदा प्रतिक्रिया और सुरक्षा टीमों द्वारा एकीकृत प्रयासों के माध्यम से त्वरित राहत का समन्वय करना शामिल था।

हाल ही में सुरक्षा संबंधी धमकियों के बावजूद श्रद्धालुओं का जोश कम नहीं है। एक तीर्थयात्री ने कहा कि मुझे अमरनाथ पर भरोसा है। आतंकवादी कुछ भी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। मैं लोगों से जम्मू-कश्मीर आने और यह दिखाने का आग्रह करता हूं कि हम डरे हुए नहीं हैं। जम्मू पुलिस ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए जांच चौकियां बनाई हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर जम्मू पुलिस ने जिले भर में रणनीतिक रूप से अहम कई स्थानों पर संयुक्त जांच चौकी स्थापित करके सुरक्षा व्यवस्था को काफी मजबूत कर दिया है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा को निर्बाध और सुरक्षित बनाने के लिए अर्द्धसैनिक बलों के साथ समन्वय में जांच चौकी स्थापित की गई हैं। ये चौकियां राष्ट्रीय राजमार्गों, जम्मू के आसपास और भगवती नगर आधार शिविर की ओर जाने वाले मार्गों सहित संवेदनशील और अत्यधिक व्यस्त आवाजाही वाले क्षेत्रों में 24 घंटे चालू रहेंगी। प्रवक्ता ने बताया कि सतर्कता और लोगों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जांच चौकियों की निगरानी कर रहे हैं।

अखिलेश ने बिना नाम लिए धीरेंद्र शास्त्री पर बोला हमला, करोड़ों में कथा सुनाते हैं और अंडर टेबल भारी भरकम रकम लेते

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में कथावाचकों के साथ कथित रूप से जातिगत हमले की घटना ने यूपी का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर योगी सरकार को घेरकर प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर भी तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'कथावाचक करोड़ों में कथा सुनाते हैं और अंडर टेबल भारी भरकम रकम लेते हैं।'

अखिलेश ने कहा कि धर्म को धंधा बना दिया गया है। एक व्यक्ति 50 लाख रुपये लेता है कथा के लिए। क्या किसी सामान्य व्यक्ति की इतनी हैसियत है कि वह बाबा को बुला सके?' उन्होंने सीधे-सीधे पं. धीरेंद्र शास्त्री का नाम लिए बिना उन्हें कटघरे में खड़ा किया। अखिलेश ने सवाल किया कि 'आप खुद पता करिए, वे पैसे लेते हैं या नहीं, और उनकी कथा की कीमत क्या होती है?'

सपा प्रमुख ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि कुछ वर्ग कथा क्षेत्र पर वर्चस्व बनाए रखना चाहते हैं। जो कथा कहने को व्यवसाय बना बैठे हैं, वहीं पिछड़े-दलितों को इसमें आने से रोकते हैं। हालांकि धीरेंद्र शास्त्री ने सीधे अखिलेश यादव के आरोपों पर अब तक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन इटावा घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कथा किसी जाति की बपौती नहीं है। अगर किसी ने कानून तोड़ा है, तब उस सजा कानून देगा, न कि भीड़। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से अपील की कि 'धार्मिक मामलों को राजनीति का रंग न दिया जाए।' वहीं अखिलेश और धीरेंद्र शास्त्री समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर अब नए सिरे से बहस छिड़ गई है। जहां एक पक्ष बाबा पर कथावाचन को लेकर 'धंधा' चलाने का आरोप लगा रहा है, वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि 'धर्म प्रचारक पर राजनीति के लिए हमला हो रहा है।'

कमजोर हो रहा ममता का पार्टी पर नियंत्रण, बनर्जी और महुआ के बयान कर रहे इशारा

-सांसद कल्याण ने आरपियों को बचाने का आरोप लगाया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में लॉ कॉलेज में गैंगरेप की घटना से ममता सरकार की खासी किरकिरी हो रही है। वहीं, अब इस मामले में ममता की पार्टी के नेता आपस में ही भिड़े हुए हैं। टीएमसी के कुछ नेता पार्टी लाइन अलग बयान दे रहे हैं। वहीं, कुछ नेताओं ने पूरे मामले में दूरी बनाए रखी है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। जहां पार्टी विधायक मदन मित्रा और सांसद कल्याण बनर्जी पार्टी के बयान पर ही सवाल उठे हैं। वहीं, महिला सांसद महुआ मोइत्रा ने इस पूरे प्रकरण में आग में घी डाल दिया। महुआ ने बेतुका बयान देने के लिए कल्याण और मित्रा को निशाने पर ले लिया। इसके बाद कल्याण ने महुआ को घर तोड़ने वाली तक बता डाला।

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस ने विधायक मित्रा को उनके विवादास्पद बयान के लिए कारण बताओ नोटिस दिया है। टीएमसी ने विधायक मित्रा को नोटिस देकर कहा है कि वह तीन दिनों के अंदर जवाब दें। वहीं, टीमएसी के सांसद कल्याण बनर्जी भी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ जाते नजर आए। कल्याण बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वह टीएमसी द्वारा जारी बयान से पूरी तरह से असहमत हैं।

बनर्जी ने लिखा कि क्या पार्टी अपराधियों को समर्थन देने वाले नेताओं का बचाव कर रही है? उन्होंने लिखा कि केवल बयान जारी करने से कुछ नहीं होगा। पार्टी को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। इस बीच महुआ मोइत्रा का बयान आया कि टीएमसी महिला विरोधियों को बख्शती नहीं है। इस बयान पर सांसद बनर्जी इस कदर भड़के उठे कि उन्होंने महुआ पर निजी टिप्पणियां तक कर डालीं।

वहीं, पूरे मामले को लेकर भाजपा ममता सरकार पर हमलावर है। बंगाल में भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को रेप की घटना के विरोध में पुलिस ने गिरफ्तार किया। बीजेपी नेता मजूमदार ने कहा कि टीएमसी छात्र यूनियन के नेता कॉलेज में एडमिशन लेने आने वाली छात्राओं का गलत फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि एक प्रोफेसर के तौर पर मैं यह भली-भांति जानता हूं। इस दौरान सीपीआई-एम के राज्यसभा सांसद, सीपीआई-एम समर्थक, कांग्रेस और भाजपा ने शहर भर में रैलियां निकालीं। इन लोगों ने न्याय के लिए आवाज उठाई।

फेशियल से चेहरे की मालिश हो जाती है, इससे रक्त का प्रवाह ठीक होता है। साथ ही चेहरे पर इकट्ठा होने वाली मृत कोशिकाएँ भी फेशियल की प्रक्रिया में हट जाती हैं। इससे चेहरे पर जल्दी झुर्रियाँ नहीं आतीं व भीतर से दमकती त्वचा की परत ऊपर दिखाई देती है।

बार-बार फेशियल करना नुकसानदेह

फेशियल से चेहरा चमकाने का प्रचलन आजकल सिर्फ विशिष्ट वर्ग की महिलाओं में ही नहीं रहा है, आम मध्यमवर्गीय महिला भी अब 'फेशियल' की प्रक्रिया से सुपरिचित है। पड़ोस के ब्यूटी पार्लर में जाकर ही सही आजकल अधिकांश महिलाएँ फेशियल करवाती हैं। निश्चित ही चेहरे के प्रति इस जागरूकता का उन्हें फायदा मिलता है।

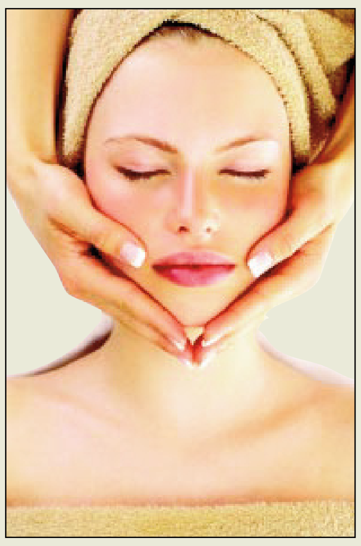

फेशियल से चेहरे की मालिश हो जाती है, इससे रक्त का प्रवाह ठीक होता है। साथ ही चेहरे पर इकट्ठा होने वाली मृत कोशिकाएँ भी फेशियल की प्रक्रिया में हट जाती हैं। इससे चेहरे पर जल्दी झुर्रियाँ नहीं आतीं व भीतर से दमकती त्वचा की परत ऊपर दिखाई देती है।

कोई भी अच्छी चीज हो उसकी अति बुरी होती है। यही फेशियल के साथ भी होता है। कुछ महिलाओं को लगता है कि हर हफ्ते फेशियल करवाने से अथवा हर पार्टी से पहले फेशियल करवाने से फायदा होगा, तो ऐसा नहीं होता।

त्वचा के सेल टर्नओवर का साइकल 28 दिनों का होता है। उतने समय में ही मृत कोशिकाओं की परत चेहरे पर बनती है। अत: महीने में एक बार या बहुत जरूरी हो तो तीन हफ्ते में एक बार ही फेशियल करवाया जाना चाहिए।

उससे पहले फेशियल करवाने का कोई फायदा नहीं, बल्कि मृत त्वचा की ऊपरी परत न होने की वजह से असली स्किन को रगड़ खाने का डर रहता है। अत: फेशियल से चेहरा दमकाइए जरूर, पर जल्दी-जल्दी नहीं।

डैंड्रफ हो जाएगा छू-मंतर

डैंड्रफ के दूरगामी परिणाम सफेद बाल, बालों का कमजोर होना, सिर में खुजली की समस्या आदि होते हैं। कई बार अलग-अलग प्रकार के शैंपू इस्तेमाल करने के बावजूद भी इस समस्या का कोई स्थायी हल नहीं निकलता है और कुछ समय बाद डैंड्रफ फिर से हमारे सिर में कब्जा जमा लेती है।

हमारी प्रकृति ने हमें कई ऐसे पदार्थ प्रदान किए हैं, जिनके इफेक्ट तो बहुत हैं परंतु साइड इफेक्ट ना के बराबर हैं। आप भी आजमाएँ कुछ ऐसे ही नुस्खे और बनाएँ अपने बालों को घना, काला, चमकदार व डैंड्रफ फ्री।

- एक कप पानी में आधे नींबू का रस मिलाकर शैंपू करने के बाद इस घोल से सिर धोएँ। एक माह में दो बार प्रयोग करने से धीरे-धीरे डैंड्रफ समाप्त होने लगती है।
- रात्रि में नारियल के तेल में भी नींबू का रस मिलाकर सिर में मालिश करके सुबह बालों में शैंपू करने पर डैंड्रफ समाप्त होती है।
- ताजे नारियल के दूध को छानकर उससे सिर की मालिश करें तथा अगले दिन सिर धो लें।
- नारियल के तेल में यूकेलिप्टस के तेल की कुछ बूँदें मिलाकर सिर की मालिश करना चाहिए।
- नारियल के तेल को हल्का गर्म करके इसमें एक लहसुन की कली तथा एक चम्मच तिल का तेल मिलाकर कुछ देर रखें तथा फिर इस तेल से सिर की मालिश करें।

पहचानें बच्चे की प्रतिभा....

आपने कहीं-न-कहीं अवश्य ही यह सुना होगा- कि 'बच्चे को जन्मजात ही अमुक-अमुक हुनर ईश्वर के यहाँ से गिफ्ट मिला है, या यह प्रतिभा तो उसे ईश्वर ने जन्म के साथ ही दे दी है।' यह बात बहुत हद तक सच भी होती है क्योंकि हर बच्चे में कोई न कोई अच्छाई या यूँ कहे कि किसी एक कला को लेकर उसकी रुचि अवश्य होती है जो हमें दिखाई तो देती है, लेकिन समयाभाव के कारण हम बच्चों की उस प्रतिभा से रू-ब-रू नहीं हो पाते जिससे कि आपका बच्चा प्रतिभावान होते हुए भी अपनी प्रतिभा को खुलकर दिखाने में कामयाब नहीं हो पाता। इसके कई कारण भी हो सकते हैं।

- कई माँ-बाप ऐसे हैं जो जबरदस्ती अपने बच्चों पर उनकी बात थोपते हैं या उन्हें हर बार कुछ न कुछ कह कर अपनी बात मनवाने के लिए मजबूर करते हैं। इससे होता यह है कि आपका बच्चा प्रतिभावान होने के बाद भी जीवन में सही मायनों में कुछ भी नहीं कर पाता क्योंकि वह करना कुछ और चाहता है और आप उसे कहीं और ही धकेल देते हैं। ऐसे में बच्चे मायूस हो जाते हैं। और कुछ भी न कर पाने की क्षमता उनमें विकसित होती चली जाती है। फिर माँ-बाप हर किसी के सामने अपने बच्चों की कमियों और खामियों को कहते फिरते हैं जिससे बच्चों के मन में कुंठा घर कर लेती है और उस वजह से बच्चा मन ही मन कुढ़ता रहता है, तनावग्रस्त हो जाता है और कुछ भी नहीं कर पाता।
- दूसरी ओर कई माँ-बाप ऐसे होते हैं जो अपने बच्चों की बातों को ध्यान से सुनते हैं, उनका हौसला बढ़ाते हैं उनकी हर बात को तो नहीं लेकिन फिर भी कुछेक बातों को सुनकर-समझकर फैसला करते हैं जिससे बच्चों की रुचि बढ़ती ही चली जाती है और वे बच्चे बड़े होकर एक-न-एक दिन समाज में अपनी प्रतिभा का ऊँचा झंडा फहराते हैं और यह सब हो पाता है माता-पिता या घर के बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बढ़ाए गए उनके आत्मविश्वास से।
- अगर आप अपने बच्चों की प्रतिभा को सँवारने का प्रयास कर रहे हैं तो ऐसे में आप उनका हौसला बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें मुखर बनाने की भी कोशिश करें यह उनकी प्रतिभा को निखारने में बहुत सहायक होगा। मुखर बच्चे कहीं भी अपनी बात के प्रदर्शन से हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेने की क्षमता रखते हैं इससे निश्चित ही उनकी कला-प्रतिभा में अवश्य निखार आएगा।
- अपने बच्चों को बचपन से ही हर तरह की सामाजिक हो या स्कूली दिनों में होने वाली तमाम गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते रहें जिससे वह हर जगह बिना संकोच के अपनी प्रतिभा दिखाने में कामयाब हो सके। अगर बचपन से ही बच्चों में इसी प्रकार के गुणों को विकसित किया गया तो बड़े होकर वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में कामयाब जरूर होंगे।
- आपका बच्चा अगर जिद्दी, हठी है या फिर पढ़ाई में कमजोर भी है तो भी हर समय उसकी आलोचना न करें। उसके मन में कभी भी यह भाव न पैदा होने दें कि हे भगवान मुझे इस घर में जन्म ही क्यों दिया। बच्चों की बार-बार उपेक्षा करने के कारण बच्चे अपने आपसे आत्मग्लानि करने लगते हैं जिस वजह से उन्हें जरा-सा भी कुछ कहने पर वह कहने लगते है, हाँ! मैं तो ऐसा ही हूँ, और यही बात उनके सफलता में रोड़े अटकाने लगते हैं।
- घर में अगर एक से ज्यादा बच्चे हैं तो कभी भी एक बच्चे को ज्यादा तवज्जो न दें। उसकी हरेक बात न मानें इससे बाकी बच्चों के मन में उस बच्चे के प्रति ईर्ष्या की भावना निर्मित हो सकती है जो आपके बच्चे के प्रगति में घातक सिद्ध हो सकती है। ऐसे में सभी बच्चों के साथ एक समान व्यवहार करें और सभी की बातों को सुनने के बाद ही कोई फैसला करें। कोई भी गलती किसी एक पर न थोपें।

फलों की रबड़ी

सामग्री : एक लीटर दूध, 200 ग्राम शक्कर, 1 चुटकी केसर, 1 चम्मच इलायची पावडर, 300 ग्राम ताजे फल (कटे हुए केले, संतरा, अनार दाने, अंगूर, चीकू)।

विधि : कड़ाही में दूध डालकर उबलने के लिए रखें। जब वह उबलने लगे तो उसमें शक्कर डालें और तब तक चलाएँ जब तक कि गाढ़ा न हो जाए।

केसर को थोड़े-से दूध में घिसकर डाल दें और इलायची पावडर भी डालें। जब ठंडा हो जाए तो फल डाल दें। फिर ठंडा करके परोसें।

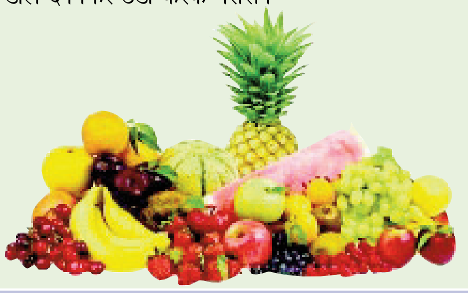

सौंदर्यवर्द्धक है दही

हमारे खान-पान में ऐसी कई चीजें शामिल हैं, जिनमें खूबसूरती और स्वास्थ्य का खजाना छिपा होता है। दही भी एक ऐसा ही खजाना है, जिसका उपयोग हर तरह से फायदेमंद है। आइए जानें दही के गुण-

- दही में नीबू का रस मिलाकर चेहरे, गर्दन व हाथ-पाँव में लगाएँ। 20 मिनट बाद धो लें, हाथ-पैर मुलायम होंगे व चेहरे पर चमक आएगी।
- बाल धोने से 1 घंटा पहले यदि बालों में दही लगाया जाए तो शैंपू के बाद कंडीशनर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।
- चौकर के साथ दही मिलाकर लगाने से ब्लैक हैडस कम होते हैं।
- दही में बेसन मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के पोर अच्छी तरह से साफ होते हैं।
- दही में शहद मिलाकर बालों पर लगाने से यह कंडीशनर का काम करता है।
- मुल्तानी मिट्टी के साथ दही अच्छे क्लीजिंग एजेंट का काम करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली -4098

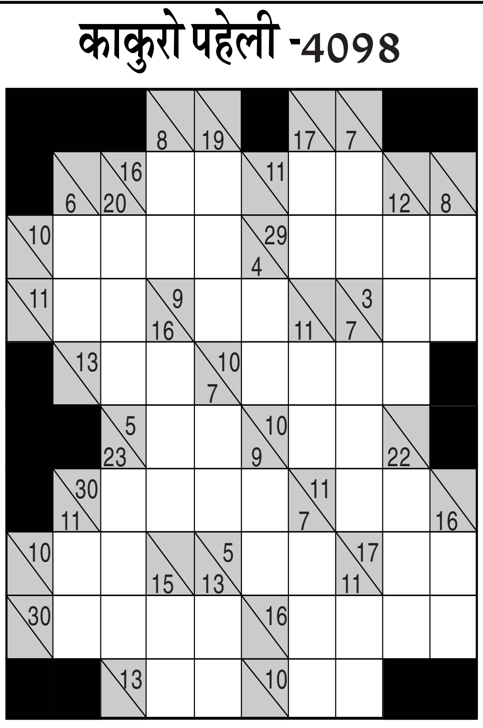

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

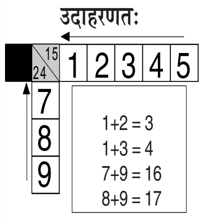

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -4097 का हल

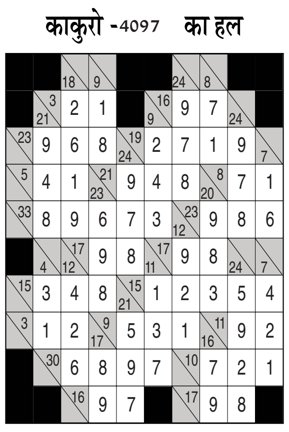

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा- ''नाखुश हो गए ?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला- ''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4098

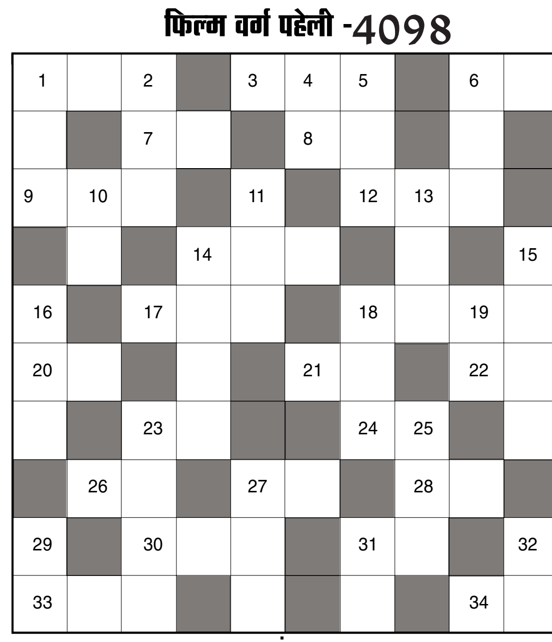

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली -4097

अ	न	मो	ल		फि	जा		य	श
भ		ह	व	स		न	र्गि	स	
य		ब्ब		नी	ल	म		बॉ	बी
	जी	तें	द्र		ड़ा		जीं	स	
घा	त			आ	ई	ना			मु
त		आ	वा	रा		रा	जा	जा	नी
क	री	ना		ध		ज			म
	ना		बे	ना	म		मौ		जी
हे		दा	ता		हि	रा	स	त	
मा	या		ब	ल	मा		म		माँ

सूडोकु 4098

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3228 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली -4098

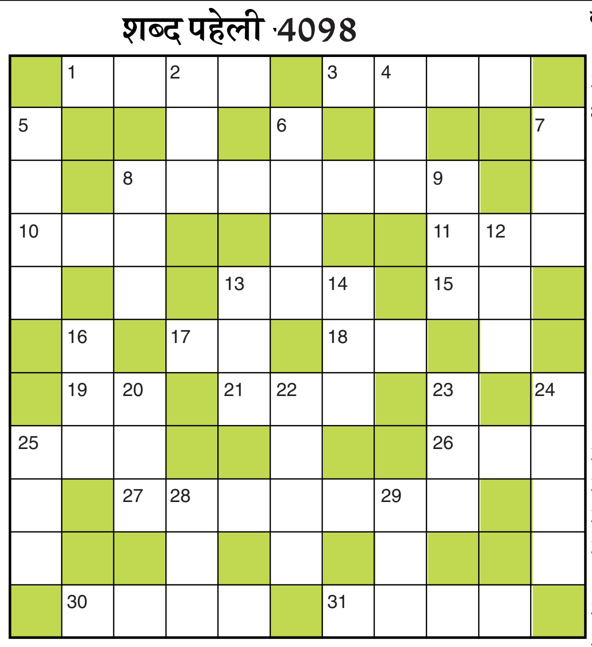

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3228 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

वक्फ और संविधान दोनों को बचना जरुरी : सलमान खुर्शीद

एजेंसी

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद पटना पहुंचे। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वक्फ और संविधान दोनों को बचना जरुरी है। हमारे देश की सांप्रदायिक सद्भावना और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए यह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वे आज वक्फ कानून के विरोध में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आए हैं। सलमान खुर्शीद ने बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। निश्चित तौर पर इसे गंभीरता से देखा जाना चाहिए, क्योंकि मतदाता सूची में अनियमितताएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि देश आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां हमें यह देखना जरूरी है कि हम कहां हैं और किस दिशा में जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि हम झगड़ते और लड़ते हुए पीछे हट रहे हैं। सलमान खुर्शीद ने कहा कि सभी वर्गों और समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि राजनीतिक दलों को एकजुट होकर देश के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए, ताकि भारत विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

मणिपुर में राजनीतिक अस्थिरता के बीच भाजपा विधायकों की अहम बैठक

इंफाल। मणिपुर में जारी लंबे राजनीतिक संकट के बीच भाजपा विधायकों ने देर शाम थंबल सांगलेन स्थित पार्टी मुख्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक का उद्देश्य एक स्थिर और जनसमर्थित सरकार के गठन की दिशा में ठोस रणनीति तैयार करना था। यह बैठक पार्टी के आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और राज्य में जनमत आधारित सरकार की बहाली के लिए भाजपा की राजनीतिक रूपरेखा तय करने के प्रयासों का हिस्सा रही। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के साथ-साथ करम श्याम, हीखम डिंगो, थौनाओजम श्यामकुमार, खोन्गबांताबाम इबोमचा, थोकचोम सत्यव्रत, कोंगखम रोबिन्द्रो, युम्नम खेमेंचंद, सपम रंजन, सनासम प्रेमचंद्र, युम्नम राधेश्याम जैसे वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इसके अलावा खुमुकचम जॉयकिशन, आरके इमो, सपम कुजाकेशोर (केबा), ख्वैराकपम रघुमणि, पाओनाम ब्रोजन, अशाब उद्दीन, थोंगब्राम रोबिन्द्रो और थ. बिश्वजीत भी बैठक में शामिल हुए, जिससे यह संकेत मिला कि पार्टी भीतर ही भीतर व्यापक सहमति बनाने की कोशिश कर रही है।

केरल में सरकारी अस्पतालों में उपकरण, डॉक्टर और दवा की है कमी : कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम। केरल में कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में सर्जिकल उपकरण, दवा, डॉक्टर और कर्मचारियों की कमी है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रति सरकार की उपेक्षा और उदासीनता को दर्शाता है। केरल कांग्रेस प्रदेश कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष सनी जोसेफ ने सरकार की उदासीनता पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता एक जुलाई को राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के सामने विरोध कार्यक्रम आयोजित करेंगे। सनी जोसेफ ने कहा कि एक जुलाई को सुबह 10 बजे जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के नेतृत्व में राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के सामने विरोध मार्च और धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

कथावाचकों पर अखिलेश के बयान से भड़का वाराणसी का संत समाज

वाराणसी । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा कथावाचकों को लेकर दिए गए बयान पर संत समाज में गहरा आक्रोश देखने को मिला है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती और जगतगुरु बालक देवाचार्य महाराज ने अखिलेश के बयान को सनातन धर्म के प्रति असम्मान और राजनीतिक हताशा का प्रतीक बताया है। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में अखिलेश यादव के बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राजनीति करने के लिए देश और प्रदेश में बहुत सारे मुद्दे हैं। विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी जैसे विषयों पर राजनीति हो सकती है, लेकिन जब कोई नेता धर्म और आस्था के क्षेत्र में घुसकर सनातन विरोधी और हिंदू द्रोही सोच के साथ बयानबाजी करता है, तो वह न केवल समाज की भावनाओं को आहत करता है, बल्कि स्वयं को राजनीतिक रूप से भी कमजोर कर लेता है।

उन्होंने कहा, अब आपने व्यक्तिगत रूप से संतों और कथावाचकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है, जो आपके अंदर की कुंठा को दिखाता है। यह साफ दर्शाता है कि जमीन पर आप कहीं नहीं टिक पा रहे हैं। इन कथावाचकों को आमजन स्वयं श्रद्धा से बुलाते हैं। जो धन उन्हें दिया जाता है वह उनकी भक्ति और भाव का प्रतीक होता है, न कि कोई सौदेबाजी।स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि एक 25 वर्षीय युवा कथावाचक ने अपनी कथा से मिले पैसे से एक कैंसर अस्पताल की नींव रखी है।

धर्मेंद्र प्रधान ने की कोलकाता के स्कूल में 'एफ4एस' कार्यक्रम की शुरुआत

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कोलकाता के फोर्ट विलियम स्थित पीएम-श्री केंद्रीय विद्यालय में 'फुटबॉल फॉर स्कूल्स' (एफ4एस) कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के सभी जिलों के 21 केंद्रीय विद्यालयों में एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। कोलकाता जिले के 349 स्कूलों को 2487 फीफा फुटबॉल वितरित किए गए। पूरे राज्य में कुल 88,113 फुटबॉल वितरित किए जाएंगे, जिससे करीब 15 से 16 लाख छात्रों को लाभ मिलेगा।

आयोजन में केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार, केंद्रीय पोत, जहाजरानी और जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, संयुक्त सचिव अर्चना शर्मा

अवस्थी, मंत्रालय के अधिकारी, गणमान्य अतिथि और वरिष्ठ खिलाड़ी भी उपस्थित रहे। इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं के खेल कप्तानों ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस पहल के तहत राज्य के विभिन्न स्कूलों में एक साथ फुटबॉल वितरित किया जा रहा है। पूरे देश में लगभग 10 लाख फुटबॉल वितरित किए जाएंगे, जिससे छात्रों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और स्कूल स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। एक छोटे से स्कूल में यदि एक फुटबॉल भी पहुंचता है तो वह बच्चों को खेल के प्रति प्रेरित कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी फुटबॉल मैच की भी शुरुआत की। डॉ. सुकांत मजूमदार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा मानती है। यह नीति विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है और फुटबॉल जैसे खेल बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में मदद करते हैं। शांतनु ठाकुर ने कहा कि इस प्रकार की पहल से बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने में मदद मिलेगी और उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा सकेगा।

अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू बेस कैंप में ट्रायल रन किया गया

एजेंसी

जम्मू। पवित्र अमरनाथ यात्रा के जम्मू आधार शिविर यात्री निवास (बेस कैंप) में आगामी तीर्थयात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए ट्रायल रन किया गया। इस दौरान बसों को अभूतपूर्व सुरक्षा के साथ रवाना किया गया। यह जानकारी जम्मू के डिप्टी कमिश्नर अचिन कुमार वैश्य ने दी। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में आने की अपील की है। वैश्य ने कहा आधार शिविर में समुचित व्यवस्था की गई है। 38 दिवसीय तीर्थयात्रा 03 जुलाई को बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी। अचिन वैश्य ने बताया कि आज सरस्वती धाम में टोकन वितरित किए जाएंगे।

इससे पहले सुरक्षा के मद्देनजर भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और जम्मू-कश्मीर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने संयुक्त मॉक भूस्खलन अभ्यास किया। यह अभ्यास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ समरोली, तोल्डी नाला में किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू में ऐतिहासिक मंडी राम मंदिर बम

बम भोले के नारों से गूंज रहा है। तीर्थयात्रा से पहले देश भर से साधु यहां पहुंच रहे हैं। यह लोग 12,700 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में आवास, भोजन, पानी और स्वच्छता की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

इंदौर डिजिपिन अपनाने वाला देश का पहला शहर, यहां हर घर का होगा डिजिटल पता

एजेंसी

इंदौर। देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने डिजिटलाइजेशन के दौर में एक और कदम आगे बढ़ाया है। स्वच्छता में लगातार सात बार परचम फहराने वाला यह शहर डिजिटल गवर्नेंस में भी नई मिसाल कायम करने जा रहा है। दरअसल, इंदौर में अब हर घर का जीपीएस आधारित यूनीक डिजिटल पता होगा। घरों के बाहर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। स्कैन करते ही मोबाइल पर प्रॉपर्टी की सभी जानकारी मिल जाएगी। लोग इससे पानी और प्रॉपर्टी का टैक्स भी भर सकेंगे। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहर के वार्ड 82 (जोन-14) सुदामा नगर से डिजिटल एड्रेस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की। साहित्यकार सदाशिव कौतुक के घर में पहली डिजिटल प्लेट लगाई गई। यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार के डिजिपिन प्लेटफॉर्म से जुड़ा है। इंदौर इसे अपनाने वाला देश का पहला शहर बनने जा रहा है। इस अवसर पर अश्विनी शुक्ल, अभिषेक बबलू शर्मा, निरंजन सिंह चौहान, मनीष शर्मा, शानू शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, निगम आयुक्त शिवम वर्मा जी सहित निगम

अधिकारियों-कर्मचारियों एवं स्थानीय रहवासियों की उपस्थिति रही। इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने नवाचारों को आत्मसात करते हुए डिजिटल क्रांति को अपनाकर डिजिटल सिटी बनने की ओर एक सार्थक कदम बढ़ाया है। डिजिटल सिटी को सार्थकता प्रदान करने के क्रम में आज वार्ड क्रमांक 82 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यूनिक क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पते की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से 20 से अधिक सेवाएं एक स्कैन के माध्यम से नागरिकों को प्राप्त होगी। इंदौर देश का पहला शहर है, जो डिजिपिन से जुड़ा है और जहां हर घर को एक यूनिट कोड प्रदान किया जाएगा।

महापौर भार्गव ने कहा कि क्लीन सिटी अब डिजिटल सिटी होगी। इंदौर के हर घर की अपनी एक डीपी होगी। जिस तरह हम सोशल मीडिया पर डीपी लगाते हैं, वैसे ही ये डिजिटल प्रोफाइलिंग का काम हर घर को एक यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का काम और उस डिजिटल पते के क्यूआर कोड स्कैनर से नगर निगम की सारी सुविधाएं मिलेंगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का सूरत में बड़ा बयान- 'गुजरात को समझने के लिए दूसरा जन्म लेना पड़ेगा'

एजेंसी

सूरत। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज सूरत दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने दक्षिण गुजरात के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। 'मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने सूरत के टेक्सटाइल और हीरा उद्योग से जुड़े प्रमुख उद्योगपतियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद और मशहूर 'डायमंड किंग' गोविंद ढोलकिया सहित हीरा, कपड़ा, सोलर जैसे विभिन्न उद्योगों के दिग्गज उद्योगपति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने संबोधन में उद्योगपतियों को 15,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश का निमंत्रण दिया और कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में मध्यप्रदेश ने उद्योग क्षेत्र में बड़े सकारात्मक बदलाव देखे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में सभी प्रकार के उद्योगों को क्लस्र (प्रायोरिटी गवर्नमेंट फंडिंग) का लाभ दिया जा रहा है और उद्योग स्थापना के लिए ज़मीन भी उपलब्ध करवाई जा रही है। हीरा और कपड़ा उद्योग पर उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा- पत्थर हमारा है, लेकिन अंगूठी में लगाते हैं सूरत वाले! उन्होंने आगे कहा, हजारों सालों से पन्ना की खदानों में हीरे

मिलते हैं, लेकिन उनका कटिंग और पॉलिशिंग सूरत में होता है। आज तक समझ नहीं आया ये कैसे होता है!

कपास के संबंध में भी उन्होंने सटीक टिप्पणी की कि कपास तो हम उगाते हैं, लेकिन रेडीमेड साड़ी तो सूरत से मंगानी पड़ती है। ये फर्क है। उन्होंने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में कपास उत्पादन भरपूर है, लेकिन रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। सरकार का अनुमान है कि इस पहल से मध्यप्रदेश में ?15,000 करोड़ से अधिक का निवेश होगा और 11,000 से ज्यादा रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। वेलस्पन ग्रुप के मालिक चिंतन ठाकरे ने भी बताया कि वे पिछले 13 वर्षों से मध्यप्रदेश में सोलर और वॉटर प्रोजेक्ट्स से जुड़े हैं और आगामी समय में 5,600 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। मुख्यमंत्री यादव की यह यात्रा एक स्पष्ट संदेश लेकर आई - निवेश करें, लाभ उठाएं और मध्यप्रदेश की औद्योगिक यात्रा में भागीदार बनें।

तेलंगाना में कांग्रेस का भरोसा खत्म, अब भाजपा की सरकार बनेगी : अमित शाह

एजेंसी

निजामाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निजामाबाद में एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहे हैं। राहुल गांधी पाकिस्तान की बातें सुन रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी गई थी। तेलंगाना में कांग्रेस पर जनता का भरोसा खत्म हो गया लेकिन राज्य में भ्रष्टाचार जारी है। उन्होंने दावा किया अब तेलंगाना में भी भाजपा की सरकार बनेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यहां राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड कार्यालय के उद्घाटन के बाद स्थानीय पॉलिटेक्निक मैदान पर आयोजित किसान सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने राज्य की कांग्रेस सरकार और राहुल गांधी पर प्रहार किये। उन्होंने कहा कि तेलंगाना कांग्रेस ने

राज्य की सरकार को दिल्ली के लिए एटीएम बना दिया है। तेलंगाना में भरोसा खत्म हो गया है, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधीऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहे हैं। वे देश की जनता की नहीं बल्कि पाकिस्तानियों की बातें सुन रहे हैं। नक्सलियों को चेतावनी देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य सिर्फ़ आतंकवाद का खात्मा नहीं है, बल्कि देश में नक्सलवाद को भी खत्म करना है। इसलिए नक्सलियों को तुरंत हिंसा का रास्ता छोड़कर हथियार डाल दें और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। हथियार छोड़ने वाले नक्सलियों का पुनर्वास कर उन्हें विकास से जोड़ा जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति स्पष्ट है कि नक्सलवाद खत्म होना चाहिए। शाह ने किसानों से सवाल किया कि नक्सलवाद समाप्त होना चाहिए या नहीं? आप खुद ही बताइए। शाह ने केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि 30 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। अभी तक दस हजार नक्सली आत्मसमर्पण कर सार्वजनिक जीवन की मुख्यधारा में वापस आ चुके हैं।

हेलिकॉप्टर क्रैश हादसे में मृत पायलट की मां की मौत

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ हेलिकॉप्टर क्रैश हादसे में मारे गए पायलट लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) राजवीर सिंह चौहान की मौत के सदमें से उनकी मां 58 वर्षीय विजयलक्ष्मी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। दो सप्ताह से भी कम समय में परिवार को दूसरा बड़ा जख्म मिला है, जिससे पूरा परिवार बेहाल हो गया है। पैतृक घाट पर गमगीन माहौल में उनकी अंत्येष्टि की गई। बीते 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरते समय आर्यन हेली एविएशन का हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क में क्रैश हो गया था। इस हादसे में हेलिकॉप्टर के पायलट राजवीर सिंह चौहान सहित सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसा इतना भयावह था कि मृतकों की शिनाख्त भी उनके द्वारा पहनी गई अंगूठी, चेन आदि से हुई थी। इधर, हादसे को अभी 13 ही दिन हुए थे कि मृतक पायलट राजवीर सिंह चौहान की 58 वर्षीय मां विजयलक्ष्मी चौहान पत्नी गोविंद सिंह चौहान की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

उनके बड़े पुत्र चन्द्रवीर सिंह चौहान ने बताया कि राजवीर की मौत के बाद से मां की तबीयत खराब होने लगी थी। वह, बार-बार उसे ही याद कर रोती रहती। बीते शनिवार की सुबह सभी घर पर ही थे। मां भी बातचीत कर रह थी, तभी उन्होंने सीने में दर्द होने की शिकायत हुई। उन्हें अस्पताल ले गए, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया पूरा परिवार दोहरे सदमें से बेहाल है। बताया जा रहा है कि सर्व समाज की ओर से लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) राजवीर सिंह चौहान के सम्मान में मां भारती के वीर सपूत कार्यक्रम आयोजित होना था।

बौद्ध मठों के जीर्णोद्धार को केंद्र सरकार का 'बुद्धिस्ट डेवलपमेंट प्लान': किरेन रिजिजू

एजेंसी

शिमला। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिलों के 5 दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में केलांग में 'मल निकासी योजना' की आधारशिला रखी और बौद्ध मठों के संरक्षण को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार शीघ्र ही 'बुद्धिस्ट डेवलपमेंट प्लान' के तहत देशभर के प्राचीन बौद्ध मठों और गोम्पाओं के जीर्णोद्धार के लिए सहायता प्रदान करेगी। योजना के तहत लाहौल-स्पीति, किन्नौर और अन्य बौद्ध बहुल क्षेत्रों के मठों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। देश में लाहौल-स्पीति जिला को अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा सबसे अधिक बजट प्रदान किया गया है, जो क्षेत्र की विशेषता और आवश्यकताओं को दर्शाता है।

केलांग में जनसभा को संबोधित करते हुए रिजिजू ने प्रधानमंत्री जनकल्याण योजना के तहत बनने वाली मल निकासी योजना को क्षेत्र के लिए

महत्वपूर्ण बताया। कहा कि इससे केलांग और बिलिंग गांव में स्वच्छता और जनस्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक सुधार आएगा। यह परियोजना केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है और लाहौल-स्पीति जैसे दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल है। जनजातीय जिलों का यह दौरा विशेष अनुभव रहा, जिसमें उन्हें लोगों से मिलने और उनकी समस्याओं को सीधे सुनने का अवसर मिला। अटल टनल को क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि अब लाहौल-स्पीति को आगे ले जाना केंद्र और राज्य सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। गृह मंत्रालय की वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत सीमावर्ती गांवों में सड़क, स्कूल, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि दूरदराज के गांव भी मुख्यधारा से जुड़ सकें। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर में भाग लिया और लाभार्थियों से बातचीत की। बताया कि निगम ने राज्य सरकार के साथ समझौता कर अल्पसंख्यकों को कम ब्याज दर पर ऋण मुहैया करवाकर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की योजना लागू की है। लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील भी की।

उत्तराखंड में मूसलधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलधार बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। अलकनंदा, भागीरथी, सरयू, गोमती समेत तमाम प्रमुख नदियां अपने चेतावनी स्तर के बेहद करीब पहुंच गई हैं। राज्य के कई जिलों में आपदा की स्थिति बनती नजर आ रही है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भागीरथी नदी का जलस्तर (तिलोथ पुल गेज) 1120.38 मीटर पर है, जबकि खतरे का स्तर 1123.00 मीटर है। अलकनंदा नदी 625.20 मीटर और मंदाकिनी नदी 624.15 मीटर के जलस्तर पर बह रही हैं, जो क्रमशः 626.00 मीटर और 625.00 मीटर के चेतावनी स्तर के बेहद करीब हैं। रुद्रप्रयाग के आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने

बताया कि नदी किनारे रहने वाले लोगों को लाउडस्पीकर के माध्यम से चेतावनी दी जा रही है और सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, कीर्तिनगर जैसे नदी किनारे बसे क्षेत्रों में भी लोगों को सतर्क किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के माध्यम से जिलों के लगातार संपर्क में हैं। देहरादून और पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से ऋषिकेश में पुलिस ने गंगा घाटों पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को नदी किनारों से दूर रहने का अलर्ट जारी किया है। ऋषिकेश के नटराज चौक पर लाउड हेलरों के जरिए चारधाम यात्रियों को मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी जा रही है। पुलिस टीमें सभी थाना क्षेत्रों में नदी-नालों के किनारे भ्रमण कर रही हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दे रही हैं। संवेदनशील स्थानों से लोगों को सुरक्षा के लिए हटाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने बासुकीनाथ में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

दुमका। विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थली बासुकीनाथ धाम में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत ने धर्मपत्नी के साथ पूजा अर्चना की। इस अवसर पर जस्टिस को पैतृक पंडा की मौजूदगी में विद्वान पंडितों की सानिध्य में वैदिक मंत्रोचार के बीच बाबा फौजदारीनाथ का जलाभिषेक कराया गया। पूरे विधि-विधान के साथ की गई बासुकीनाथ की पूजा के बाद माता पार्वती सहित समस्त देवी देवताओं

की आराधना की गई। इसके बाद मंदिर प्रांगण में पूरे भक्ति भाव से शिव पार्वती एवं अन्य देवी देवताओं की आरती उतारी गई। उधर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के आगमन को देखते हुए तीर्थ नगरी की चाकचौबंद सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ न्यायिक सेवा के अधिकारी मंदिर में मौजूद थे। इस दौरान डीसी अभिजीत सिन्हा एवं एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को बासुकीनाथ का स्मृति चिन्ह भेंट किया। मौके पर स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में पंडा पुरोहित एवं पुलिस बल उपस्थित थे।

मुसलमानों के खिलाफ साजिश हो रही है, हम लोग मुस्लिम समाज की लड़ाई लड़ते रहेंगे : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना। पटना के गांधी मैदान में वक्फ बचाओ-दस्तूर बचाओ कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसे संबोधित करते हुए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में सभी समाज के पूर्वजों ने कुर्बानी दी है। लेकिन आज साजिश के तहत मुस्लिम समाज के लोगों को परेशान किया जा रहा है। जबतक हमारे नेता लालू प्रसाद यादव मुस्लिम समाज के साथ हैं,अंतिम सांस तक हम लोग उनकी लड़ाई लड़ते रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि

देश को तोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हम लोग एक हैं। बिहार में किसी भी कीमत पर पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण नहीं होने दिया जाएगा। हिंदुस्तान की सरजमीं का एक-एक इंच, हर पन्ना चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सभी ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये हम सबों का देश है। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की तरफ से विशेष पुनरीक्षण के नाम पर साजिश रची जा रही है, लेकिन हम लोग मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे। अब भारतीय जनता पार्टी सत्ता से जाने वाली है, तो गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित लोगों से मतदान के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है, इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा। उल्लेखनीय है कि वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों का पटना के गांधी मैदान में बड़ा जुटान हुआ है।

इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से इसका आयोजन किया गया। सभी प्रमुख दलों को आमंत्रण भेजा गया था। राजद, कांग्रेस और जदयू के बड़े नेताओं को बुलाया गया था।

वृंदावन जो मन में बस जाता है

वृंदावन वह जगह है जहां भगवान कृष्ण का बचपन गुजरा। जहां उन्होंने गोपियों संग रास किया। कृष्ण भारत में आनंद के देवता भी हैं और जीवन में उमंग लाने वाले देवता भी। यही कारण है कि वृंदावन में प्रवेश करते ही यहां के कण-कण में भक्ति और प्रेम का अहसास होने लगता है... वृंदावन की हवाओं में कुछ अलग-सा कृष्णमय संगीत है, मानो वह अब भी राधे-राधे की माला जप रही हों। दिल्ली से करीब डेढ़ सौ किलोमीटर दूर वृंदावन आना एक अलग अनुभव है। ऐसा अनुभव, जिस शब्दों में बांधना आसान भी नहीं। यहां जिस भी ओर जाएंगे, कृष्ण की भक्ति भावना में लीन मंदिरों और साधारण से आलीशान आश्रम पाएंगे। देश-विदेश के कृष्ण भक्तों की भीड़ पाएंगे। वृंदावन विधवाओं की भी नगरी बनती जा रही है, जो वैधव्य के बाद कृष्ण के चरणों में जीवन बिताने के लिए इस शहर का रुख करती हैं।

कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ। फिर लालन-पालन वृंदावन में। लिहाजा यहां हर ओर कृष्ण समाए हुए हैं। हर ओर राधे-राधे है। हर ओर रसपूर्ण भक्तिभाव की यमुना है। जिस तरह गंगा उत्तर भारत के तमाम पवित्र स्थानों की जीवनदायिनी है, उसी तरह यहां यमुना जीवनदायिनी और पापनाशिनी है। माना जाता है कि यहां नहा लेने से आपके पाप नष्ट हो जाते हैं।

बांकेबिहारी मंदिर

वृंदावन में यूं तो एक से बढ़कर एक मंदिर हैं और सभी अपनी छटा और खूबियां लिए हुए हैं, लेकिन बांकेबिहारी मंदिर की तुलना और किसी से नहीं की जा सकती। मंदिर बाहर से राजस्थानी शैली की शानदार हवेली की तरह लगता है। अंदर कृष्ण की खास शैली की मूर्ति विराजमान है। यहां दर्शन की बड़ी महत्ता है। हालांकि सप्ताहांत के दिनों में यहां बहुत ज्यादा भीड़ होती है। अन्य दिन कुछ सुकून लिए होते हैं। तब आप यहां न केवल दर्शन कर सकेंगे, बल्कि मंदिर के अंदर कृष्ण की जादुई मौजूदगी को महसूस करेंगे। मंदिर के अंदरूनी हाल की रोजाना गुब्बारों और फूलों से खास सजावट होती है। खास बूंदी के प्रसाद से कन्हैया का सत्कार। भक्तिभाव में डूबे दर्शनार्थियों का राधे-राधे करते हुए विभोर होना। बांके बिहारी मंदिर का निर्माण वर्ष 1864 में स्वामी हरिदास ने कराया था। श्रीहरिदास विषय उदासीन वैष्णव थे। उनके भजनकीर्तन से प्रसन्न हो निधिवन से बांकेबिहारी प्रकट हुए

वृंदावन में यूं तो एक से बढ़कर एक मंदिर हैं और सभी अपनी छटा और खूबियां लिए हुए हैं, लेकिन बांकेबिहारी मंदिर की तुलना और किसी से नहीं की जा सकती। मंदिर बाहर से राजस्थानी शैली की शानदार हवेली की तरह लगता है। अंदर कृष्ण की खास शैली की मूर्ति विराजमान है। यहां दर्शन की बड़ी महत्ता है। हालांकि सप्ताहांत के दिनों में यहां बहुत ज्यादा भीड़ होती है। अन्य दिन कुछ सुकून लिए होते हैं। तब आप यहां न केवल दर्शन कर सकेंगे, बल्कि मंदिर के अंदर कृष्ण की जादुई मौजूदगी को महसूस करेंगे। मंदिर के अंदरूनी हाल की रोजाना गुब्बारों और फूलों से खास सजावट होती है। खास बूंदी के प्रसाद से कन्हैया का सत्कार। भक्तिभाव में डूबे दर्शनार्थियों का राधे-राधे करते हुए विभोर होना। बांके बिहारी मंदिर का निर्माण वर्ष 1864 में स्वामी हरिदास ने कराया था।

माने जाते हैं। बांके बिहारी मंदिर के बिल्कुल पास एक बहुत प्राचीन-सा ऊंचा गुंबदाकार मंदिर नजर आता है। गेरुए रंग का यह मंदिर मदन मोहन मंदिर है। कहा जाता है कि यह वृंदावन का पहलामंदिर था। औरंगजेब के शासनकाल में जब मथुरा और वृंदावन के मंदिरों को क्षति पहुंचाई जा रही थी, तब यहां से भगवान कृष्ण की मूर्ति को छिपाकर राजस्थान के करौली पहुंचा दिया गया। हमलावरों ने मंदिर शिखर व अन्य मूर्तियों को छिन्न-भिन्न कर दिया। आज भी यह मंदिर खंडित अवस्था में है। भारतीय पुरातत्व विभाग ने मंदिर की पौराणिकता व कला को देखते हुए इसे अपने संरक्षण में ले लिया है। मंदिर के पास बना काली घाट आज भी सुरक्षित है, परंतु यमुना यहां से लगभग एक किलोमीटर दूर चली गई है।

यमुना घाट

यमुना में कई घाट हैं। सबकी अपनी छटा है और अपना महत्व। हर घाट से जुड़ी बाल कृष्ण की कहानियां हैं। कुछ घाट गुजरे जमाने के गवाह मात्र हैं। कुछ की हालत खस्ता है और कुछ को पिछले कुछ सालों में फिर से ठीक किया गया है। लेकिन इन सभी घाटों पर जाने पर कृष्ण से जुड़ी कोई न कोई कहानी जरूर मिल जाएगी। किसी घाट पर कृष्ण पहली बार स्नान करने उतरे होंगे। किसी पर उन्होंने कालिया नाग को मारा होगा। किसी घाट पर गोपियों का वस्त्र हरण करके ले गए होंगे, यानी जितने घाट कृष्ण से जुड़ी उतनी कहानियां। वृंदावन से कुछ किमी. की दूरी पर अक्रूर घाट है और पास में ही अक्रूर गांव है। इसके बारे में एक प्रसंग प्रचलित है कि जिस समय अक्रूर जी नंदगांव से श्रीकृष्ण और बलदेवजी को रथ में बिठाकर मथुरा ले जा रहे थे, तब मार्ग में यमुना के किनारे रथ रोक कर स्नान करने की इच्छा हुई। अक्रूर जी महाराज बड़े ज्ञानी थे। लेकिन उन्हें इस बात की चिंता थी कि कृष्ण-बलराम कंस का सामना कर पाएंगे या नहीं। अक्रूर जी ने जब यमुना में डुबकी लगाई, तब पानी के अंदर उन्हें भगवान कृष्ण और बलराम के दर्शन हुए। लेकिन उन्होंने जब अपना सिर पानी से बाहर निकाल कर देखा तो दोनों भाई रथ पर विराजमान थे। फिर जब दोबारा उन्होंने डुबकी लगाई तो भगवान के चतुर्भुज रूप के दर्शन हुए। यही स्थान अक्रूर घाट (अनन्त तीर्थ) कहलाता है। बारह पुराण में उल्लेख है राहु से ग्रसित सूर्य ग्रहण में अक्रूर घाट पर स्नान करते हैं, तो राजसूय अश्वमेघ यज्ञ करने जैसा फल प्राप्त होता है।

वास्तविक वृंदावन

माना जाता है कि असली वृंदावन समय के साथ लुप्त हो गया था। साथ ही लीला स्थलियां भी। ये भी कहते हैं कि वर्तमान वृंदावन असली या प्राचीन वृंदावन नहीं है। वह शायद गोवर्धन के करीब था। हरिवंश पुराण, श्रीमद्भागवत, विष्णु पुराण आदि में वृंदावन की महिमा के बारे में बताया गया है तो कालिदास ने रघुवंश में इंदुमती- स्वयंवर के प्रसंग में इसका उल्लेख किया है। श्रीमद्भागवत के अनुसार कंस के अत्याचार से बचने के लिए नंदजी कुटुंबियों और सजातीयों के साथ गोकुल से वृंदावन रहने के लिए आ गए थे।

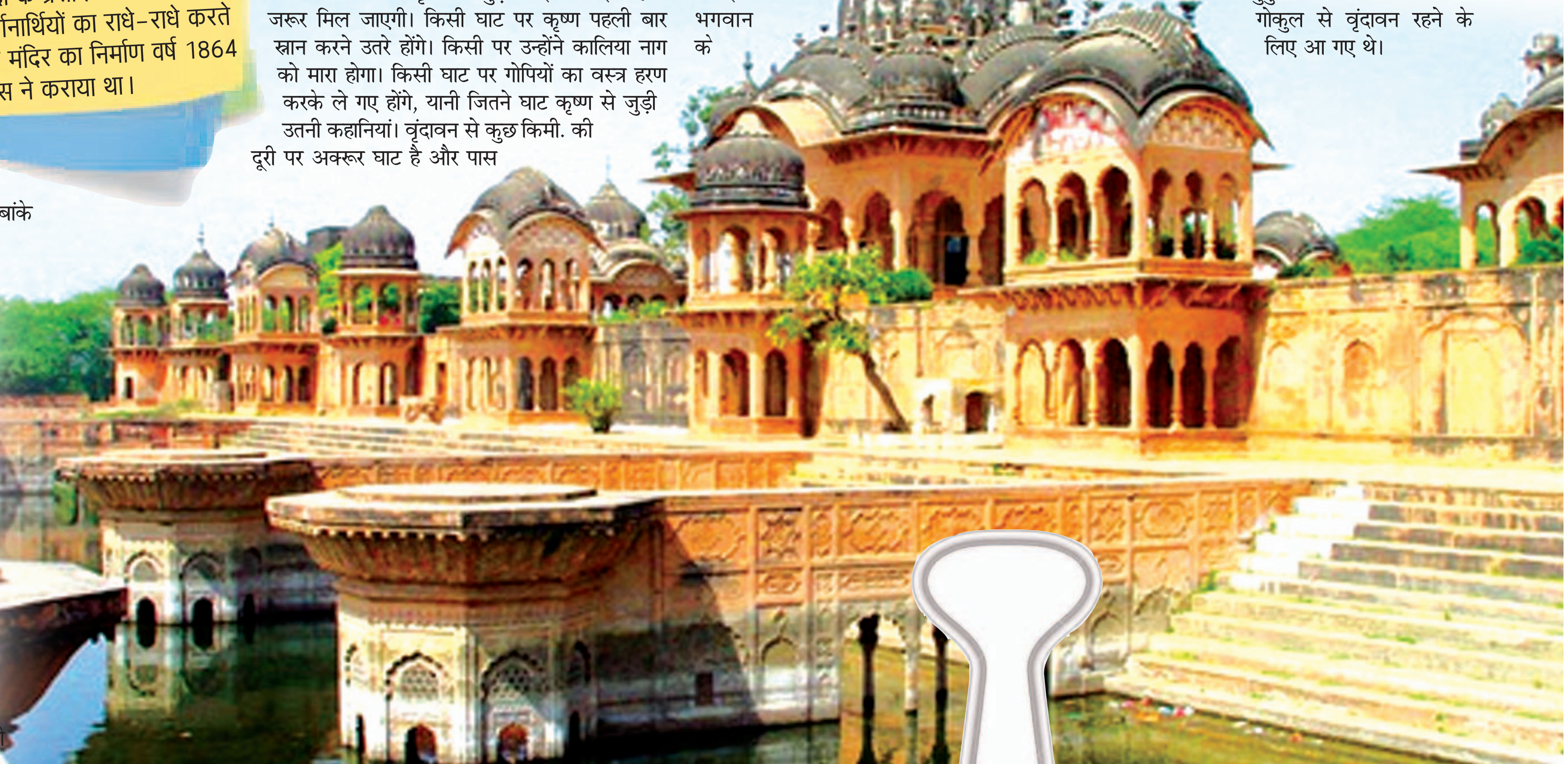

आधुनिकता और संस्कृति का खूब समावेश है चेन्नई में

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु की राजधानी मद्रास अब चेन्नई के नाम से जानी जाती है। विविधताओं का यह नगर भारत के चार महानगरों में से एक है। यहां आधुनिकता के साथ-साथ प्राचीन सभ्यता और संस्कृति सुरक्षित है। चेन्नई एक जमाने में पल्लव राजाओं की राजधानी थी। चेन्नई को दक्षिण भारत का प्रवेशद्वार भी कहा जाता है। चेन्नई के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो जुबां पर सबसे पहला नाम मेरीना बीच का आता है। मेरीना बीच संसार के सभी समुद्रतटों में दूसरा सबसे बड़ा बीच है। इस सागर तट पर लाइट हाउस भी है और अन्ना और एमजी रामचंद्रन की समाधियां हैं। तट के साथ-साथ चौड़ी, स्वच्छ और सुंदर सड़क है। सड़क के दूसरी ओर विश्वविद्यालय, प्रेसिडेंसी कालेज और आइसहाउस है। रात के समय बिजली की जगमगाहट सागर तट को और आकर्षक बना देती है। आप इलियट्स बीच भी देखने जा सकते हैं। यह बीच पिकनिक के लिए उपयुक्त स्थान है। बीच के किनारे अष्टलक्ष्मी मंदिर और बेलाकनी चर्च है। तमिल के संत कवि तिरुवल्लुवर की स्मृति में निर्मित वल्लुवरकोट्टम भवन में तैंतीस मीटर लंबे रथ पर स्थापित तिरुवल्लुवर की प्रतिमा भी दर्शनीय है। इस भवन के विशाल हाल में लगभग चार हजार लोग बैठ सकते हैं। इलियट बीच के पास ही एक बड़े बगीचे में स्थित थियोसोफिकल सोसाइटी के अंदर प्रवेश करने पर बड़ी शांति महसूस होती है। यहां एक प्राचीन पुस्तकालय भी है जो प्रातः आठ से दस और शाम को दो से चार

तिरुवल्लीकेनी में 8वीं सदी में पल्लव राजाओं द्वारा निर्मित पार्थसारथी मंदिर में भगवान विष्णु के पांचों अवतारों की मूर्तियां हैं। यहां जनवरी में बैकुंठ एकादशी का उत्सव होता है। मुख्य मंदिरों के अलावा वादापलानी मंदिर में नवंबर-दिसंबर में करथीगई उत्सव होता है। आप मामल्लपुरम के मंदिर भी देखने जा सकते हैं। पल्लव राजाओं का समुद्री बंदरगाह मामल्लपुरम एक ऐतिहासिक नगर था। इस क्षेत्र के छह मंदिर जलमग्न हो गये अब शेष शिवमंदिर देखने योग्य हैं। टैगोर गुफा, पांच रथ, दीवारों पर उकेरे गए चित्र और अर्जुन की तपस्या तथा महिषासुर मर्दन के दृश्य एवं प्रतिमाएं बहुत ही सुंदर और दर्शनीय हैं।

बजे तक खुलता है। जो लोग हरियाली के प्रेमी हैं उनके लिए घूमने का सर्वोत्तम स्थान हार्टीकल्चर उद्यान है। बाइस एकड़ जमीन पर फैले इस उद्यान में तरह-तरह के फूल और पेड़-पौधे मन को मोह लेते हैं। गिंडी नेशनल पार्क भी घूमने योग्य जगह है। इस पार्क में बिल्ली, हिरन, सियार, बंदर तथा तरह-तरह के पक्षियों को देखा जा सकता है। इसके मुख्य द्वार पर मगरमच्छ बैंक, सर्पघर और मनोरजंन पार्क हैं। मगरमच्छ बैंक में मगरमच्छों की तथा सर्पघर में इनकी विभिन्न प्रजातियां मौजूद हैं। चेन्नई से तीस किलोमीटर दूर 510 हेक्टयेर क्षेत्र में फैले वंडलूर जू को भी आप देखने जा सकते हैं। इस चिड़ियाघर में अनेक प्रकार के पशुओं को उनमुक्त वातावरण में विचरते हुए देखा जा सकता है। चेन्नई में एक सरकारी संग्रहालय भी है। इस प्राचीन संग्रहालय में पल्लव, चोल और पांड्या राजाओं के समय की कलाकृतियां तथा तांबे की वस्तुएं देखी जा सकती हैं। यहां एक आर्ट गैलरी भी है जिसमें आधुनिक और समकालीन कला के नमूने, खासकर शिल्पकला की बारीकी देखते ही बनती है। मायलापुर में 13वीं शताब्दी में निर्मित चेन्नई के सबसे बड़े मंदिर कपालेश्वर मंदिर के 37 मीटर लंबे गोपुरम में उत्कीर्ण पौराणिक कथाएं द्रविड़ शिल्प कला के उत्कृष्ट नमूने प्रस्तुत करती हैं। इस मंदिर में स्वच्छ जल का एक सुंदर सरोवर है जिसके चारों ओर सीढ़ियां बनी हुई हैं। कहा जाता है कि मंदिर के आसपास तमिल भाषा के महान ग्रंथ तिरुक्कुरल के प्रणेता विद्वान संत तमिल कवि तिरुवल्लुवर रहते थे। पत्थरों को तराश कर बनाए गए मंदिरों में पांच मंदिर पांडवों के और एक द्रौपदी के नाम पर हैं। कृष्ण मंडप के सामने तपस्यारत अर्जुन की प्रतिमा भी है। इन सबके अलावा आप सेंट मेरी चर्च, जलपक्षी विहार और पार्क, पुप्पुहार, चोलमंडलम आदि जगहों को भी देखने जा सकते हैं। चेन्नई के दर्शनीय स्थलों को देखने के लिए स्थानीय रेल, बस, टैक्सी, आटो रिक्शा आदि उपलब्ध रहते हैं। यहां लोकल रेल सुविधा भी उपलब्ध है।

अजब हैं प्राग की इमारतें

पुरानी इमारतें और स्थापत्य शैली अगर आपको आकर्षित करतीं हैं, तो चेक रिपब्लिक की राजधानी प्राग सिटी बेहद दिलचस्प डेस्टिनेशन है। डांसिंग हाउस और खगोलीय क्लॉक जैसी अजूबी चीजें सिर्फ यहीं देखने को मिलेंगी। साथ ही, खाने-पीने और शॉपिंग का भरपूर आनंद भी मिलेगा रोप में चेक रिपब्लिक की प्राग सिटी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक विरासत के कारण सैलानियों के लिए हॉट टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। हालांकि पहले लोग इस शहर के महत्व से बिल्कुल अनजान थे। आज पर्यटकों के बीच इस स्थल को लेकर आकर्षण का आलम यह है कि हर साल यहां करीब 40 लाख टूरिस्ट घूमने आते हैं। दरअसल, प्राग सैलानियों के लिए एक पूरा कॉम्पैक्ट शहर है। यहां उन्हें शिल्पकारी, कलाकारी, शांत हरे-भरे पार्क, देशी स्वादिष्ट बीयर, खाने-पीने की चीजें और शॉपिंग सब कुछ एक जगह मिल जाता है। यह शहर ऐतिहासिक महलों, इमारतों और चर्चों का गढ़ है। इनमें एक से बढ़कर एक स्थापत्य शैली और नक्काशी आपको देखने को मिल सकती है। ऐसे में पुरातात्विक चीजों में दिलचस्पी रखने वालों के लिए यह उम्दा शहर है। आइए आपको प्राग के कुछ बेहद दिलकश डेस्टिनेशंस से रूबरू कराते हैं।

वाल्टवा नदी को ओल्ड टाउन और लेसर टाउन से चार्ल्स ब्रिज ही आपस में जोड़ता है। करीब 600 साल पुराना यह ब्रिज प्राग का बेहद पुराना ऐतिहासिक प्रतीक है। यहां भी बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहां का नजारा देखना दिलचस्प होता है। प्राग के किले की रात में जलती लाइट्स को यहां से निहारकर अनूठी अनुभूति होती है।

ओल्ड प्राग टाउन का प्रवेश द्वार है पाउडर टॉवर। 11वीं सदी में बने इस टॉवर का उपयोग 17वीं सदी के दौरान गन पाउडर स्टोर करने के लिए होता था। इसी वजह से इसका नाम पाउडर टॉवर पड़ा। किसी जमाने में यह टॉवर राजा के महल का शाही मार्ग था। इसके भीतर 186 पायदान की एक घुमावदार सीढ़ी से टॉवर के शीर्ष पर पहुंचकर पुराने शहर का पूरा भव्य नजारा देखा जा सकता है। डांसिंग हाउस बिल्डिंग प्राग का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह अपनी अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन के लिए बहुत फेमस है। दिखने में यह बिल्डिंग ऐसी लगती है कि मानो कोई डांस कर रही लड़की किसी पुरुष पार्टनर की बाहों में झूम रही हो। वैसे तो, शहर में अनूठी स्थापत्य शैली के नजारों की कमी नहीं है, लेकिन वल्टवा नदी पर बनी यह डांसिंग हाउस इमारत औरों से बेहद अलग है। यह एक प्राइवेट ऑफिस बिल्डिंग है, जिसके 7वें फ्लोर पर एक रेस्टोरेंट है, जो पब्लिक के लिए भी खुला रहता है। अक्सर लोग इसका अजूबा डिजाइन देखने के लिए यहां जरूर आते हैं। यह स्थल एक यहूदी क्वॉर्टर है और यूरोप का एक बहुत पुराना उपासना स्थल भी है। इसके निर्माण को लेकर कई लोककथाएं प्रचलित हैं। कुछ लोग बताते हैं कि देवदूतों द्वारा यरूशलम के सेकंड टेंपल से लाए गए पत्थरों से इस इमारत की दीवार का निर्माण कराया गया है, इसीलिए यह स्थानीय लोगों के लिए पवित्र स्थल है। वर्ष 1270 से यह पूजा और आस्था का केंद्र है।टाइन चर्च भी पर्यटकों के आकर्षण का बड़ा केंद्र है। सबसे ज्यादा लोकप्रियता गोथिक टॉवर को लेकर है। 80 मीटर ऊंचे इस टॉवर से शहर के सभी हिस्सों को देखा जा सकता है। यह चर्च 14वीं सदी में बना था। बताते हैं कि पहले भी यहां चर्च ही था। टाइन चर्च के अंदरूनी हिस्सों की गोथिक स्थापत्य शैली और नक्काशी को देखकर आप अद्भुत अनुभूति का एहसास करेंगे। चार्ल्स ब्रिज के दूसरे छोर पर स्थित माला स्ट्राना पर्यटकों के बीच लेसर टाउन डिस्ट्रिक्ट के नाम से भी चर्चित है। इसकी इमारतें बरोक आर्किटेक्चर शैली में हैं, जो सिर्फ यहीं देखने को मिलेंगी।

न्यू कपल्स के लिए गोवा सबसे पसंदीदा शहर

गोवा न्यू कपल या दोस्तों के साथ घूमने के लिए भारतीयों के बीच फेवरिट डेस्टिनेशन है। बेस्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन, पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन और महिलाओं के लिए सुरक्षित ट्रैवल स्पॉट की तीन श्रेणियों में यह शहर अव्वल है। यह बात वुडस्टे के हालिया सर्वे में सामने आई है। सर्वे के मुताबिक, केरल भी अपनी कुदरती खूबसूरती की वजह से देशवासियों को खूब अट्रैक्ट करता है। गोवा के बाद इसे दूसरे सबसे हॉट डेस्टिनेशन के तौर पर पसंद किया गया है। श्रीनगर भी लोगों की फेवरिट लिस्ट में शामिल है। ऑनलाइन मार्केट प्लेस वुडस्टे का यह सर्वे 20 से 45 वर्ष के 20 हजार महिला और पुरुष यात्रियों के बीच कराया गया, जिसमें केरल को 41 फीसदी, गोवा को 34 फीसदी तथा श्रीनगर को 22 फीसदी वोट मिला है। लेकिन न्यू कपल की नजर में गोवा 36 फीसदी मतों के साथ फर्स्ट च्वाइस है। दोस्तों के साथ घूमने के लिए भी यह अच्छी जगह माना गया है। वहीं, अंडमान 28 फीसदी और श्रीनगर 21 फीसदी मतों के साथ इस लिस्ट में दूसरे और तीसरे स्थान पर है। सर्वे में पुड्डुचेरी को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित ट्रैवल स्पॉट का दर्जा मिला है। 39 फीसदी लोगों ने इसके समर्थन में वोट दिया, जबकि केरल और गोवा को क्रमशः 23 प्रतिशत और 19 प्रतिशत मत मिले। फैमिली के साथ घूमने-फिरने के लिए मनाली को 43 फीसदी रिस्पांडेंट सबसे अच्छा स्थान मानते हैं। फेवरिट लिस्ट में अंडमान और जिम कार्बेट नेशनल पार्क भी शामिल हैं। इसके अलावा, सर्वे में शामिल 39 फीसदी रिस्पांडेंट ने पुष्कर को देश का सबसे अच्छा ऑफ बीट ट्रैवल डेस्टिनेशन बताया है।

सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा न होने पर सोनाक्षी सिन्हा ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने 2012 की सुपरहिट फिल्म सन ऑफ सरदार में अजय देवगन के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने बात करते हुए सन ऑफ सरदार 2 में अपनी गैरमौजूदगी को लेकर प्रतिक्रिया दी। सोनाक्षी सिन्हा ने बताया कि फिल्म में कास्टिंग से जुड़े ऐसे फैसले इंडस्ट्री में आम बात हैं और इन पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं होती। सन ऑफ सरदार 2 में शामिल न होने पर उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। उन्होंने कहा, मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थीं। इसमें अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। इसमें एक्ट्रेस जूही चावला भी अहम किरदार में नजर आई थीं। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साल 2010 की तेलुगु फिल्म मर्यादा रमन्ना की रीमेक थी।

सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी। हाल ही में अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट का ऐलान किया था। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह पगड़ी पहने नजर आए और लिखा, द रिटर्न ऑफ द सरदार अब 25 जुलाई को नजदीकी सिनेमाघरों में। सन ऑफ सरदार 2 की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी से होगी। मैडॉक फिल्म्स की परम सुंदरी 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी है, जो उत्तर और दक्षिण भारत से है। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है और इसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है।

राणा नायडू सीजन 2 में बोल्ड और इंटिमेट सीन कहानी के लिए जरूरी

एक्ट्रेस अदिति शेट्टी ने राणा नायडू सीजन 2 में अपने बोल्ड और इंटिमेट सीन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि ये सीन कहानी और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझाने के लिए जरूरी थे। अदिति शेट्टी ने कहा कि नए सीजन में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और जो भी सीन हैं, उन्हें बहुत सोच-समझकर फिल्माया गया है। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करते हैं। अदिति ने कहा, सीजन 2 में वास्तव में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और वे भी सावधानी से शूट किए गए हैं। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और मेरे किरदार के सफर के लिए यह मायने रखते हैं। कुछ भी बेकार नहीं था, हमने जो भी किया, उसका उद्देश्य और गहराई थी। अदिति शेट्टी ने बताया कि उन्होंने राणा नायडू सीजन 2 में काम करने के लिए हां क्यों कहा।

उन्होंने कहा, इसके कई कारण थे। मैंने पहले भी मिर्जापुर में निर्देशकों के साथ काम किया था, और मैं पहले से ही राणा नायडू सीजन 1 की बड़ी फैन थी। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं काफी उत्साहित हुई। मेरा किरदार बहुत दिलचस्प है और कहानी के लिए अहम है। मैं अपने किरदार से काफी प्रभावित हुई। साथ ही, सीन भी जबरदस्त थे। खासकर राणा सर के साथ मेरा फेस-ऑफ सीन शानदार था। इन कुछ चीजों के चलते मैंने हां की। अदिति ने बताया कि राणा नायडू सीजन 2 में उनका किरदार तसनीम उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है।

उन्होंने कहा, तसनीम मेरी असली जिंदगी से बहुत अलग है। मैं मस्ती करने वाली और भावनाओं को खुलकर दिखाने वाली लड़की हूं, लेकिन तसनीम ज्यादा शांत और गंभीर है। एक बात सामान्य है कि हम दोनों में फिटनेस का शौक एक जैसा है। राणा नायडू सीजन 2 में वेंकटेश दग्गुबती, राणा दग्गुबती, अर्जुन रामपाल और कृति खरबंदा लीड रोल में हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर 13 जून को रिलीज हुआ था।

रश्मिका मंदाना बनीं मैसा, फिल्म के पोस्टर में दिखा गुस्से से दहलता विकराल रूप

पैन इंडिया की सबसे बड़ी हीरोइन रश्मिका मंदाना देशभर में जबरदस्त फैनबेस एन्जॉय करती हैं और फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं कि वो आगे क्या करने वाली हैं। गुरुवार रिलीज हुए दिलचस्प पोस्टर के बाद, रश्मिका मंदाना की अगली फिल्म मैसा से उनका लुक लॉन्च हुआ, जहां इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस शुक्रवार सुबह उनका पोस्टर रिलीज किया। पुष्पा 2- द रूल के बाद रश्मिका एक और पैन इंडिया फिल्म मैसा के साथ तैयार हैं। अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी मैसा एक ऐसी कहानी लग रही है जिसमें एक महिला योद्धा की हिम्मत और जज़्बे को दिखाया गया है। फिल्म का पोस्टर वाकई अब तक कभी न देखा गया लुक देता है, जिसमें रश्मिका मंदाना के चेहरे का तेज और जज्बा साफ नजर आता है।

मैसा पर बोलीं रश्मिका

रश्मिका मंदाना इस प्रोजेक्ट को लेकर खुद भी काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म का टाइटल और लुक अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए एक खास कैप्शन लिखा, मैं हमेशा आपको कुछ नया... कुछ अलग... कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं..और ये... ये वैसा ही एक प्रोजेक्ट है। एक ऐसा किरदार जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया... एक ऐसी दुनिया जहां मैं पहले कभी नहीं गई...और मेरा ऐसा रूप जिसे मैंने खुद भी अब तक नहीं देखा था...ये गुस्से से भरा है... बहुत दमदार है... और बिलकुल असली है। मैं थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन बहुत खुश भी हूं। मैं सच में इंतज़ार नहीं कर सकती कि आप सब देखें हम क्या बना रहे हैं...और ये तो बस शुरुआत है।

कैसी है फिल्म मैसा

ये फिल्म एक जबरदस्त इमोशनल एक्शन कहानी है, जो हमें गोंड जनजाति की दिलचस्प और अनदेखी दुनिया में लेकर जाती है। मैसा को लेकर बात करते हुए डायरेक्टर रविंद्र पुल्ले ने कहा, मैसा दो साल की मेहनत का नतीजा है। हम चाहते थे कि इस फिल्म की दुनिया, उसका लुक, किरदार और कहानी, हर एक चीज बिलकुल सही हो। और अब हम तैयार हैं ये कहानी दुनिया को सुनाने के लिए।

रश्मिका मंदाना की अगली फिल्में

इसके अलावा, रश्मिका मंदाना के पास आने वाले समय में कई जबरदस्त प्रोजेक्ट्स की लाइनअप है। वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी थामा में नजर आएंगी। पुष्पा 3 में भी वह अपने आइकॉनिक किरदार श्रीवल्ली के रूप में लौटेंगी। इसके साथ ही द गर्लफ्रेंड और रेनबो जैसी फिल्मों में वह इमोशन से भरे और अलग-अलग तरह के किरदार निभा रही हैं।

द फैमिली मैन 3 में जयदीप अहलावत की एंट्री

प्राइम वीडियो की सीरीज द फैमिली मैन अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। बीते दिनों इसका फर्स्ट लुक सामने आया था। वहीं, 27 जून को द फैमिली मैन 3 का एनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है। मनोज बाजपेयी की सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत की भी एंट्री हुई है। वे विलेन की भूमिका में हैं। प्राइम वीडियो के यूट्यूब चैनल से टीजर वीडियो शेयर किया गया है। इसमें मनोज बाजपेयी खुद को लाइफ और रिलेशनशिप काउंसलर बता रहे हैं। जयदीप अहलावत की झलक है। सीरीज के तीसरे भाग में जयदीप अहलावत की एंट्री से नेटिजन्स खुश हैं। मनोज और जयदीप, दोनों सितारों को एक साथ देख दर्शकों की दिलचस्पी सीरीज के प्रति और बढ़ गई है। नेटिजन्स कमेंट कर रहे हैं कि सरदार खान और शाहिद खान आमने-सामने होंगे। बता दें कि जयदीप और मनोज गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम कर चुके हैं। हालांकि, इसमें दोनों का साथ में कोई सीन नहीं था। गैंग्स ऑफ वासेपुर में मनोज बाजपेयी को सरदार खान के रूप में देखा गया। वहीं, शाहिद खान के रूप में जयदीप अहलावत नजर आए।

आमने-सामने होंगे ओटीटी के सुपरस्टार

मनोज बाजपेयी और जयदीप अहलावत दोनों ही ओटीटी के धुरंधर हैं। सीरीज से लेकर ओटीटी फिल्मों तक, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दोनों की लोकप्रियता है। ऐसे में इस सीरीज में अब इन्हें एक फ्रेम में देखना दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। यह सीरीज इसी साल यानी 2025 में आएगी। हालांकि, अभी रिलीज डेट का एलान नहीं हुआ है। सीरीज का पहला सीजन 2019 में आया था। फिर दूसरा सीजन साल 2021 में आया। पिछले दोनों सीजन दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय रहे। इस बार कास्ट में जयदीप अहलावत के अलावा निमरत कौर की एंट्री भी हुई है। वे भी विलेन के रोल में हैं। यानी मनोज बाजपेयी का सामना दो दुश्मनो से होगा।

शानमुखा गौतम की फिल्म में लीड रोल निभाएंगे अभिषेक

अभिनेता अभिषेक बच्चन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके अभिनय को सराहा जा रहा है और यह बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। अब अभिषेक के फैंस के लिए एक और बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... अभिषेक ने संदीप रेड्डी वांगा के सहायक निर्देशक शानमुखा गौतम की अगली फिल्म साइन कर ली है। वे एक एक्शन थ्रिलर फिल्म से बतौर निर्देशक डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में अभिषेक एक कसाई की भूमिका निभाएंगे जो उनके करियर का एक नया और दमदार रूप हो सकता है। फिलहाल फिल्म की कास्टिंग पर काम चल रहा है। इसका निर्माण पीपल्स मीडिया फैक्ट्री कर रही है।

एक्टिंग करियर के सबसे सुनहरे दौर से गुजर रहीं नीना गुप्ता, टर्निंग पॉइंट साबित हुई बधाई हो

बॉलिवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता अपने करियर के उस दौर में है, जहां उनकी लोकप्रियता दिन दुनी और रात चौगुनी तरक्की पर है। एक्टिंग करियर के सबसे सुनहरे दौर से गुजर रहीं नीना गुप्ता के लिए बधाई हो टर्निंग पॉइंट साबित हुई। सिनेमा में बोल्ड रहीं नीना अब बिंदास हैं। उनके किरदारों के साथ-साथ फैशन सेन्स की भी खूब तारीफ होती है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज पंचायत 4 से, जिसने उनकी लोकप्रियता में इजाफा किया है।

फिल्में हों या वेब सीरीज आपने मजबूत महिलाओं वाली भूमिकाएं की हैं, मगर असल जिंदगी में अपने खुद को सबसे ज्यादा एम्पावर कब फील किया?

सच कहूं, तो मेरे पास जब भी अच्छे पैसे होते हैं, मैं खुद को एम्पावर फील करती हूं, क्योंकि पैसों की बहुत जरूरत होती है और जब भी वो नहीं होते, तो बहुत तकलीफ होती है। सालों-साल मेरी जिंदगी में ऐसा दौर रहा जब मेरे पास पैसे नहीं थे। हमारी फील्ड ही ऐसी है कि कई बार आपके पास दो साल तक लगातार काम होता है और फिर आपके पास काम नहीं होता। मेरे साथ तो ऐसा हुआ कि पांच साल तक मेरे पास काम नहीं था और फिर जब मेरे टैक्स रिटर्न भरने आए, तो वो लोग हैरान रह गए, क्योंकि मेरे पास तो कोई कमाई थी ही नहीं। उनको लगा कि मैं झूठ बोल यही हूं। उनको ये समझ में नहीं आता कि हमारा काम कैसा है? हमारी फील्ड ही ऐसी है कि आज यहां, तो कल वहां। बहुत ही ब्रूटल फील्ड है। मैं तो इतने टॉप पर नहीं पहुंची हूं, मगर जब टॉप वालों के पास नहीं होता न, वो तो समझो बहुत कष्टकारी होता है, क्योंकि आपको एक खास तरह की जीवन शैली की आदत पड़ जाती है और पैसे न हों, तो गुजारा नहीं हो पाता।

आप 66 साल की उम्र में भी तरह-तरह के फैशनेबल कपड़े पहनकर फैशन के गोल सेट करती हैं, चर्चा में रहती हैं।

देखिए, कई बार लोग स्क्रीन प्रेजेंस और असल जिंदगी की ड्रेसिंग को मिक्स कर देते हैं। अब जैसे पंचायत में मैं गांव की महिलाओं की तरह साड़ी पहनती हूं, मगर वो मेरा किरदार है। जो मैं बाहर पहनती हूं, वो नीना गुप्ता है। मुझे फैशन का बहुत ज़बरदस्त शौक है। मेरे पास पैसे नहीं होते थे, मैं फैशन और कपड़ों के मामले में तब भी जुगाड़ और तोड़-जोड़ में लगी रहती थी। अब पैसे हैं, तो एक्सपेरिमेंट करती हूं, अच्छे कपड़े खरीद लेती हूं। मसाबा (उनकी बेटी) से भी मदद ले लेती हूं फैशन के मामले में। वैसे ये भी कहना चाहूंगी कि मैं अगर फैशनेबल कपड़े पहनती हूं, तो संस्कृत में एमफिल भी हूं, तो आप किसी के कपड़ों से उसे जज नहीं कर सकते।

आज इंटरनेट के जमाने में सोशल मीडिया पर आपको काफी कम ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है, तो वो टिप्स आपको कौन देता है?

टिप्स कौन देगा मुझे? मैं तो सोशल मीडिया पर सच ही लिखती हूं या जो मैं नीना गुप्ता हूं, वही दिखती हूं, तो मुझे कोई क्या ही ट्रोल कर लेगा? यही ट्रोल करेंगे कि सेक्सी कपड़े पहने हैं। पर वो तो बहुत अच्छी बात है न, हां, जब कभी -कभार मैं सोशल मीडिया पर कुछ गलत टैग कर दूं या फिर मीडिया पर कुछ गलत लिख दूं अथवा गलत समय पर कुछ पोस्ट कर दूं, तो मेरी बेटी मसाबा का फोन आता है कि आप ऐसा कैसे पोस्ट कर सकती हैं? मैं उसकी बात पर तवज्जो देती हूं, क्योंकि मैं मानती हूं कि उसे सोशल मीडिया के बारे में मुझसे ज्यादा जानकारी है।

आपकी सीरीज गांव-खेड़ों की राजनीति पर आधारित है, आप कभी पॉलिटिक्स में जाना चाहेंगीं?

नहीं मैं पॉलिटिक्स में जाने का बिल्कुल नहीं सोचती, क्योंकि मैं बहुत मुंहफट हूं और मुंहफट होना पॉलिटिक्स में नहीं चलता। वहां पर मैनिपुलेशन वाली चीजें चलती हैं, जो मुझे नहीं आतीं। वो बहुत गंदा गेम है। फिर मैं ऐसे क्षेत्र में क्यों जाऊं, जिसके बारे में मुझे कोई जानकारी ही न हो।

पंचायत में सीजन दर सीजन आपका किरदार महिला के रूप में मजबूत होता गया?

पंचायत सीजन 1 से लेकर सीजन 4 तक मेरा किरदार काफी इवॉल्व हुआ है। जैसे असल जीवन में धीरे-धीरे होता है। मेरा ही चरित्र क्यों अन्य महिला किरदार भी काफी मजबूत हुए हैं। खुशबू, क्रांति और रिंकी के रोल भी काफी स्ट्रॉन्ग हुए हैं और ये सब बहुत ही ऑर्गेनिक तरीके से किया गया है। ये नहीं कि किसी एक दिन सुबह उठकर मेरे किरदार को अचानक से बदल दिया गया। इसके लेखक चंदन कुमार काफी सुलझे हुए राइटर हैं। उन्होंने किरदारों को बहुत ही संतुलित ढंग से लिखा है। मुझे पंचायत की जो सबसे कमाल की बात लगती है कि मैं किसी छोटे कस्बे में चली जाऊं या किसी बड़ी पार्टी में, मेरे मंजू देवी के किरदार को सभी पहचानते हैं और मुझे ये पहचान अच्छी लगती है। मैं अपने करियर में कई बुरे वक्तों से गुजरी हूं, मगर बधाई हो मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ और उसके बाद मैं लगातार तरह-तरह की भूमिकाएं करती जा रही हूं।

दूसरे टेस्ट में विराट कोहली को पछाड़ सकते हैं ऋषभ पंत, एक शतक की है जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक और शतक लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेंगे। अगर पंत दूसरे टेस्ट में शतक लगाते हैं तो वह कोहली को पछाड़कर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में किसी भारतीय द्वारा मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

वर्तमान में पंत और कोहली दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में पांच शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों के मामले में राहुल द्रविड़ (21 मैच) और महान सचिन तेंदुलकर (32 मैच) शीर्ष पर हैं जिन्होंने 7-7 शतक लगाए हैं। उनके बाद अजहरुद्दीन (15 मैचों में 6 शतक) का नम्बर आता है जोकि तीसरे स्थान पर हैं। चौथे नम्बर पर पंत (13 मैचों में 5 शतक) और पांचवें नम्बर पर कोहली (28 मैचों में 5 शतक) आते हैं।

गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान अपने आक्रामक अंदाज में दिखे और दोनों इनिंग्स में शतक लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बने। उनकी बल्लेबाजी ने इंग्लिश गेंदबाजों को काफी परेशान किया क्योंकि वे उनके सामने पूरी तरह से बेबस नजर आए। पंत के दो शानदार शतकों के बावजूद भारत हार गया क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 371 रनों के लक्ष्य को आसानी से पांच विकेट रहते हासिल कर लिया। पांच मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ रहे शुभमन गिल और उनकी टीम बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट के लिए तैयार हैं।

छह साल के तेगबीर सिंह ने बनाया विश्व रिकार्ड, यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर (एजेंसी)। पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है।

उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान -10 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। रूस के पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग और स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ काबर्डिनो बाल्केरियन रिपब्लिक ने माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले तेगबीर को पर्वतारोहण प्रमाणपत्र जारी किया।

प्रमाणपत्र में लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के 6 साल 9 महीने और 4 दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल सात वर्ष और तीन महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले वाघा कुशाग्र (महाराष्ट्र, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2024 में वह माउंट किलिमंजारो (अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बन गए थे और उनका नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वह अप्रैल 2024 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (नेपाल) भी पहुंचे थे। चोटी फतह करने वाले तेगबीर सिंह ने कहा, 'मुझे पता था कि मुझे कहां पहुंचना है और आखिरकार मैं पहुंच गया और वहां अपने पिता के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। तेगबीर ने कहा मैं पहली बार बर्फ पर चल रहा था, मेरे जूते भारी थे, लेकिन मैंने इसका अभ्यास किया था।'

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की, आर्चर टीम में नहीं

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए सोमवार 30 जून को अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जो बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू होगा। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाई थी।

बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम में दूसरे मैच के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को शुरुआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

दूसरी तरफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिए जाने की उम्मीद है जिससे भारत की लाइनअप में बदलाव देखने को मिल सकता है। बुमराह के अलावा भारतीय टीम में स्पिनर कुदलीप यादव को भी शामिल करने की बात सामने आ रही है जो लंदन में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल ने भारत की सबसे बड़ी कमी पर जताई चिंता

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हें और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी। भारत को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया।

भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आठ कैच टपकाए। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'हेडिंग्ले में फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी लेकिन हार का यह अहम कारण नहीं था। भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी। सबसे बड़ी गलती तो वह नो बॉल थी जिससे दूसरी पारी की शुरूआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के सामने समस्या यह भी थी कि उसके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे। उन्होंने कहा, 'भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे। गेंदबाजी में बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है। लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था।'

भारत के पूर्व कोच ने कहा, 'बुमराह की गैर मौजूदगी में अर्शदीप सिंह को टीम में जगह मिलनी चाहिए। इसके साथ ही कुलदीप यादव को भी उतारना चाहिए जो शेन वॉर्न के बाद कलाई का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है।'

भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीत के एक साल पूरा होने पर केक काटकर जश्न मनाया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2024 की जीत के एक साल पूरे होने पर रविवार को यहां एक पार्टी आयोजित की। इसमें केक काटकर जश्न मनाया गया। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मजाकिया अंदाज में ऑलराउडर रवींद्र जडेजा की खिंचाई करने का प्रयास किया पर उन्हें करारा जवाब मिला। जडेजा ने कहा कि वह अभी एक फॉर्मेट से रिटायर हुए हैं। टी20 विश्व कप जीतने के बाद जडेजा ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारुप से संन्यास ले लिया था।

बीसीसीआई ने इस पार्टी का वीडियो भी सोशल मीडिया में पारी किया है। वीडियो में देखने को मिल रहा है कि पहले कोई भी खिलाड़ी केक काटने के लिए आगे नहीं बढ़ रहा था। तभी अर्शदीप सिंह आगे बढ़े तो कहा गया कि बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज थे, तो ऐसे में अर्शदीप की जगह बुमराह ने केक काटा। इसके बाद सभी खिलाड़ी एक दूसरे को केक खिलाने लगे। वीडियो में बुमराह और ऋषभ ने जडेजा को 'हैप्पी रिटायरमेंट' कहकर केक खिलाया। इसपर जडेजा सफाई देते नजर आ रहे हैं उन्होंने अभी केवल एक ही प्रारुप से संन्यास लिया है।

आईसीसी ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर जुर्माना लगाया

लंदन ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया है। इस प्रकार इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम को दोहरा झटका लगा है। इस मैच में उसे भारतीय टीम ने 97 रनों से हराया था। वहीं अब उसपर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा है। आईसीसी के अनुसार इंग्लैंड की टीम तय समय में पूरे 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी हेलेन पैक ने इंग्लैंड टीम पर यह जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने इसी को लेकर कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर-रेट संबंधी नियम के तहत ही खिलाड़ियों पर तय समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाता है। इस मामले में इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने सुझाई गई सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी। आरोप चौथे अंपायर अन्ना हैरिस, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और मैदानी अंपायर जेम्स मिडलब्रुक और जैकलीन विलियम्स ने लगाए थे।

शमी होते तो बुमराह को मिलता एक अनुभवी जोड़ीदार !

बर्मिंघम ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आराम दिया जाएगा। ऐसे में टीम को अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की याद आई है। शमी को इस सीरीज के लिए इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि वह पूरी तरह से फिट नहीं थी। इससे पहले आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में उन्हें टीम में शामिल न करने के लिए प्रबंधन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि आईपीएल 2025 में वह नौ मैचों में 56 की औसत से केवल छह विकेट ले पाये थे। वहीं इसके बाद भी शमी को खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 5 मैचों में 25 की औसत से 9 विकेट लिए। इंग्लैंड दौरे पर 34 वर्षीय तेज गेंदबाज शमी को ना चुने जाने से उनके टेस्ट करियर के समाप्त होने की भी आशंका लगायी गयी पर ये सही नहीं है। अभी भी शमी बुमराह के लिए एक अच्छे सहयोगी हैं। आज जबकि बुमराह केवल तीन टेस्ट खेल कसते हैं तो सभी को शमी की याद आ रही है। ये भी कहा जा रहा है कि शमी को कम से कम दो टेस्ट के लिए तो शामिल किया जा सकता था। वह भी उनक मैचों में जिनमें बुमराह नहीं होते। शमी ने इंग्लैंड में 14 मैचों में 42 विकेट लिए हैं और वह टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते थे। शमी के नहीं होने से टीम इंडिया अभी तक बुमराह के लिए सही जोड़ीदार तलाशने में असफल रही है। युवा मोहम्मद सिराज फॉर्म में नहीं हैं। वहीं आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा भी अनुभवी नहीं हैं।

एशिया कप भारत में, पाकिस्तान को नहीं मिलेगी देश में एंट्री !, हॉकी इंडिया के अधिकारी का बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता के बीच हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर 29 अगस्त से 9 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा।

पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम की महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट में दो महीने से भी कम समय बचा है और हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने अगस्त में एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम सरकार के संपर्क में हैं और हम उसके निर्देशों का पालन करेंगे। मौजूदा स्थिति के अनुसार मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान टीम को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।'

पुरुषों का एशिया कप 2025-2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगा, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे। टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में एक प्रतिष्ठित स्थान अर्जित करेगा। इसके अलावा भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की भी मेजबानी करेगा, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को बाहर करने की मांग के कारण भारत में जूनियर इवेंट में पाकिस्तान की भागीदारी भी संदेह में है। उन्हें विस्तारित 24-टीम टूर्नामेंट में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ रखा गया था। पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ने आखिरी बार 2023 में भारत का दौरा किया था, जब भारत ने चेन्नई, तमिलनाडु में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथा खिताब जीता था।

आयुष ने यूएस ओपन सुपर 300 के साथ बीडब्ल्यूएफ टूर पर जीता पहला खिताब, तन्वी उप-विजेता रही

आयोवा (अमेरिका)। उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है। यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं। उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अजहर महमूद पाकिस्तान टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बने

लाहौर ।पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनाये गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अजहर के नाम की घोषणा कर दी है पर कहा है कि वह वह शुरुआत में कार्यवाहक मुख्य कोच रहेंगे। अजहर पिछले काफी समय से पुरुष क्रिकेट टीम के गेंदबाजी और असिस्टेंट कोच रहे हैं। वह अपने मौजूदा अनुबंध के समाप्त होने तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले दो साल में पीसीबी ने कई मुख्य कोच बदले हैं, ऐसे में महमूद कब तक टिक पायेंगे ये देखना होगा। पीसीबी को भरोसा है कि अजहर कोच को खिलाड़ी और कोच के रूप में काफी अनुभव है, इसलिए वह इस भूमिका में सफल रहेंगे। पीसीबी ने कहा, एक अनुभवी क्रिकेट खिलाड़ी अजहर अब कोच के तौर पर आ रहे हैं। टीम के सहायक कोच के रूप में लंबे समय से रहने के कारण वह टीम के रणनीतिक कोर समूह का एक अहम हिस्सा रहे हैं। खेल के बारे में उनकी जानकारी काफी अच्छी है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ हीइंग्लिश काउंटी सर्किट में मिली सफलता उन्हें इस पद के लिए सबसे अधिक उपयुक्त बनाती है। महमूद की कोच के तौर पर पहली परीक्षा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत दक्षिण अफ्रीका की धरती पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ शुरू होगी। ये सीरीज इस साल के अंत में खेली जाएगी।

विश्व एथलेक्स चैम्पियनशिप में हो सकता है नीरज और अरशद का मुकाबला

नई दिल्ली ।भारत के स्टार एथलीट भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेक्स चैम्पियनशिप में उतरेगे। यहां इनका मुकाबला पाकिस्तान के अरशद नदीम से हो सकता है। अरशद भी यहां भाग लेने वाले हैं। नीरज आजकल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पारी करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी वह पहले नंबर पर रहे हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी तय नहीं कर पाए। अब नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते हुए दिखेंगे। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट में पाकिस्तान के नदीम नहीं थे। नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह फिलहाल पाकिस्तान में ट्रेनिंग में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने पिछले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया था जिसमें नीरज नहीं खेले थे। नदीम ने वहां 86.40 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नदीम ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है। उन्होंने लाहौर में एक कार्यक्रम में कहा कि मेरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। वह जल्द ही अभ्यास के लिए इंग्लैंड जा जा रहे हैं जहां एक माह अभ्यास करेंगे।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम बदलने से नाराज हैं पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का नाम बदले जाने पर नाराजगी जताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि ये फैसला प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने साल 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी रखा था पर इस बार इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले को दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सही नहीं माना था। इंजीनियर भी नाम बदलने से सहमत नहीं हैं हालांकि उन्होंने माना है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। इंजीनियर ने कहा, 'टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया।

उन्होंने कहा, 'एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं। इंजीनियर ने कहा, 'इसमें पटौदी पदक की शुरुआत एक अच्छा कदम है। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इससे अधिक विश्वसनीयता होती, लेकिन कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी पदक के जरिये ये नाम इससे हमेशा जुड़ा रहेगा।

पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की थी। इन दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला। वहीं दूसरी ओर तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन ने तेज गेंदबाज के रूप में पारंपरिक प्रारूप में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। इंजीनियर ने कहा, 'तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर किया गया फैसला है। उन्होंने कहा, 'यह फैसला पटौदी के मुझे जैसे कई समर्थकों को खुश करने के लिए किया गया लेकिन आप उन्हें ट्रॉफी का नाम सचिन और एंडरसन के नाम पर रखने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते।